विज्ञापन

भगवान शिव ने कहा हे पार्वती, यह मेरा पूर्ण सत्य वचन है

इस विज्ञान के आलोक को न किसी अस्पताल से न किसी डाक्टर न किसी वैज्ञानिक से और न ही एलोपैथी, होम्योपैथी, आयुर्वेद से न तंत्र मंत्र यंत्र से प्राप्त किया जा सकता है जिन दुखों रोगों का इलाज न किसी धर्माचार्य से न किसी भी शंकराचार्य जी से न किसी जगद्गुरु जी से न किसी आचार्य महामंडलेश्वर से न मंदिर मस्जिद गुरुद्वारे चर्चों व हवन यज्ञ से मिला ऐसे करोड़ों लोग हो गए पल में ठीक यह महान शक्तिशाली पाठ किसी गुरु, संत या महात्मा के पास नहीं है दुर्गा सप्तशती में स्पष्ट वर्णन है कि मां दुर्गा ने इसे जगत कल्याण के लिए केवल और केवल महाब्रह्मर्षियों को ही प्रदान किया है जगद्गुरु महाब्रह्मर्षि जी से समागम में श्रद्धापूर्वक दंडवत प्रणाम करके कोई भी मां दुर्गा के इस अद्भुत महान शक्तिशाली व गोपनीय पाठ को प्राप्त कर सकता है जो मां दुर्गा की आज्ञा पर चलकर यह उत्कील पाठ करेंगे उनके सभी दुखों कष्टों रोगों तथा समस्याओं का अंत होगा तथा उन्हें सारे संसार का ऐश्वर्य प्राप्त होगा महाब्रह्मर्षि जी ने मां दुर्गा के इस पाठ से 100 करोड़ से अधिक लोगों को कर दिया अपने असाध्य दुखों रोगों कष्टों व समस्याओं से सदा के लिए जड़ से मुक्त देखकर अमेरिका, कनाडा, इंग्लैंड सहित पूरे विश्व की सरकारों ने दिया महाब्रह्मर्षि जी को विश्व के सबसे महान चिकित्सक व सर्वश्रेष्ठ जगद्गुरु का अवार्ड मां दुर्गा के इस अद्भुत दिव्य मंत्र पाठ से मृत्यु की कगार पर खड़े व्यक्ति स्वस्थ होकर महाशक्तिवान बन गए अनपढ़ गरीब महाविद्वान तथा महाधनवान बन गए अमेरिका कनाडा यूके के डाक्टरों वैज्ञानिकों व धर्माचारियों ने कहा हमारे लिए यह बहुत आश्चर्य की बात है यह हमारी मेडिकल साइंस से करोड़ गुणा शक्तिशाली है समागम में सभी को निःशुल्क प्रदान किया जाएगा मां दुर्गा का यही अद्भुत दुख निवारक आलोक जिससे 5 मिनट में हो गया करोड़ों लोगों के दुखों रोगों का अंत, सभी सादर आमंत्रित हैं

15 मार्च, सायं 4 बजे, प्रभु कृपा दुख निवारण समागम, स्थानः चोकर धानी, अग्रसेन धाम के पास, वीआईपी रोड-II, फुंडहर, रायपुर

परम पूज्य सद्गुरुदेव जी को परम आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का विशेष संदेश

जगद्गुरु महाब्रह्मर्षि श्री कुमार स्वामी जी, आपके शुभ कार्यों के लिए हृदय से आभार। महाब्रह्मर्षि जी ने हमारे महान देश का गौरव बढ़ाया है। स्वदेशी की राह पर चलकर ही स्वस्थ भारत व आत्म निर्भर भारत का हमारा प्रण पूरा होगा। आपके व सबके उत्तम स्वास्थ्य और सुखद जीवन की कामना सहित

परम आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी
प्रधानमंत्री, भारत सरकार

जगद्गुरु महाब्रह्मर्षि कुमार स्वामी जी के जन्मोत्सव पर पूर्व राष्ट्रपति ने भेजा विशेष शुभकामना संदेश

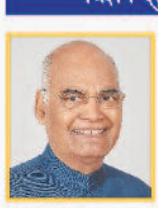

नई दिल्ली। पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी ने जन्म दिवस की बधाई देते हुए कहा कि परम पूज्य सद्गुरुदेव जी का तपस्वी जीवन उनकी साधना, सेवाभाव और मानवता के कल्याण, आध्यात्मिक जागरण तथा नैतिक मूल्यों की प्रतिष्ठा का अद्भुत उदाहरण है। श्री कोविंद जी ने अपने विशेष संदेश में कहा है कि मैं प्रभु कृपा दुख निवारण समागम के समस्त आयोजकों को शुभकामनाएं देता हूं कि यह समागम जनकल्याण, शांति और समरसता के उद्देश्यों को और अधिक सुदृढ़ करे।

लाखों लोग हो गए अपने दुखों कष्टों से मुक्त, मैं इसका साक्षी हूं

श्री अरुण गोविल जी
सांसद व रामायण के श्रीराम

मेरे परिवार पर तो परम पूज्य गुरुदेव जी की इतनी कृपाएं हुई हैं जिन्हें गिनाना व बताना बहुत मुश्किल है। मैंने पूज्य गुरुदेव जी की कृपा से ही लोक सभा का चुनाव जीता है। आज मेरे परिवार में जो प्यार और शांति है, वह गुरुदेव जी द्वारा प्रदत्त मां दुर्गा के अद्भुत दैवव्य पाठ के कारण ही है।

मां दुर्गा के इस दिव्य मंत्र से होगा सभी समस्याओं व दुखों का समाधान

रायपुर। चोकर धानी में आयोजित प्रभु कृपा दुख निवारण समागम में पहली बार मां दुर्गा का एक अक्षर का वह अद्भुत शास्त्रोक्त मंत्र पाठ प्रदान किया जाएगा जिससे करोड़ों लोगों के दुखों, कष्टों और समस्याओं का तत्क्षण अंत हो गया। महाब्रह्मर्षि जी ने सभी भयंकर रोगों को पैदा करने वाले कीटाणुओं को 5 मिनट में जड़ से समाप्त करके हिंदू सनातन धर्म को गौरवान्वित किया है। इस अद्भुत पाठ से निर्धन महाधनवान, दुर्बल महाशक्तिवान तथा अनपढ़ महाविद्वान बन गए। रायपुर के समागम में दिए जाने वाले इस अद्भुत मंत्र के बारे में भगवान शिव ने कहा है कि इससे पल में सभी के दुखों, रोगों, कष्टों व समस्याओं का निश्चित अंत होगा। समागम में आप सभी निःशुल्क सादर आमंत्रित हैं।

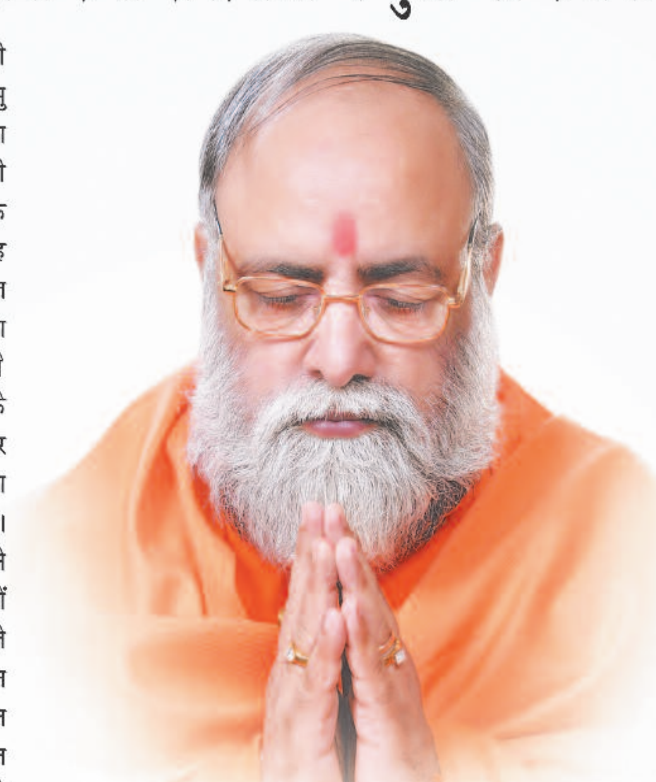

अनंतश्री विभूषित जगद्गुरु महाब्रह्मर्षि श्री कुमार स्वामी जी

मां वैष्णो देवी के सर्वोच्च पीठाधीश्वर ने किया अद्भुत सम्मान

जगद्गुरु महाब्रह्मर्षि श्री कुमार स्वामी जी ने जो रहस्य प्रदान किया उससे हमारे अनेक सांसदों व मंत्रियों की असाध्य एलर्जी एवं भयंकर सिरदर्द 1 मिनट में ही ठीक हो गया।

–वॉरेन किर्बी, वरिष्ठ सांसद, न्यू साउथ वेल्स पार्लियामेंट, ऑस्ट्रेलिया

महाब्रह्मर्षि जी करोड़ों लोगों के असाध्य रोगों को कर चुके हैं ठीक

महाब्रह्मर्षि श्री कुमार स्वामी जी को मां दुर्गा सिद्ध हैं जिनकी कृपा से ये ऐसे करोड़ों लोगों के दुख दूर कर चुके हैं जिनका विश्व के डाक्टरों वैज्ञानिकों के पास कोई इलाज नहीं था। इनका अवतार पूरे विश्व के कल्याण के लिए हुआ है।

-ब्रह्मलीन जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज

जिनका समाधान पूरी दुनिया के डाक्टरों वैज्ञानिकों के पास भी नहीं था ऐसे करोड़ों लोगों को महाब्रह्मर्षि जी ने कर दिया 5 मिनट में बिल्कुल ठीक

जगद्गुरु महाब्रह्मर्षि श्री कुमार स्वामी जी को मां श्री दुर्गा देवी जी ने साक्षात दर्शन दिए हैं। जैसे श्रीराम व श्रीकृष्ण ने करोड़ों असुरों का विनाश किया है उसी प्रकार महाब्रह्मर्षि जी ने भी करोड़ों लोगों को रोगमुक्त करके उन्हें नया जीवन दिया है। इनमें दैवीय शक्ति कार्य कर रही है। मां श्री दुर्गा जी के आशीर्वाद से ये विश्व के ऐसे करोड़ों लोगों को असाध्य दुखों रोगों से जड़ से मुक्त कर चुके हैं जिनका समाधान पूरी दुनिया में कहीं भी नहीं था।

-स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज निवर्तमान शंकराचार्य

पूरे विश्व की सर्वेसर्वा सर्वोच्च अथॉरिटी हैं जगद्गुरु महाब्रह्मर्षि जी

श्री गुलाब चंद कटारिया जी, महामहिम राज्यपाल, पंजाब

पंजाब के महामहिम राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया जी ने करोड़ों लोगों को कष्टों से मुक्त देखकर महाब्रह्मर्षि जी को दिया 'सनातन रत्न' अवार्ड

विश्व के 800 करोड़ लोगों का ठीक होना अति आवश्यक है जबकि इनका कहीं कोई इलाज ही नहीं है। जगद्गुरु महाब्रह्मर्षि जी पूरी मानवता के कल्याण के लिए अवतरित हुए हैं। इनके विज्ञान के आगे हमारा मेडिकल विज्ञान बहुत छोटा है।

श्री थियोडर चेस, न्यूजर्सी असेंबली अमेरिका के वरिष्ठ काउंसिलमैन

जगद्गुरु जी व महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी की अद्भुत भेंटवार्ता पूरे विश्व की सरकारों से मान्यता प्राप्त मां दुर्गा का अद्भुत आलोक जिससे करोड़ों लोग हो गए अपने असाध्य दुखों रोगों कष्टों से मुक्त इसे जानकर महामहिम राष्ट्रपति जी अति प्रसन्न व आश्चर्यचकित

सभी को दुखों, रोगों से मुक्त देखकर ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, कनाडा, इंग्लैंड सहित अनेक देशों की संसदों में हुआ महाब्रह्मर्षि जी का हार्दिक स्वागत

अमेरिका सरकार की न्यूयार्क सीनेट में महाब्रह्मर्षि जी के विषय में निर्विरोध प्रस्ताव पारित करके हुआ अद्भुत सम्मान

इंग्लैंड सरकार में हाउस ऑफ लार्ड्स के चीफ व्हिप श्री लार्ड टेलर ने प्रदान किया 'प्राइड ऑफ वर्ल्ड' अवार्ड

अमेरिका के इतिहास में 200 वर्षों में पहली बार रचा अद्भुत इतिहास

जैसा सम्मान महाब्रह्मर्षि जी का हुआ है वह अमेरिका की संसद के इतिहास में 200 वर्षों में पहली बार है। जिन रोगों का समाधान अमेरिका के डाक्टरों वैज्ञानिकों सहित दुनिया में किसी के पास भी नहीं था उन रोगों को महाब्रह्मर्षि जी ने 5 मिनट में जड़ से समाप्त कर दिया, हम बहुत आश्चर्यचकित हैं। अपने जीवन को बचाने के लिए हमें भी सनातन संस्कृति को अपनाना अति आवश्यक है।

-थॉमस कीन, माइन्योरिटी लीडर, अमेरिका की न्यूजर्सी स्टेट सीनेट

भारत के राष्ट्रपतियों ने कहा जगद्गुरु महाब्रह्मर्षि जी शास्त्रोक्त सत्य रहस्य दे रहे हैं, हम इसके साक्षी हैं

पू. राष्ट्रपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम राष्ट्रपति भवन में अनेक विद्वानों की उपस्थिति में सम्मानित करते हुए

राष्ट्रपति भवन में पू. राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी जी को महाब्रह्मर्षि जी वेद विज्ञान के रहस्य बताते हुए

बेटे के भाग्य में न होते हुए भी वह गुरुदेव के आशीर्वाद से डाक्टर बन गया

मेरा सपना था कि मैं अपने बेटे को डाक्टर बनाऊं। कई सालों से वह इस प्रयास में असफल हो रहा था। ज्योतिषाचार्यों का भी कहना था कि इसके भाग्य में डाक्टर बनना नहीं लिखा है। मैं गुरुदेव जी के चरणों में पहुंचा। उन्होंने मां दुर्गा का जो पाठ दिया केवल उससे वह मेडिकल डाक्टर की प्रारंभिक परीक्षा में पास ही नहीं हुआ बल्कि उसमें टॉप भी किया। पूरी दुनिया में इसका नाम होगा। मैं भी एक यूनिवर्सिटी में वाइस चांसलर बना, यह सब केवल गुरुदेव जी द्वारा दिए गए पाठ से ही संभव हुआ है।

श्री गजेन्द्र चौहान जी
महाभारत के युधिष्ठिर एवं पू. वाइस चांसलर, दादा लख्मीचंद यूनिवर्सिटी ऑफ परफार्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स, रोहतक

महाब्रह्मर्षि द्वारा दिए गए मां दुर्गा के दिव्य मंत्र पाठ से अनेक लोगों को मिली अपने असाध्य रोगों कष्टों व दुखों से मुक्ति

स्वदेशी विज्ञान से पत्नी का 35 वर्ष पुराना UTI रोग हुआ ठीक

नई दिल्ली। मैं भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में सीनियर साइंटिस्ट व दिल्ली पुलिस में स्पेशल कमिश्नर था। मेरी पत्नी श्रीमती चारु अग्रवाल को 35 वर्षों से यूटीआई की प्रॉब्लम थी। इसकी समस्या बढ़ जाने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ता था। जब उन्होंने मिरेकल वी वाश का प्रयोग किया तो पहले दिन से ही इस औषधि का असर दिखने लगा। धीरे-धीरे वह इससे बिल्कुल मुक्त हो गईं।

श्री पी.एन. अग्रवाल जी, दिल्ली पुलिस के पू. स्पेशल कमिश्नर

अमेरिका सहित पूरी दुनिया के डाक्टरों के पास जिस फंगल इंफेक्शन का स्थायी इलाज नहीं उसका पल में ठीक होना आश्चर्य नहीं महाआश्चर्य है

ओहायो। अमेरिका में एमडी (मेडिसिन) डा. आर.सी. कोपर तथा अमेरिका में ही डा. सां गीता कोपर ने संयुक्त बयान में बताया कि सभी रोगों को पैदा करने वाले फंगल इंफेक्शन का कोई स्थाई इलाज नहीं है, यह नियमित अंतराल में बार-बार होता रहता है। इसके इलाज के लिए जिन एंटीडैंड्रफ शैम्पू का प्रयोग किया जाता है उनमें घातक केमिकल होते हैं जिससे कई प्रकार के कैंसर भी हो जाते हैं। इसका दुनिया में कोई इलाज नहीं है। जब परम पूज्य गुरुदेव जी ओहायो, अमेरिका में आए और उन्होंने मां दुर्गा देवी के दैवव्य विज्ञान से हजारों लोगों को कुछ ही पलों में पूरी तरह से स्वस्थ कर दिया तो हम सभी डाक्टर आश्चर्य से भर गए। गुरुदेव मानवता के लिए बहुत बड़ा कार्य कर रहे हैं। इनके सामने हजारों नोबल पुरस्कार भी छोटे हैं।

डा. आर.सी. कोपर
एमबीबीएस
एमडी (मेडिसिन),
अमेरिका

डा. संगीता कोपर
एमएससी, एएसईपी
अमेरिका

मैं स्वयं एम्स से सीनियर डरमैटोलॉजिस्ट होने के बावजूद अनेक रोगों से ग्रस्त था महाब्रह्मर्षि जी द्वारा दिए गए मंत्र पाठ से 25 वर्ष पुराना भयानक कुष्ठ रोग व फंगल इंफेक्शन 1 मिनट में समाप्त जड़ से समाप्त

डा. जगदीप सिंह
MBBS, MD

मैं सीनियर डरमैटोलॉजिस्ट होने के बावजूद अनेकों रोगों से ग्रस्त था और इनका मेरे पास कोई समाधान नहीं था। पूरी दुनिया में इलाज कराकर मैं थक चुका था। मैं गुरुद्वारों में भी गया, सरोवर में स्नान भी किया लेकिन मेरी बीमारी का कहीं कोई समाधान नहीं मिला। जब मैं महाब्रह्मर्षि जी से मिला तो इन्होंने मां दुर्गा के दिव्य आलोक से केवल 5 मिनट में मेरी सारी बीमारियां जड़ से समाप्त कर दीं। एक डाक्टर होने के नाते मेरे लिए यह किसी चमत्कार से कम नहीं था। यह देखकर हम सब डाक्टर बहुत आश्चर्यचकित हैं।

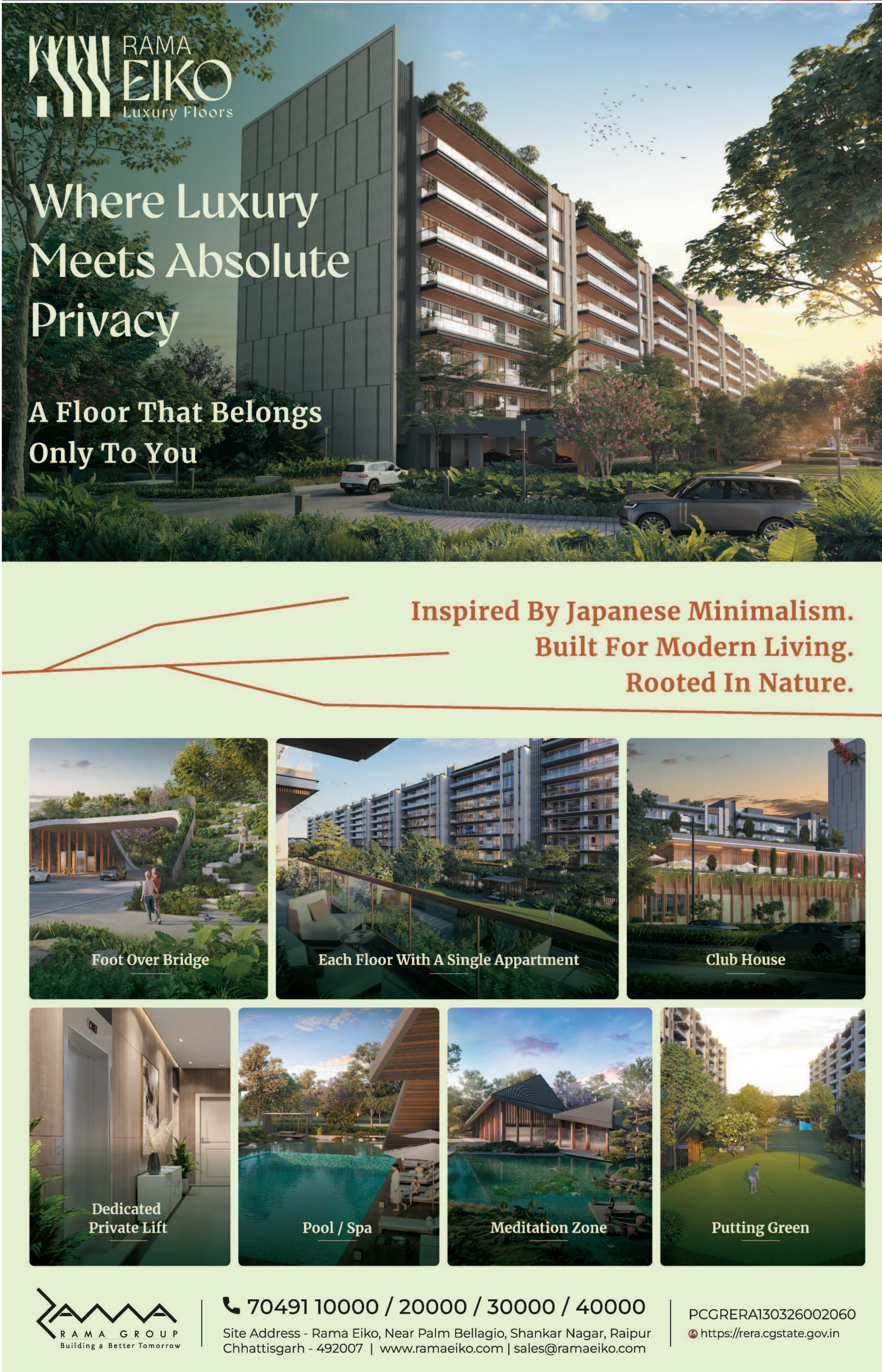
RAMA
EIKO
Luxury Floors
Where Luxury Meets Absolute Privacy
A Floor That Belongs Only To You
Inspired By Japanese Minimalism.
Built For Modern Living.
Rooted In Nature.
Foot Over Bridge
Each Floor With A Single Appartment
Club House
Dedicated Private Lift
Pool / Spa
Meditation Zone
Putting Green
RAMA GROUP
Building a Better Tomorrow
70491 10000 / 20000 / 30000 / 40000
Site Address - Rama Eiko, Near Palm Bellagio, Shankar Nagar, Raipur
Chhattisgarh - 492007 | www.ramaeiko.com | sales@ramaeiko.com
PCGRERA130326002060
https://rera.cgstate.gov.in

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

रायपुर, बिलासपुर, बस्तर दुर्ग-भिलाई, महासमुंद, धमतरी कोंडागांव में रिपोर्टर पहुंचे तीस एजेंसियों में

29 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में वाणिज्यिक एलपीजी की बिक्री आज से शुरू

बिलासपुर

राजधानी समेत छत्तीसगढ़ के कई जिलों में कमर्शियल गैस सिलेंडरों का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। होटल-रेस्टोरेंट और कैटरिंग कारोबार लगभग ठप पड़ने की स्थिति में पहुंच गया है। घरेलू गैस मिल रही है, लेकिन बुकिंग में दिक्कत है। ऑनलाइन बुकिंग नहीं होने की वजह से लोग एजेंसियों के सामने लंबी लाइन लगा रहे हैं। शादी, गृह प्रवेश, मुंडन संस्कार और दूसरे समारोहों के लिए कमर्शियल सिलेंडर पूरे प्रदेश में कहीं नहीं है।

सरकार ने बदला नियम, पीएनजी वालों के घर में नहीं दिखेगा सिलेंडर

20 रिपोर्टर, 30 गैस एजेंसी...कहीं भी नहीं मिला कमर्शियल सिलेंडर

दूल्हा-दुल्हन तैयार, पर सिलेंडर ने बजा दिया बाजा कैटरिंग वालों ने बुकिंग कैंसिल की, कहा-डेट बढ़ाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि के 20 रिपोर्टर घराती और बाराती बनकर 30 गैस एजेंसियों में पहुंचे। किसी भी जगह शादी या समारोह के लिए कमर्शियल सिलेंडर नहीं मिला। कैटरिंग वालों ने कहा-हमारे पास कोई व्यवस्था नहीं है। शादी की डेट आगे बढ़ा दीजिए। कैटरिंग वालों ने कहा कि हम अब बुकिंग नहीं ले रहे। जो बुकिंग पहले से हैं उन्हें कैंसिल कर रहे हैं। हरिभूमि की पड़ताल में सामने आया कि रायपुर सहित कई जिलों की करीब 30 गैस एजेंसियों में कमर्शियल सिलेंडर का स्टॉक लगभग खत्म है। जहां हैं, उन्हें सरकारी कामकाज वाली जगहों...जैसे आंगनबाड़ी, जेल या दूसरी जगहों पर सप्लाई किया जा रहा है।

"कमर्शियल सिलेंडर नहीं है इंतजाम कहीं और कर लीजिए या कार्यक्रम की तारीख बढ़ा दीजिए"

रायपुर में कामर्शियल गैस सिलेंडरों का स्टॉक लगभग खत्म हो चुका है। गैस एजेंसियों के पास अब सिर्फ अस्पताल, सेंट्रल जेल सहित अन्य इमरजेंसी सेवा एवं सरकारी कार्यालयों की जरूरत के अनुसार ही स्टॉक बचा है। यह स्टॉक अब होटल, रेस्टोरेंट, कैटरिंग का काम करने वालों को भी नहीं दिया जा रहा है।

हरिभूमि के आधा दर्जन रिपोर्टर शनिवार को शहर के अलग-अलग इलाकों में संचालित एचपी, इंडेन, भारत कंपनियों के 20 से अधिक गैस एजेंसियों के दफ्तर और गोदाम में ग्राहक बनकर पहुंचे और शादी, जनेऊ संस्कार, जन्मदिन सहित अन्य कार्यक्रमों का हवाला देते हुए कमर्शियल गैस सिलेंडर ब्लैक में अधिक दाम पर लेने की बात कहीं। इस दौरान ज्यादातर गैस एजेंसियों के कर्मचारियों ने ▶▶| शेष पेज 5 पर

केस 1

गोगांव स्थित इंडेन और एचपी गैस एजेंसी के दफ्तर और गोदाम में मौजूद कर्मचारियों से रिपोर्टर छट्ठी कार्यक्रम के लिए 3 कमर्शियल गैस सिलेंडरों की जरूरत बताते हुए मांग की। इस पर यहां के कर्मचारियों ने कहा कि कमर्शियल का स्टॉक खत्म हो गया है, जो बचा है वह सिर्फ इमरजेंसी सेवा एवं सरकारी कार्यालयों के जरूरत के अनुसार है, इसलिए सिलेंडर मिल नहीं पाएगा तथा घरेलू सिलेंडर बिना बुकिंग के नहीं मिल पाएगा।

केस 2

कमर्शियल सिलेंडर की पड़ताल करने टीम श्रीनगर गुढ़ियारी पहुंची। यहां सिलेंडर मांगे जाने पर तत्काल में उपलब्ध नहीं होना बताया गया। एजेंसी कर्मचारी ने बताया कि कर्मशियल सिलेंडर मिलने में सप्ताहभर से अधिक का समय लग सकता है। कर्मचारी ने बताया कि बीते तीन दिनों से कमर्शियल सिलेंडर लेने वाले दिन में 100 से अधिक लोग पहुंच रहे हैं।

रायगढ़

कोण्डागांव

बिरगांव में वसूल रहे मुंहमांगी कीमत

बिरगांव निगम क्षेत्र में गैस सिलेंडर की चल रही कालाबाजारी की टोह ली। पता चला कि कमर्शियल उपभोक्ताओं को सप्ताहभर बाद भी आपूर्ति नहीं दी जा रही है। कमर्शियल सिलेंडर में 10 किलो गैस भरने का 1500 से 1600 रुपए वसूला जा रहा है। जरूरतमंदों को ज्यादा कीमत देने के बाद भी गैस के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है।

दूसरे जिलों की हालत

रायपुर के अलावा महासमुंद, बीजापुर, बस्तर, धमतरी सहित अन्य जिलों में भी विभिन्न गैस एजेंसियों के दफ्तर एवं गोदाम में पड़ताल की गई। इस दौरान ज्यादातर गैस एजेंसियों में कमर्शियल गैस सिलेंडरों का स्टॉक लगभग खत्म हो चुका है, जिससे होटल, रेस्टोरेंट के अलावा शादी-ब्याह सहित अन्य कार्यक्रमों में कैटरिंग का कार्य करने वालों का काम भी बंद पड़ा ▶▶| शेष पेज 5 पर

लकड़ी की मांग बढ़ी

वन विभाग के अनुसार उनके पास रोज होटल कारोबारियों के साथ अन्य लोगों के दो दर्जन से ज्यादा कॉल आ रहे हैं। कॉल करने वाले जलाऊ लकड़ी की कीमत जानने कॉल कर रहे। इसके साथ ही लकड़ी टॉल संचालित करने वाले संचालकों के पास लोग कॉल कर जलाऊ लकड़ी की कीमत के बारे में जानकारी ले रहे है।

केस 3

चंगोराभाटा गैस एजेंसी के कर्मचारी ने कमर्शियल सिलेंडर नया स्टॉक आने पर देने की बता कहीं। वर्तमान में केवल घरेलू सिलेंडर आसानी से मिल रहे हैं। अधिक दाम देने की बात कहने पर भी कमर्शियल सिलेंडर मिलने में 10 दिन से अधिक समय लगने की बात कही गई।

केस 4

आशीर्वाद भवन स्थित रूकमणी गैस एजेंसी एवं फायर ब्रिगेड चौक स्थित रायपुर गैस एजेंसी के कर्मचारियों ने बताया कि उनके यहां कमर्शियल गैस सिलेंडरों का स्टॉक खत्म हो गया है, घरेलू सिलेंडर का भरपूर स्टॉक है, लेकिन बुकिंग करने पर ही मिलेगा।

केस 5

टैगोर नगर स्थित गणपति गैस एजेंसी के कर्मचारी ने भी बताया कि कमर्शियल सिलेंडर का स्टॉक नहीं हैं। घरेलू सिलेंडर बुकिंग करने पर ही मिल पाएगा। शादी हो या कोई भी पार्टी, स्टॉक नहीं है तो कहां से दें।

विकास-समस्याओं पर मंथन

हरिभूमि और आईएनएच का आज मुंगेली में जिला संवाद

प्रधान संपादक डॉ हिमांशु द्विवेदी जिले की योजनाओं एवं समस्याओं पर जनप्रतिनिधियों से करेंगे चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मुंगेली

हरिभूमि-आईएनएच के जिला संवाद 2026 का आयोजन रविवार 15 मार्च को मुंगेली में किया गया है। इस आयोजन में राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर जिले के विकास और समस्याओं पर मंथन होगा। प्रधान संपादक डॉ हिमांशु द्विवेदी जनप्रतिनिधियों से संवाद करेंगे।

खास खबर

15 मार्च को दोपहर तीन बजे कलेक्टोरेट स्थित जनदर्शन कक्ष में होने वाले इस आयोजन में राज्य के उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विधायक पुन्नूलाल मोहले, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पांडेय, जिला भाजपा अध्यक्ष दीनानाथ केशरवानी, नगर पालिका लोरमी के अध्यक्ष सुजीत वर्मा, भाजपा नेता देव चरण भास्कर, विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी संजीत बेनर्जी, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष घनश्याम वर्मा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष हेमेंद्र गोस्वामी, मुंगेली नगरपालिका ▶▶| शेष पेज 5 पर

11 जिलों में 29 गौधाम

मुख्यमंत्री साय ने शुरू की गौधाम योजना

जोगीपुर में राज्य के प्रथम गौ अभ्यारण्य का शिलान्यास

रायपुर। *मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को बिलासपुर स्थित गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी गौधाम योजना का शुभारंभ किया। योजना के प्रथम चरण में प्रदेश के 11 जिलों में 29 गौधामों का संचालन प्रारंभ हो गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बिलासपुर जिले के कोटा विकासखण्ड के ग्राम जोगीपुर में राज्य के प्रथम गौ अभ्यारण्य का शिलान्यास भी किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जोगीपुर में प्रस्तावित गौ अभ्यारण्य लगभग 184 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जाएगा।*

वायरल वीडियो में विधानसभा के बाहर आत्मदाह की धमकी

कथा करवाकर मंत्रीजी ने नहीं दिए पैसे, आत्महत्या करूंगा मंत्री अग्रवाल ने कहा-आरोप झूठे, एफआईआर होनी चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के कथावाचक डॉ. रामानुरागी महाराज ने वीडियो जारी कर विधानसभा के बाहर आत्मदाह करने की धमकी दी है। कथावाचक का कहना है कि संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने उनसे कथा कराई और पैसे नहीं दे रहे हैं। यह पैसे करीब 15 लाख रुपए हैं। श्री अग्रवाल ने आरोपों को झूठा बताया है। रामानुरागी महाराज ने आयोजन करने की बात कहकर संस्कृति विभाग में आवेदन दिया था। मैंने उनके आवदेन को रिमॉर्क किया था, जैसे सबका करता हूं। संस्कृति विभाग ऐसे आयोजनों पर राशि नहीं जारी करता। अब वीडियो वायरल कर झूठा आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा, ऐसे लोग जो अनर्गल रूप से वीडियो जारी कर वसूली का प्रयास करते उनके ख़िलाफ एफआईआर होना चाहिए।

- **कथा वाचक ने आरोप लगाकर मांगे करीब 15 लाख रुपए**

डॉ. रामानुरागी महाराज

राजेश अग्रवाल

यह है मामला

कांग्रेस नेता धनंजय ठाकुर ने अपने सोशल मीडिया पेज पर कथावाचक डॉ. रामानुरागी महाराज का वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में कथा वाचक कह रहा है कि 2 से 9 जनवरी तक उन्होंने मंत्री राजेश अग्रवाल के अंबिकापुर स्थित लखनपुर गांव में भव्य श्रीमद्भागवत कथा का वाचन किया था। मंत्री राजेश अग्रवाल ने कथावाचन करवाया, लेकिन पैसा नहीं दिया। जब भी पैसे मांगने जाओ तो बात तक नहीं सुनी जाती। किनारे कर दिया जाता है।

कथावाचक के आरोप गलत, मैंने नहीं कराया आयोजन- अग्रवाल

मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा, कथावाचक का आरोप पूरी तरह से गलत है। इस आयोजन पर मैं और मेरा परिवार कहीं भी शामिल नहीं है। न ही, इस आयोजन में मैं गया। यह आयोजन लखनपुर में भारती नमो सेवा दल द्वारा कराया गया था। आयोजन पूरी कराकर दो दिन पहले विधानसभा के बाहर डॉ. रामानुरानी महाराज मुझसे मिले थे, मैंने कहा, विधानसभा जा रहा हूं जल्दी में हूं। उसके बाद इस तरह का वीडियो वायरल हो रहा है।

PRESENTING

DAY TWO OF NAYA ECO-LIVING

AT NAYA RAIPUR

avinash Upwan

At Avinash Upwan, the forest will be your friend and nature will be your neighbour, with an array of residential options where life feels effortlessly beautiful. A forest within the city. Your paradise within reach.

75 ACRES OF LUSHNESS

2 CLUB HOUSES

CENTRAL WATERBODY

GRAND COMMERCIAL

EXOTIC COUNTRY VILLAS | EXQUISITE GARDEN VILLAS | STUDIO APARTMENTS 1 BHK | HIGH-RISE APARTMENTS 2 & 3 BHK

BEST OF NATURE BECOMES YOUR BEST FRIEND
• Integrated natural waterbody • Central forest • Wishing wells • Tower of joy • Lake-front café • Landscaped floral garden • Kids' adventure play and many more...

TWO ELITE CLUBS | ONE SOCIAL ECOSPHERE
• Swimming pool with kids' pool • Gymnasium • Banquet hall with lawn • Co-working space • Café • Badminton & Squash court • Guest rooms and many more...

VISIT OUR SITE TODAY!

avinash a relation for life

RERA NO. PCGRERA280225001883
HTTPS://RERA.CGSTATE.GOV.IN/

Sector 10, Naya Raipur | +91 99075 88444

BetheBee.in

रायपुर
रविवार 15 मार्च 2026
चैत्र कृष्ण पक्ष द्वादशी
वर्ष : 24, अंक : 232
पृष्ठ : 12+8=20, मूल्य : 5 .00**

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम
अधि. 39.0
न्यून. 22.6

07 सबालेंका ने 1 घंटे 28 मिनट में जीता मैच, लिंडा को हराकर...

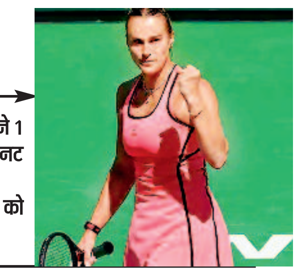

आजकल
02 तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ रहे..

दर्द अनेक, उपचार एक!

प्रदिक्षा आर्थो ऑयल

घुटने का दर्द, साइटिका, गाठिया, हड्डियों का दर्द, मांसपेशियों में सूजन, जकड़न, आमवात, संधिवात और मोच में भी लाभदायक, बिना किसी साइड इफेक्ट के !

₹ 120/-

SUPER STOCKIST - पंकज मेडीकोज, बिलासपुर -6261187686, नथानी एजेन्सी, रायपुर - 7746032260, राजनांदगाव - महेश एजन्सी-7000616262, ताराचंद चितलांगीया & कं. -8889669996

Costumer Care : 1800 120 3133 | Mob.: 9112637000, 9823286830 | www.pradikshaherbals.com

आने का समय भी अलग, सबसे पहले आंध्रप्रदेश के आम आते हैं बाजार में

जानिए...आम की खास फसल के बारे में : उत्तर प्रदेश, ओडिशा में फूल खिले छत्तीसगढ़ में फल, आंध्र में पक गए आम, बफर फसल से कम रहेंगे इस बार दाम

राजकुमार ग्वालानी ▶▶| रायपुर

अलग खबर

गर्मी का आगाज होने के साथ ही आम का इंतजार होने लगता है। फसल की बात होने लगती है। देश में सबसे बड़ा आम उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश है, लेकिन सबसे पहले आंध्रप्रदेश की ही फसल बाजार में आती है। इस समय जहां उप्र और ओडिशा में आम की फसल में जहां महज फूल ही लगे हैं, वहीं अपने राज्य छत्तीसगढ़ में आम की फसल में फल आ गए हैं। आंध्रप्रदेश में तो आम पक गए हैं और तुड़ाई का काम भी प्रारंभ हो गया है। इस माह के अंत में ▶▶|शेष पेज 5 पर

कच्चे आम के दाम अब कम: डूमरतराई थोक सब्जी मंडी के अध्यक्ष टी. श्रीनिवास रेड्डी के मुताबिक इस समय बाजार में आंध्र प्रदेश के कच्चे आम आ रहे हैं। इसकी कीमत पहले थोक में 180 रुपए थी, बाद में दाम 120 रुपए हुए और अब 70 रुपए किलो के हिसाब से कच्चे आम बिक रहे हैं। आने वाले समय में इसके दाम और कम होंगे।

छत्तीसगढ़ के आम से बनता है अचार और अमचूर

अपने राज्य छत्तीसगढ़ में भी आम की खेती होती है, लेकिन यहां पर इसकी खेती कम होती है। कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कृषि वैज्ञानिक जीएल शर्मा के मुताबिक अपने राज्य में व्यावसायिक खेती का अभाव है। ऐसे में अपने राज्य में आम की फसल कम होती है। यहां की फसल का ज्यादातर उपयोग अमचूर और अचार बनाने में होता है। बस्तर में आमों से अमचूरों भारी मात्रा में बनता है। इसी के साथ प्रदेश में जहां भी आम की खेती होती है, उन आमों का उपयोग अचार बनाने में होता है। पक्के आम बहुत कम मात्रा में बाजार में बिकते हैं।

उप्र में फूलों की बहार

उप्र में आम की खेती में इस समय फूलों की बहार आई हुई है। उप्र के कृषि वैज्ञानिक शैलेन्द्र राजन ने बताया हमारे राज्य में आम की फसल में फरवरी और मार्च में फूल आते हैं। इस समय फसल में भारी मात्रा में फूल आने के कारण संभावना है कि इस बार फसल अच्छी होगी। लेकिन इसके लिए मौसम का साथ जरूरी है। कई बार मौसम की मार के कारण फसल प्रभावित हो जाती है। उप्र में आम की फसल जून के माह में बाजार में आती है। ऐसा ही ओडिशा में भी होता है। इस राज्य में उप्र की तरह की फरवरी मार्च में फसल में फूल आते हैं और मई में फसल बाजार में आती है।

आंध्र के आम आएंगे बाजार में

राजधानी रायपुर के फल कारोबारी सतीश चौधरी के मुताबिक प्रदेश में सबसे पहले आंध्र प्रदेश के आम ही बाजार में आते हैं। देश में सबसे पहले इसी राज्य में आम की फसल पहले तैयार होती है। आंध के आम ही सबसे ज्यादा बिकते हैं। इस राज्य के आम बैगनपल्ली, तोतापुरी और नीलम को बहुत पसंद किया जाता है। इस बार जैसा की जानकारी मिल रही है कि फसल अच्छी है तो दाम भी कम रहने की संभावना है। वैसे शुरुआत में जब भी आम आते हैं तो पहले दाम कुछ ज्यादा रहते हैं, लेकिन जैसे-जैसे आवक बढ़ने लगती है तो दाम भी कम हो जाते हैं।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

पेड़ से टकराई बस, चार की मौत, 10 घायल

दिफू। असम के कार्बी आंगलोंग जिले में शनिवार को एक बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई, जिससे उसमें सवार कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 10 लोग घायल हो गए। मध्य असम के मोरीगांव जिले के मोइराबारी से नगालैंड के दीमापुर जा रही बस बोकाजान थाना क्षेत्र के अंतर्गत लक्खिजन में तड़के दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

मालगाड़ी की चपेट में आने से तीन की मौत

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार रात रेल की पटरियों पर चल रहे तीन लोगों की मालगाड़ी की चपेट में आने से मौत हो गई। परिजनों ने दावा किया है कि जब यह घटना हुई उस समय कथित तौर पर पुलिस तीनों युवकों का पीछा कर रही थी जिसकी वजह से वे पटरियों पर दौड़ रहे थे। स्वप्निल शैलेश पालंदे, कुणाल कुमार दुबला और अफरोज खलील शेख एक मालगाड़ी की चपेट में आ गए।

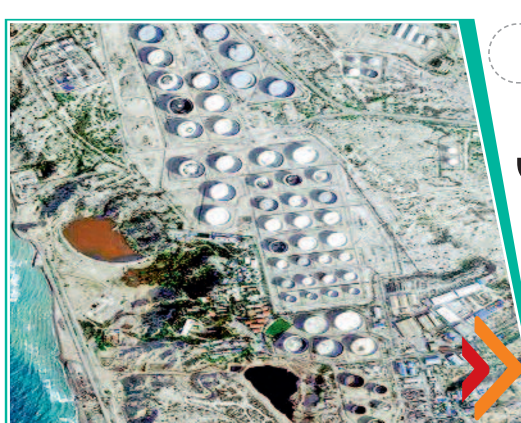

ईरान के खर्ग द्वीप की उपग्रह से ली गई तस्वीर

यहां के टर्मिनलों में हर दिन करीब 70 लाख बैरल कच्चा तेल लोड करने की क्षमता है

अमेरिका ने खर्ग द्वीप पर ईरान के 90 से अधिक सैन्य ठिकानों पर किया हमला

समुद्र के नीचे बिछी पाइपलाइनों के जरिए ईरान प्रमुख तेल क्षेत्रों से जुड़ा

अब ईरान अमेरिकी तेल और ऊर्जा परियोजनाओं को निशाना बनाएगा

सऊदी अरब में एयर बेस पर ईरान का हमला, 5 अमेरिकी विमान क्षतिग्रस्त

इराक की राजधानी बगदाद में मौजूद अमेरिकी दूतावास पर बड़ा हमला हुआ है। ईरानी मिसाइल ने अमेरिकी दूतावास को निशाना बनाया है। इधर, अमेरिका ने ईरान के तेल नेटवर्क के लिए महत्वपूर्ण एक द्वीप पर स्थित सैन्य ठिकानों को नष्ट कर दिया। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों के आवागमन में हस्तक्षेप करना जारी रखता है, तो उसकी तेल अवसंरचना को निशाना बनाया जाएगा। इधर, जंग के बीच भारत को बड़ी राहत मिली है। खाड़ी देशों से एलपीजी लेकर आ रहे भारतीय ध्वज वाले दो जहाज शनिवार सुबह युद्ध प्रभावित होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित पार कर गए।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली/ दुबई

अमेरिका-इजरायल और ईरान की जंग का शनिवार को 15वां दिन है। 28 फरवरी से शुरू हुई जंग अब तक किसी अंजाम तक नहीं पहुंची है। हमले का बदला लेते हुए ईरान ने खाड़ी देशों में कई जगहों पर बमबारी की है। ईरान ने उस होर्मुज स्ट्रेट को भी बंद कर दिया है, जहां से दुनिया का 20% कच्चा तेल गुजरता है। यहां से गुजरने वाले जहाजों पर ईरान हमला कर रहा है। हालांकि, ईरान ने अपने दोस्त भारत के लिए होर्मुज स्ट्रेट को खोल दिया है। इराक की राजधानी बगदाद में मौजूद अमेरिकी दूतावास पर बड़ा हमला हुआ है। एक मिसाइल ने अमेरिकी दूतावास को निशाना बनाया है। इधर, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिकी सेना ने शुक्रवार को ईरान के खार्ग द्वीप पर स्थित ठिकानों को पूरी तरह नष्ट कर दिया। खार्ग द्वीप पर ईरान के ▶▶|शेष पेज 5 पर

सऊदी के प्रिंस सुल्तान एयर बेस पर ईरान के हमले में क्षतिग्रस्त अमेरिकी लड़ाकू विमान

ट्रंप बोले-चीन, ब्रिटेन और फ्रांस भेजे पोत

इधर, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को होर्मुज जलडमरूमध्य को 'बंद करने' के ईरान के प्रयास से प्रभावित देशों से आग्रह किया कि वे वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण इस संकरे समुद्री मार्ग को सुरक्षित करने के लिए जहाज भेजें। अमेरिका और इजराइल का ईरान के खिलाफ युद्ध तीसरे सप्ताह में प्रवेश कर गया। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में चीन, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन और अन्य देशों से होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाज भेजने का आग्रह किया तथा कहा कि अमेरिका तटरेखा पर बमबारी जारी रखेगा और ईरानी जहाजों व नौकाओं को निशाना बनाएगा।

भारत के लिए राहत भरी खबर

होर्मुज स्ट्रेट के पार, 92,700 टन एलपीजी ला रहे जहाज

खाड़ी देशों से एलपीजी लेकर आ रहे भारतीय ध्वज वाले दो जहाज शनिवार सुबह युद्ध प्रभावित होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित पार कर गए। जहाजरानी मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने प्रेसवार्ता में बताया कि एलपीजी ला रहे जहाज 'शिवालिक' और 'नंदा देवी' अब गुजरात के मुंद्रा और कांडला बंदरगाहों की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि ये जहाज 92,700 टन एलपीजी ला रहे हैं, और इनके 16-17 मार्च को भारतीय बंदरगाहों पर पहुंचने की संभावना है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व विधायक विकास और पीसीसी महासचिव सुबोध ने की निंदा

सोशल मीडिया पोस्ट, तिहाड़ जेल भेजे गए विनोद तिवारी, कांग्रेस का विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

एपस्टीन फाइल्स से संबंधित एक पोस्ट करने पर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संयुक्त महामंत्री विनोद तिवारी को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उन्हें तिहाड़ जेल भेज दिया है। श्री तिवारी की गिरफ्तारी की कांग्रेस ने निंदा की है। बताया जाता है कि विनोद तिवारी अपने पिताजी के अंतिम पिंड दान करने उत्तरप्रदेश के कौशांबी जिले गए हुए थे। तब उन्हें वहां से दिल्ली ▶▶|शेष पेज 5 पर

भाजपा अलोकतांत्रित हो गई-सुशील

मामले में प्रदेश संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा अलोकतांत्रित हो गई है। विपक्ष की आलोचनाओं को सहने की शक्ति नहीं बची। कांग्रेस इस गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करती है। श्री शुक्ला ने कहा कि एआईसीसी द्वारा कानूनी सहायता प्रदान की जाएगी।

विनोद ने कहा-न्याय की लड़ाई लड़ते रहूंगा

कोर्ट में विनोद तिवारी ने कहा है कि इस देश की नफरती ताकतों के खिलाफ वो लगातार लड़ते रहेंगे। उन्हें न्यायपालिका में संपूर्ण विश्वास और निष्ठा है। अतः वे महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस और सरदार पटेलके रास्ते पर चलते हुए न्याय के लिए लड़ते रहेंगे और अंततः विश्वास है कि सत्य की जीत होगी ।

केंद्र सरकार ने हटाया रासुका

छह महीने बाद वांगचुक की हिरासत रद्द, जेल से हुए रिहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने शनिवार को कहा कि उसने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (रासुका) के तहत जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की हिरासत को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। वांगचुक को शनिवार को जोधपुर केंद्रीय जेल से रिहा कर दिया गया।

वांगचुक को लेह में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद लगभग छह महीने पहले गिरफ्तार किया गया था। केंद्र सरकार ने कहा है कि यह निर्णय लद्दाख में शांति को बढ़ावा देने के लिए लिया गया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि वह वांगचुक के भाषणों के वीडियो देखेगा और उनकी पत्नी की याचिका पर 17 मार्च को अंतिम सुनवाई करेगा।

सरकार बोली- बातचीत का माहौल बनाने फैसला

सरकार ने यह फैसला सुप्रीम कोर्ट में वांगचुक की याचिका पर अंतिम सुनवाई (17 मार्च) के दो दिन पहले लिया। कोर्ट सुनवाई के दौरान वे वीडियो और फोटो देखेगा, जिनके आधार पर सरकार ने उन पर एनएसए लगाया था। केंद्र सरकार ने कहा कि यह फैसला लद्दाख में शांति, स्थिरता और संवाद का माहौल बनाने के लिए लिया गया है। लद्दाख में विभिन्न समुदायों और नेताओं के साथ लगातार बातचीत की जा रही है। हड़ताल और विरोध प्रदर्शनों का असर छात्रों, नौकरी चाहने वालों, व्यापार, पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा था। क्षेत्र की चिंताओं को दूर करने के लिए हाई-पावर्ड कमेटी के जरिए बातचीत जारी रहेगी।

संजीवनी सेवा के लिए नई एजेंसी, एक अप्रैल से शुरुआत की

पहली बार 108 सेवा में पीडियाट्रिक इमरजेंसी एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस की बढ़ेगी संख्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

आपात स्थिति में मरीजों की मदद करने वाली 108 सेवा से पीडियाट्रिक इमरजेंसी में भी मदद मिलेगी। एक अप्रैल से तीन सौ नई एंबुलेंस राज्य में सहायता के लिए दौड़ेगी। आवश्यकताओं को देखते हुए एडवांस लाइफ सपोर्ट वाले सिस्टम की संख्या बढ़ाकर 70 की जाएगी। दावा किया जा रहा है कि कॉल ट्रेकर सिस्टम से लैस इन एंबुलेंस से रिस्पांस टाइम को भी कम करने में मदद मिलेगी।

लंबी प्रक्रिया और तीन बार की कोशिशों के बाद सीजीएमएससी ने सिंगल टेंडर के माध्यम से 108 संजीवनी सेवा के संचालन के लिए नई एजेंसी तय की गई है। उसके साथ अनुबंध हस्ताक्षर की प्रक्रिया पूरी करने के बाद एक अप्रैल से इस एबुंलेस सेवा संचालन नई कंपनी के माध्यम से किया जाएगा।

3 सौ नई एंबुलेंस, रिस्पांस टाइम कम करने कॉल ट्रेकर सिस्टम का दावा

गर्भवती महिलाओं का केवल परिवहन

गर्भवती महिलाओं को प्रसव के लिए अस्पताल पहुंचाने के लिए 102 महतारी एक्सप्रेस का संचालन किया जा रहा है। पूर्व में संचालित वाहनों में आपात स्थिति के लिए इसमें पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती होती थी। इसके नए टेंडर के बाद भी 102 महतारी एक्सप्रेस का उपयोग केवल गर्भवती महिलाओं को सरकारी अस्पताल तक पहुंचाने के लिए किया जाता है। पैरामेडिकल स्टाफ के अभाव में कई बार जरूरत के दौरान मरीज को दिक्कत भी सामने आ जाती है।

जानकारी के अनुसार नए टेंडर में सुविधा में बढ़ोतरी के दावे किए जा रहे है। नई एजेंसी को तीन सौ नई एंबुलेंस लाना है, जिससे हर जिले में नई गाड़ी उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अलावा इस योजना में 10 ऐसी एंबुलेंस को शामिल किए जाने का दावा किया ▶▶|शेष पेज 5 पर

एमएमयू, डाक्टर नहीं तो संचालन नहीं

सुदूर इलाकों में रहने वालों को प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए पीएम जनमन योजना के तहत मोबाइल मेडिकल यूनिट का संचालन किया जा रहा है। अधिकारिक सूत्रों के मुताबिक एमएमयू में जरूरी दवाओं के साथ एमबीबीएस डाक्टर की तैनाती जरूरी है। जिस यूनिट में डाक्टर की नियुक्ति नहीं की गई है उसका संचालन नहीं किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। एमएमयू के माध्यम से अभी विभिन्न क्षेत्रों में ढाई सौ ज्यादा शिविर लगाए गए हैं।

अमेरिका-इजराइल वर्सेज ईरान युद्ध दो सप्ताह से अधिक समय से जारी है। इसके चलते वैश्विक अर्थव्यवस्था चरमराने लगी है। ऊर्जा आपूर्ति, तेल की कीमतों में उछाल आया है। वहीं, खाड़ी क्षेत्र में काम करने वाले लाखों लोगों की सुरक्षा पर भी बड़ा खतरा पैदा हो गया है। दुनिया के कुछ बड़े देश जिनसे इस जंग को रुकवाने में हस्तक्षेप की उम्मीद थी, वह अपना-अपना गणित बैठाने में जुटे हुए हैं। उधर, संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका और औचित्य दोनों पर सवाल उठा है। दरअसल, यूएन की स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य ही आने वाली पीढ़ियों को युद्ध की विभीषिका से बचाना और विश्व में शांति व सुरक्षा बनाए रखना था। वर्तमान में वह अपने इस उद्देश्य में असफल प्रतीत होने लगा है। नई दिल्ली के लिए सबसे बड़ी चुनौती केवल ऊर्जा बाजारों में ही नहीं, बल्कि रणनीतिक संबंधों के उस जटिल जाल को संभालने में है, जो अब युद्ध के कारण अलग-अलग दिशाओं में खिंचा चला जा रहा है। इस संघर्ष पर भारत की सार्वजनिक प्रतिक्रिया संयमित रही है। भारत ने किसी का पक्ष लेने से परहेज किया है। बहरहाल, इस तरह के संकट भारत की विभिन्न भू-राजनीतिक गुटों के साथ संबंध बनाए रखने की उसकी क्षमता की परीक्षा ले रहे हैं। ऐसे में कहा जा सकता है कि अगर यह युद्ध और अधिक लंबा चला तो इसके दूरगामी परिणाम भयावह हो सकते हैं। इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...

तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ रहे कदम

विश्लेषण
प्रभात कुमार राय
विदेशी मामलों के जानकार

इजराइल-अमेरिका विरुद्ध ईरान युद्ध भीषण और विनाशकारी तौर पर निरंतर जारी है। दो सप्ताह से अधिक व्यतीत हो जाने के बाद भी युद्ध समाप्ति की तरफ अग्रसर होने के स्थान पर भीषण विध्वंसकता की तरफ विकरालता ग्रहण कर रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस ऐलान के साथ युद्ध का आगाज किया गया था कि यथाशीघ्र ही ईरान में सत्ता परिवर्तन अंजाम दे दिया जाएगा। इसमें कोई दोराय नहीं कि खाड़ी युद्ध यदि कुछ अधिक लंबा चल गया तो फिर इस जंग के तृतीय विश्व युद्ध में परिवर्तित हो जाने की प्रबल आशंका है।

इजराइल-अमेरिका विरुद्ध ईरान युद्ध भीषण और विनाशकारी तौर पर निरंतर जारी है। दो सप्ताह से अधिक व्यतीत हो जाने के बाद भी युद्ध समाप्ति की तरफ अग्रसर होने के स्थान पर भीषण विध्वंसकता की तरफ विकरालता ग्रहण कर रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस ऐलान के साथ युद्ध का आगाज किया गया था कि यथाशीघ्र ही ईरान में सत्ता परिवर्तन अंजाम दे दिया जाएगा। ईरान की जमीनी वास्तविकता को समझने में नेतन्याहू और डोनाल्ड ट्रंप ने बुनियादी गलती अंजाम दे डाली। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खुमैनी और ईरान के शीर्ष नेतृत्व एवं सैन्य कमांडरों को कत्ल कर दिए जाने के पश्चात ईरान और अधिक एकजुट और आक्रामक हो गया है। अमेरिकी और इजराइली लीडरान ने इराक के विरुद्ध ईरान की शत अल अरब की जंग को विस्मृत कर दिया कि इस जंग में सद्दाम हुसैन की आक्रामक सेना के पीछे अमेरिका, यूरोप और खाड़ी देशों के सैन्य बलों की ताकत विद्यमान थी। इराक बनाम ईरान जंग तकरीबन दस वर्षों तक निरंतर जारी रही और इस जंग में ईरान के तकरीबन दस लाख ईरानी नौजवान मारे गए थे। इराक वस्तुतः ईरान के विरुद्ध जंग को फतेह नहीं कर सका था।

एनर्जी मार्केट, सप्लाई चेन बिगड़ी

इस्लामी गणराज्य ईरान के दुर्दान्त लड़ाकू चरित्र को देखते हुए यह कहना अत्यंत मुश्किल है कि वर्तमान जंग का खात्मा जल्दी होने वाला है। दुर्भाग्य से यदि यह भीषण जंग दीर्घकाल तक खिंचती चली गई तो फिर अमेरिका, इजराइल और ईरान के साथ ही साथ समस्त विश्व के समक्ष के विकराल दुष्परिणाम उपस्थित हो जाएंगे। इस जंग के कारण ग्लोबल एनर्जी मार्केट और सप्लाई चेन में अत्यंत उथल-पुथल व्याप्त हो गई है। दुष्कर हालत से प्रतीत हो रहा है कि अलबत्ते आर्थिक संकट से अनेक देश निपटने की तैयारी कर रहे हैं। जबकि कुछ देशों को विशेष कर रूस और चीन को इस विभीषिका और अव्यवस्था के मध्य रणनीतिक और बेहतर आर्थिक अवसर भी हासिल हो रहे हैं। 28 फरवरी से निरंतर जारी जंग के दौरान ही तेल की क़ीमत आकाश को स्पर्श कर रही है। अभी तक की जंग से क्रूड तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच चुकी है। शिपिंग और ऊर्जा के बुनियादी ढांचों पर विध्वंसकारी हवाई आक्रमणों और होर्मुज स्टेट के पूरी तरह बंद किए जाने से तेल की कीमत और भी अधिक बढ़ सकती है।

तेल की कीमतों में इजाफा

तेल और गैस पर बरपा हुआ यह भीषण संकट जिस तरह से दक्षिण एशियाई मुल्कों में विकराल से आच्छादित हो रहा है, वैसा और कहीं नहीं बरप रहा है। पिछले वर्ष होर्मुज स्टेट से गुजरने वाले कुल तेल और गैस का लगभग 90 फ़ीसदी दक्षिण एशिया के इलाके में भेजा गया था। आम नागरिकों को अपने घरों का चूल्हा जलाने, गाड़ियों में ईंधन भरने, बिजली उत्पादन के लिए तेल व गैस पर अत्यधिक निर्भर रहना पड़ता है। उद्योगों को संचालित करने के लिए कारोबारी जगत को भी तेल और गैस की बहुत बड़ी दरकार रहती है। विगत सप्ताह नागरिक विमानों में प्रयोग होने वाले तेल की कीमत तकरीबन 60 प्रतिशत बढ़ चुकी है। पाकिस्तान, बांग्लादेश, वियतनाम, कंबोडिया, थाईलैंड, फिलिपींस, इंडोनेशिया, जापान, साउथ कोरिया और भारत आदि दक्षिण एशिया के अनेक देश इस विकराल स्थिति का जबरदस्त दबाव और दंश झेल रहे हैं। जंग शुरू होने के बाद अमेरिका में भी पेट्रोल की औसत क़ीमत विगत दिनों की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक हो गई है और डीजल की कीमत भी एक तिहाई से अधिक बढ़ गई है।

भारत को ईरान से मिली राहत

वहीं ब्रिटेन में डीजल की कीमत 9 प्रतिशत अभी तक बढ़ गई है। यह ऐसा मसला है जिससे तकरीबन सभी देशों की सरकारें बेहद परेशान हैं। रूस से आयातित तेल को भारत रिफाइन प्रक्रिया करके यूरोप को सप्लाई करता रहा था। फिलहाल रूस द्वारा यूरोप के लिए तेल और गैस की सप्लाई पूरी तरह बंद कर दी गई है। पेट्रोल और गैस की किल्लत का असर केवल चीन पर कदाचित नहीं हो रहा है। एशिया के अन्य देशों की तुलना में चीन की बिजली उत्पादन क्षेत्र में तेल और गैस पर निर्भरता बहुत कम है। भारत के लिए राहत की खबर है कि भारत में ईरान के राजदूत के ऐलान के मुताबिक भारत को होर्मुज स्टेट से सुरक्षित पैसेज प्रदान किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका द्वारा आयद प्रतिबंधों के बाद भारत द्वारा ईरान से तेल खरीदना बंद कर दिया गया था। इसके बावजूद भारत और ईरान के मध्य व्यापारिक और कूटनीतिक संबंध बाकायदा मित्रतापूर्ण कायम रहे। भारत द्वारा ईरान के चाबहार बंदरगाह के विकास के लिए भारी भरकम निवेश किया गया है।

अमेरिका द्वारा भारत सहित अनेक देशों को रूस से तेल खरीदने के लिए तीस दिनों की मोहलत प्रदान की गई है। इस अमेरिकन मोहलत की बदौलत ही रूस अपना खाली खजाना भर लेगा। अमेरिका के ईरान युद्ध में बुरी तरह से उलझ जाने के पश्चात यूक्रेन युद्ध में रूस को और अधिक कामयाबी हासिल हो सकती है। यूक्रेन को अब अमेरिकन हथियारों की सप्लाई बुरी तरह से बाधित हो जाएगी। रूस से भारत सहित अनेक देशों को तेल खरीदने की मोहलत प्रदान करने से यूरोपीय यूनियन के देश अमेरिका से और अधिक नाराज हो गए हैं। कनाडा और ग्रीनलैंड पर डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अपने आधिपत्य का दावा पेश करने के पश्चात यूरोपीय यूनियन और अमेरिका के मध्य टकराव और तकरार शुरू हो गई थी।

खाद्य संकट छाने की आशंका

इस युद्ध में अपने पुराने नाटो सहयोगियों के मध्य अमेरिका अलग-थलग पड़ता जा रहा है। कृषि उत्पादन में फर्टिलाइजर्स का गहन अभाव हो जाने पर खाद्य संकट उत्पन्न हो सकता है। भारत की दोस्ती वस्तुतः इजराइल और ईरान दोनों देशों के साथ कायम रही है। खाड़ी देशों में निवास कर रहे तकरीबन 90 लाख भारतीयों की सुरक्षा की चिंता भी भारत सरकार को है। भारत समुचित कूटनीतिक पहल करते तो इस जंग को समाप्त कराने में वह जबरदस्त भूमिका का निर्वाह कर सकता है। खाड़ी युद्ध यदि कुछ अधिक लंबा चल गया तो फिर इस जंग के तृतीय विश्व युद्ध में परिवर्तित हो जाने की प्रबल आशंका है।

तेल, युद्ध और होर्मुज़ : हिल गई दुनिया की ऊर्जा व्यवस्था

संघर्ष
विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच खाड़ी में छिड़ी जंग ने पूरी दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा को झकझोर दिया है। इस संघर्ष का सबसे बड़ा असर पड़ा है स्ट्रेट ऑफ होर्मुज (हॉर्मुज जलडमरूमध्य) पर-वह संकरा समुद्री रास्ता, जिससे दुनिया का करीब 20% तेल और तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) गुजरता है। जंग के कारण यह रास्ता लगभग ठप हो गया है। इसी वजह से इन दिनों यह नाम खबरों में बार-बार सुनाई दे रहा है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आईईए) के मुताबिक, यह आधुनिक इतिहास की सबसे बड़ी ऊर्जा आपूर्ति रुकावट बन चुकी है। खाड़ी क्षेत्र में तेल-गैस उत्पादन रोजाना करीब 1 करोड़ बैरल तक घट गया है। ईरान के हमलों से कई खाड़ी देशों की ऊर्जा सुविधाओं को नुकसान पहुंचा है। नतीजा साफ है- तेल की कीमतें 100 से 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं। इससे पूरी दुनिया में महंगाई का दबाव बढ़ गया है और अर्थव्यवस्थाओं पर भारी बोझ पड़ रहा है।

दुनिया पर असर : इस संकट की सबसे ज्यादा मार यूरोप और एशिया पर पड़ रही है, क्योंकि ये इलाके अपनी लगभग 90 फीसद ऊर्जा इसी रास्ते से आयात करते हैं। होर्मुज के लगभग बंद होने से तेल टैंकरों का आवागमन करीब 98 फीसद तक गिर गया है। इसका सीधा असर गैस बाजार पर भी पड़ा है। विकासशील देशों में ईंधन महंगा होने से खाने-पीने की चीजें महंगी हो रही हैं और उद्योगों की लागत बढ़ रही है। खाड़ी के प्रमुख उत्पादक- सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और इराक में उत्पादन रुकने से वैश्विक सप्लाई चेन में देरी और अनिश्चितता बढ़ गई है। यह संकट एक बड़ी सच्चाई भी उजागर करता है-दुनिया की अर्थव्यवस्था अब भी फॉसिल ईंधन (कोयला, तेल, गैस) पर बहुत ज्यादा निर्भर है। यह निर्भरता ऐसे छोटे-से "चोकपॉइंट" पर टिकी है, जो किसी भी समय संकट का कारण बन सकता है।

भारत की स्थिति भी आसान नहीं है। देश अपनी जरूरत का 85–90% कच्चा तेल आयात करता है। इसमें से लगभग 45–50% तेल खाड़ी से, यानी होर्मुज के रास्ते आता है। भारत का करीब 90% एलपीजी और एलएनजी का बड़ा हिस्सा भी इसी क्षेत्र से आता है।

भारत पर क्या असर : भारत की स्थिति भी आसान नहीं है। देश अपनी जरूरत का 85–90% कच्चा तेल आयात करता है। इसमें से लगभग 45–50% तेल खाड़ी से, यानी होर्मुज के रास्ते आता है। भारत का करीब 90% एलपीजी और एलएनजी का बड़ा हिस्सा भी इसी क्षेत्र से आता है। अगर सप्लाई लंबे समय तक बाधित रही, तो देश में ईंधन की कमी का खतरा पैदा हो सकता है। भारत के पास रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार में सीमित अवधि का ही स्टॉक है। तेल महंगा होने से महंगाई बढ़ेगी, रुपया दबाव में आएगा और सरकारी बजट पर बोझ बढ़ेगा। इसका असर आम जिंदगी पर भी दिखने लगा है।

इससे हवाई यात्रा महंगी हो रही है, परिवहन लागत बढ़ रही है और देश भर में छोटे होटल, रेस्तरां और ढाबे तक प्रभावित हो रहे हैं। हालांकि संकट के बीच भारत ने कुछ समझदारी भरे कदम भी उठाए हैं। रूस से तेल आयात बढ़ाकर करीब 40% कर दिया गया। इसके अलावा, स्पॉट मार्केट (जहां तुरंत खरीद-बिक्री होती है) से करीब 3 करोड़ बैरल तेल खरीदा गया।

आगे का रास्ता क्या : कम अवधि में सबसे जरूरी कदम है आयात के स्रोतों को विविध बनाना। भारत और दुनिया को अमेरिका, नाइजीरिया, दक्षिण अमेरिका जैसे क्षेत्रों से ज्यादा तेल-गैस लाना होगा।लेकिन असली समाधान लंबी अवधि में है- साफ ऊर्जा। भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा है। इसमें सौर , पवन ऊर्जा परियोजनाएं और इलेक्ट्रिक वाहनों का विस्तार शामिल है, ताकि तेल पर निर्भरता कम हो सके। इसके अलावा- परमाणु ऊर्जा का विस्तार और केजी बेसिन में घरेलू गैस उत्पादन बढ़ाना भी है। ये सभी कदम ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत कर सकते हैं।

खाड़ी की यह जंग एक साफ संदेश देती है- दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा बेहद नाजुक है। अगर पूरी व्यवस्था कुछ संकरे समुद्री रास्तों पर टिकी रहेगी, तो ऐसे संकट बार-बार आते रहेंगे। भारत के लिए भी यही सबक है: ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से बढ़ना। विविध आयात, बड़े भंडार और हरित ऊर्जा में निवेश- यही भविष्य का रास्ता है। अगर सही फैसले लिए जाएं, तो यह संकट केवल खतरा नहीं बल्कि एक अवसर भी बन सकता है। एक ऐसी ऊर्जा व्यवस्था बनाने का अवसर, जो मजबूत हो, सुरक्षित हो और ज्यादा स्वतंत्र भी।

भारत के लिए कूटनीतिक संतुलन साधने की चुनौती

चिंतन
रवि शंकर
वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिका और इजराइल का ईरान के साथ चल रहा युद्ध अब वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर डालने लगा है। दो हफ्तों से जारी इस संघर्ष के कारण ऊर्जा आपूर्ति, तेल की कीमतों और खाड़ी क्षेत्र में काम करने वाले लाखों लोगों की सुरक्षा पर बड़ा खतरा पैदा हो गया है। इसका सीधा असर भारत पर भी पड़ सकता है, क्योंकि भारत की ऊर्जा जरूरतें और बड़ी संख्या में भारतीय कामगार खाड़ी देशों पर निर्भर हैं। इजराइल-अमेरिका के ईरान पर हमले के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य के समुद्री मार्गों में जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है, जो दुनिया के ज्यादात्तर देशों के लिए कच्चे तेल और गैस की सप्लाई का यह एक महत्वपूर्ण रास्ता है। इससे आपूर्ति प्रभावित होने और माल ढुलाई की लागत बढ़ने को लेकर चिंता बढ़ी है। पश्चिम एशिया भारत का एक महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार है। भारत के निर्यात में इसकी लगभग 14 प्रतिशत और आयात में लगभग 21 प्रतिशत हिस्सेदारी है। ऐसे में यदि तनाव और बढ़ता है तो व्यापार के साथ ऊर्जा आपूर्ति भी प्रभावित हो सकती है। फिर भी भारत ने साफ कर दिया है कि वह जंग नहीं बल्कि शांति और कूटनीति का समर्थक है। हालांकि, भारत और ईरान के रिश्ते हमेशा वैचारिक समानता पर आधारित नहीं रहे, बल्कि इनका मूल आधार व्यावहारिक हित और रणनीतिक जरूरतें रही हैं। ऊर्जा आपूर्ति, व्यापार और वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों की सुरक्षा जैसे कई मुद्दे इससे जुड़े हैं। इसलिए भारत कोशिश कर रहा है कि सभी पक्षों से संवाद बनाए रखते हुए संतुलित नीति अपनाई जाए। फिर भी देखा जाए तो, पिछले दो दशकों में भारत ईरान के साथ अपने संबंधों को लेकर पूरी तरह स्वतंत्र निर्णय नहीं ले पाया। इसकी एक बड़ी वजह अमेरिका की प्रतिबंधात्मक नीतियां रही हैं। ईरान से जुड़ा हर बड़ा फैसला भारत को अमेरिका के साथ अपने संबंधों को ध्यान में रखकर लेना पड़ा है। यही वजह है कि अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ अभियान तेज किए जाने के बीच, भारत कूटनीति, ऊर्जा सुरक्षा और रणनीतिक साझेदारियों के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। क्योंकि भारत अपने कच्चे तेल का लगभग 80 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में युद्ध लंबा चला तो कच्चे तेल की कीमतों में आग लगेगी और भारत सीधे चपेट में आएगा। तेल महंगा होने से भारत में महंगाई बढ़ेगी और देश का व्यापार घाटा और ज्यादा बढ़ने का खतरा रहेगा। फिर भी, नई दिल्ली के लिए सबसे बड़ी चुनौती केवल ऊर्जा बाजारों में ही नहीं, बल्कि रणनीतिक संबंधों के उस जटिल जाल को संभालने में है जो अब युद्ध के कारण अलग-अलग दिशाओं में खिंचा चला जा रहा है। संघर्ष पर भारत की सार्वजनिक प्रतिक्रिया संयमित रही है। नई दिल्ली ने किसी का पक्ष लेने से परहेज किया है। इसके कारण स्पष्ट हैं। संघर्ष में शामिल सभी प्रमुख पक्षों के साथ भारत के महत्वपूर्ण संबंध हैं। चाबहार बंदरगाह परियोजना के माध्यम से भारत की क्षेत्रीय संपर्क संबंधी महत्वाकांक्षाओं में ईरान की केंद्रीय भूमिका है। वहीं, इजराइल भारत के सबसे महत्वपूर्ण रक्षा साझेदारों में से एक है, जो वायु रक्षा प्रणाली, ड्रोन और निगरानी प्लेटफॉर्म सहित उन्नत प्रौद्योगिकियां प्रदान करता है। साथ ही, पिछले एक दशक में संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ भारत की रणनीतिक साझेदारी में काफी मजबूती आई है, जिसमें रक्षा सहयोग, खुफिया जानकारी साझा करना और उभरती। वहीं पश्चिम एशियाई क्षेत्र में लगभग 90 लाख भारतीय प्रवासी रहते हैं। यह समुदाय भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए हर साल लगभग सौ अरब डालर का योगदान देता है। यह वित्तीय प्रवाह भारत के विदेशी मुद्रा भंडार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। भारत और ईरान के संबंध वैचारिक निकटता की बजाय पारस्परिक हितों पर आधारित रहे हैं। तीनों प्रधानमंत्रियों की मुलाकातों ने यह सुनिश्चित किया कि संवाद की प्रक्रिया जारी रहे। अब पश्चिम एशिया के बदलते राजनीतिक परिदृश्य में यह देखना अहम होगा कि यह रणनीतिक साझेदारी किस दिशा में आगे बढ़ती है। बहरहाल, इस तरह के संकट भारत की विभिन्न भू-राजनीतिक गुटों के साथ संबंध बनाए रखने की उसकी क्षमता की परीक्षा ले रहे हैं। आने वाले महीनों में यह तय होगा कि संघर्ष सीमित रहेगा या एक व्यापक क्षेत्रीय संकट में बदल जाएगा। फिलहाल, मध्य पूर्व एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है, जिसके परिणाम युद्धक्षेत्र से कहीं आगे तक फैलेंगे।

युद्ध लंबा चला तो कच्चे तेल की कीमतों में आग लगेगी और भारत सीधे इसकी चपेट में आएगा। तेल महंगा होने से भारत में महंगाई बढ़ेगी और देश का व्यापार घाटा और ज्यादा बढ़ने का खतरा रहेगा।

वैश्विक दबंगई देखने को लाचार संयुक्त राष्ट्र

औचित्य
उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

ईरान के खिलाफ अमेरिकी-इजराइली कार्रवाई के बाद एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका और औचित्य दोनों पर सवाल उठा है। दिलचस्प यह है कि अमेरिका ने अतीत में जब भी ऐसी कार्रवाई की, उसने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों को लागू करने का बहाना बनाया। चूंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अलबेले राजनेता हैं, उनके लिए नियम-कायदों और जगतगति से ज्यादा उनकी अपनी जुबान और सोच मायने रखती हैं। इसलिए ईरान के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ की ओट लेने की औपचारिकता भी नहीं निभाई।

संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना का सबसे बड़ा कारण प्रथम विश्व युद्ध के बाद गठित लीग ऑफ नेशन्स की असफलता रही। अमेरिकी राष्ट्रपति वुडरो विल्सन की पहल पर प्रथम विश्व युद्ध के बाद 10 जनवरी 1920 को स्थापित लीग ऑफ नेशन्स पहला ऐसा अंतरराष्ट्रीय संगठन था, जिसका मुख्य उद्देश्य कूटनीति और सामूहिक सुरक्षा के जरिए विश्व शांति बनाए रखना था। लीग ऑफ नेशन्स का प्रमुख उद्देश्य राष्ट्रों के बीच के विवादों को सुलझाना, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सामूहिक सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना और वैश्विक स्तर पर निरस्त्रीकरण को अमली-जामा पहनाना रहा। जिनेवा में स्थित वह संस्था ऐसा करने में पूरी तरह नाकाम रही। उसकी नाकामी के चलते जर्मनी और जापान ने विस्तारवादी नीतियां न सिर्फ अपनाईं, बल्कि रोजाना नए-नए राष्ट्रों पर कब्जा और हमला करने लगे। इसके बाद जो हुआ, वह विश्व इतिहास के काले पन्नों में दर्ज है। बेशक लीग ऑफ नेशन्स को 20 अप्रैल 1946 को आधिकारिक रूप से भंग किया गया, लेकिन इसके पहले ही 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र की स्थापना कर दी गई। इसकी स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को युद्ध की विभीषिका से बचाना और विश्व में शांति और सुरक्षा बनाए रखना था। अब सवाल यह है कि क्या वह अपने इस प्राथमिक उद्देश्य में सफल है? इस पर चर्चा से पहले संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर ध्यान देना जरूरी है, जिसके अनुसार संयुक्त राष्ट्र का मुख्य उद्देश्य, दुनिया भर में शांति बनाए रखना और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान करना है। इसके साथ ही उसका एक और मकसद, राष्ट्रों के बीच समानता और आत्म-निर्णय के सिद्धांतों के आधार पर दोस्ताना संबंधों का विकास करना भी रहा है। संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में साफ लिखा है कि यह अंतरराष्ट्रीय संगठन बिना किसी जाति, लिंग, भाषा या धर्म के भेदभाव के पूरी दुनिया के मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देगा। उसका मकसद, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय समस्याओं को हल करने के लिए राष्ट्रों के बीच सहयोग स्थापित करने के साथ ही,गरीबी दूर करने, भूख, बीमारी और निरक्षरता से लड़ने और प्राकृतिक आपदाओं के समय सहायता प्रदान करने के लिए कार्य करना भी है। इसके साथ ही उसकी भूमिका अंतरराष्ट्रीय संधियों और कानूनों के प्रति सम्मान बनाए रखने के लिए प्रयास करने की भी है। सवाल यह है कि क्या संयुक्त राष्ट्र संघ ऐसा कर सका है? निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है।

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य युद्ध की विभीषिका से बचाना और विश्व में शांति और सुरक्षा बनाए रखना था। सवाल यह है कि क्या वह अपने इस उद्देश्य में सफल है?

मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में संयुक्त राष्ट्र की हालत सड़क के किनारे बैठे उस असहाय व्यक्ति जैसी हो गई है, जो सड़क पर जारी मारपीट को असहाय भाव से टुकुर-टुकुर देखने को मजबूर रहता है। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का सबसे प्रमुख उद्देश्य युद्धों को रोकना है, लेकिन न तो यह शीत युद्ध को रोक सका, न ही मौजूदा दौर के संघर्षों को रोक पा रहा है। 1991 के खाड़ी युद्ध के लिए तो अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जार्ज बुश ने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्ताव को ही बहाना बनाया था। 2001 में भी जार्ज बुश के बेटे जूनियर जार्ज बुश और तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने भी इराक और अफगानिस्तान पर हमले के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों और उसकी सेना की ओट ली थी। जब से ट्रंप ने अमेरिका की दोबारा कमान संभाली है, तब से उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को और ज्यादा पंगु करने की कोशिश की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन समेत संयुक्त राष्ट्र के कई अंगों में अपनी आर्थिक भागीदारी और सहयोग उन्होंने घटाना शुरू कर दिया है। उनका मानना है कि संयुक्त राष्ट्र के मंचों के जरिए अमेरिकी करदाताओं की बड़ी रकम बेकार के कामों में खर्च हो रही है, जिसका अमेरिका को सीधे फायदा नहीं मिलना है। ऐसे में आने वाले दिनों में संयुक्त राष्ट्र की स्थिति और भी ज्यादा निरीह होने वाली है।

आश्चर्यजनक है चीन और रूस की चुप्पी !

दृष्टिकोण
डॉ. एन. के. सोमानी
स्वतंत्र स्तंभकार

इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा युद्ध तीसरे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है। पुरी दुनिया में भय, चिंता और अफर-तफरी का माहौल है। युद्ध की लंबी खिंचती अवधि ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि सनकी शासकों की सनक के परिणाम स्वरूप होने वाले युद्धों का आगाज तो आसान है, लेकिन अंजाम सरल नहीं है। रूस-यूक्रेन युद्ध और गाजा-इजराइल के थकाऊ और उबाऊ संघर्ष से निकलकर सामने आ रही खौफनाक तस्वीरों के बावजूद दुनिया के कथित 'बुचर ब्रदर्स' अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके खासमखास इजराइली राष्ट्रपति बैंजामिन नेतन्याहू ने ईरान पर हमला कर दुनिया को संकट में डाल दिया। दोनों पक्ष एक दूसरे के सिविल और सैन्य ठिकानों पर हमला कर नुकसान पहंचाने का दावा कर रहे हैं। वैश्विक शांति की जिम्मेदारी जिन संस्थाओं और संगठनों ने ली हुई है, वह पूरी तरह से खामोश है। दुनिया के कुछ बड़े देश जिनसे हस्तक्षेप की धुंधली सी उम्मीद थी, वह अपना-अपना गणित बैठाने में जुटे हुए हैं। हालांकि चीन और रूस ने ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों की निंदा की है। दोनों देशों की ओर से ईरान को कूटनीतिक और तकनीकी समर्थन दिए जाने की बात कही जा रही है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् की बैठक में दोनों पक्षों के बीच हुई गरमा-गरम बहस में जहां एक ओर अमेरिका ने ईरान के साथ जारी जंग को सही ठहराने की कोशिश की। वहीं, दूसरी तरफ चीन और रूस ने ईरान के खिलाफ लगाए गए प्रतिबंधों का विरोध किया और मौजूदा संकट के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया। कहने को तो चीन और रूस सैद्धांतिक रूप से ईरान के साथ खड़े दिख रहे हैं लेकिन दोनों महाशक्तियां सीधे सैन्य हस्तक्षेप से बचते हुए भी दिख रही हैं।

चीन की भूमिका : ईरान और इजराइल-अमेरिका संघर्ष में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की चुप्पी आश्चर्यजनक है। ईरान द्वारा इस्तेमाल की जा रही मिसाइलों और ड्रोन्स में चीनी बेडू नेविगेशन सिस्टम के उपयोग की खबरें आई है। चीन लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम का समर्थक रहा है। सिंतबर 2025 में जब राष्ट्रपति शी जिनपिंग की ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से मुलाकात हुई, उस वक्त जिनपिंग ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम का समर्थन करते हुए कहा था कि वह ईरान के परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग के अधिकार का सम्मान करते है। ऐसे में सवाल यह है कि चीन की चुप्पी किसी दुविधा का परिणाम है या किसी दीर्घकालिक रणनीति का संकेत। कहीं ऐसा तो नहीं कि चीन मौजूदा संकट में कूटनीतिक अवसरों के जरिए अपने हितों को साधने की कोशिश में जुटा हो। अगर ऐसा है तो मध्यपूर्व में अमेरिका को काउंटर करने में ईरान की जो भूमिका रही, चीन की ओर से उसकी अनदेखी करना उचित नहीं है। हो सकता है चीन अपनी ताइवान नीति के कारण ईरान के पक्ष में खुलकर आने से गुरेज कर रहा हो। बीजिंग अपनी 'वन चाइना पॉलिसी' में ताइवान को अपना क्षेत्र मानता है और वह पुनः इसे अपने देश का हिस्सा बनाना चाहता है। अमेरिका ताइवान की सुरक्षा के लिए वचनबद्ध है। ताइवान की रक्षा हेतु अमेरिका उसे लगातार हथियार और दूसरे सैन्य उपकरण उपलब्ध करवाता है। अब चूंकि अमेरिका ईरान के साथ उलझा हुआ है। ऐसे में दोनों के बीच की तनातनी कूटनीति तौर पर चीन के लिए हितकर कही जा सकती है। पूरे मामले में तेल का भी अपना खेल है। चीन युद्ध के बीच ईरान से तेल खरीद की मात्रा बढ़ाकर उसकी अर्थव्यवस्था को सहारा दे रहा है। चूंकि चीन के कच्चे तेल आयात में ईरान की हिस्सेदार 12 फीसदी है। चीन निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था है। युद्ध के लंबे चलने से उसकी अर्थव्यवस्था और निर्यात उद्योग प्रभावित हो सकता है। संक्षेप में कंहें तो ईरान से तेल की आपूर्ति, मध्य पूर्व में अपने प्रभाव को बढ़ाने की लालसा और ताइवान कुछ ऐसे कारक है जिसके चलते चीन ईरान के पक्ष में खुलकर उतरने में हिचकिचा रहा है।

कहने को तो चीन और रूस सैद्धांतिक रूप से ईरान के साथ खड़े दिख रहे हैं लेकिन दोनों महाशक्तियां सीधे सैन्य हस्तक्षेप से बचते हुए भी दिख रही हैं।

रूस की भूमिका: चीन की तरह मध्यपूर्व में रूस भी ईरान का अहम सहयोगी और सैन्य साझेदार है। हालांकि ईरान के मौजूदा संकट में उसका झुकाव ईरान की तरफ जरूर दिख रहा है लेकिन वह भी चीन की तरह सिर्फ निंदा और हमले की आलोचना करने तक सीमित है। उसने ईरान पर किए गए हमलों की कड़ी निंदा की है और इसे संप्रभु राष्ट्र पर पूर्व-नियोजित और उकसावे वाली आक्रामकता कहा है, लेकिन युद्ध में सीधे सैन्य हस्तक्षेप से बच रहा है। दरअसल रूस स्वयं यूक्रेन युद्ध में उलझा हुआ है। यूक्रेन युद्ध में अमेरिका और उसके पश्चिमी सहयोगी यूक्रेन के साथ खड़े हैं। ईरान के साथ जंग शुरू होने से पहले अमेरिका के जो सैन्य संसाधन यूक्रेन में लग रहे थे, अब वे मध्यपूर्व में लग रहे हैं। इससे जेलेंस्की की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। जो पैट्रियट मिसाइलें पहले यूक्रेन के बार्डर पर तैनात थी, अब उन्हें मध्यपूर्व में तैनात किया जा रहा है। यह यूक्रेन से मोर्चा ले रहे रूस के लिए फायदेमंद है। यही वजह है कि रूस ईरान के पक्ष में किसी तरह के सैन्य हस्तक्षेप के लिए आगे बढ़ने से झिझक रहा है। पुतिन के व्यक्तिगत तौर पर भी ट्रंप के साथ अच्छे संबंध है। पिछले कुछ समय से दोनों के बीच की कैमेस्ट्री बेहतर हुई है। हालांकि सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के रूस के साथ अच्छे संबंध थे। वह रूस के साथ दीर्घकालिक सहयोग के समर्थक थे। वह पुतिन को भरोसेमंद साथी के रूप में देखते थे। यूक्रेन युद्ध के दौरान ईरान और रूस के बीच रक्षा सहयोग तेजी से बढ़ा है। ईरान ने रूस को ड्रोन तकनीक और अन्य हथियार उपलब्ध कराए। ऐसे में अयातुल्ला की शहादत रूस के लिए एक कूटनीतिक झटका है। कुल मिलाकर कहें तो रूस ईरान के आत्मरक्षा के अधिकार का तो समर्थन करता है लेकिन वह मौजूदा संघर्ष में केवल 'मध्यस्थ' के रूप में दिखना चाहता है, न कि सक्रिय भागीदार के रूप में ।

ग्रीन कार्ड हासिल करने के लिए रचा डकैती का नाटक, पकड़े गए 11 भारतीय

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे 11 भारतीय नागरिकों पर वीजा में धोखाधड़ी करने का आरोप लगा है। अमेरिकी सरकारी वकीलों के अनुसार, इन लोगों ने ग्रीन कार्ड हासिल करने के लिए शॉर्टकट के तौर पर सुविधा दुकानों में हथियारों के बल पर डकैती का नाटक रचा था। अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपियों ने जानबूझकर दुकानों में फर्जी डकैती की योजना बनाई। इसका मुख्य उद्देश्य यह था कि स्टोर में काम करने वाले क्लर्क आव्रजन आवेदनों में खुद को अपराध का शिकार बता सके। दरअसल, यह पूरी साजिश यू-वीजा प्राप्त करने के लिए रची गई थी।

यू-वीजा से खुलता है ग्रीन कार्ड का रास्ता

बता दें कि यू-वीजा उन नागरिकों को दिया जाता है जो किसी अपराध के शिकार हुए हों, या जिन्होंने मानसिक या शारीरिक यातनाएं झेली हो और जो पुलिस की जांच में मददगार साबित हुए हों। यह वीजा प्रवासियों को काम करने की अनुमति देता है और 5 से 10 साल के अंदर ग्रीन कार्ड प्राप्त करने का रास्ता भी खोलता है।

अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे कुछ क्लर्कों ने भिड़ाई थी तिकड़म

अपराध के शिकार हुए लोगों को दिया जाता है अमेरिका में यू-वीजा

आव्रजन आवेदनों में खुद को अपराध का शिकार बताना था उद्देश्य

मैसाचुसेट्स, केंटकी ओहियो के हैं आरोपी

आरोपियों के नाम, जितेंद्रकुमार पटेल (39), महेशकुमार पटेल (36), संजयकुमार पटेल (45), दीपिकाबेन पटेल (40), रमेशभाई पटेल (52), अमिताबेन पटेल (43), रौनककुमार पटेल (28), संगीताबेन पटेल (36), मिंकेश पटेल (42), सोनल पटेल (42) और मितुल पटेल (40) हैं। ये सभी मैसाचुसेट्स, केंटकी और ओहियो जैसे अमेरिकी राज्यों में अवैध रूप से रह रहे थे। दीपिकाबेन पटेल को मैसाचुसेट्स के वेमाउथ में अवैध रूप से रहने के कारण वापस भारत डिपोर्ट (निर्वासित) कर दिया गया है। जितेंद्रकुमार, महेशकुमार, संजयकुमार, अमिताबेन, संगीताबेन और मितुल को मैसाचुसेट्स में गिरफ्तार किया गया था और शुक्रवार को बोस्टन की संघीय अदालत में पेशी के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। रमेशभाई, रौनककुमार, सोनल और मिंकेश को केंटकी, मिसौरी और ओहियो में गिरफ्तार किया गया है। उन्हें बाद में बोस्टन की संघीय अदालत में पेश किया जाएगा।

ऐसे दिया गया वारदात को अंजाम

आरोप पत्र के अनुसार, मार्च 2023 में 'रामभाई' नामक मुख्य साजिशकर्ता और उसके साथियों ने मैसाचुसेट्स और अन्य स्थानों पर कम से कम छह सुविधा/शराब की दुकानों और फास्ट फूड रेस्तरां में फर्जी डकैतियों को अंजाम दिया। इस नाटक में, लुटेरा सीसीटीवी कैमरे के सामने बंदूक (या उस जैसा कोई हथियार) दिखाकर कैशियर या मालिक को धमकाता था और गल्ले से पैसे लेकर भाग जाता था। लुटेरे के भागने के पांच मिनट या उससे अधिक समय बाद, 'पीड़ित' क्लर्क या मालिक जानबूझकर पुलिस को फोन करके 'अपराध' की रिपोर्ट दर्ज कराते थे ताकि मामला असली लगे।

योजना में शामिल होने आरोपियों ने दिए पैसे

वहीं, जांच में यह भी सामने आया है कि इन कथित पीड़ितों (क्लर्कों) ने इस पूरी योजना में शामिल होने के लिए आयोजक रामभाई को पैसे दिए थे। इसके बदले में, रामभाई ने इस फर्जी डकैती के लिए अपनी दुकानों का इस्तेमाल करने देने के लिए स्टोर मालिकों को पैसे चुकाए थे। रामभाई, डकैती का नाटक करने वाले 'लुटेरे' और उन्हें भगाने वाले ड्राइवर को पहले ही दोषी ठहराया जा चुका है। वीजा धोखाधड़ी की साजिश के इस आरोप में अधिकतम 5 साल की जेल, 3 साल की निगरानी और 2,50,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 2 करोड़ रुपये) के जुर्माने का प्रावधान है।

इंडिगो-एयर इंडिया के बाद अकासा की उड़ान भी महंगी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अगर आप भी गर्मियों की छुट्टियों में कहीं बाहर जाने का प्लान बना रहे हैं, तो अपनी जेब थोड़ी और ढीली करने के लिए तैयार हो जाइए। एयर इंडिया और इंडिगो के नक्शेकदम पर चलते हुए अब अकासा एयर ने भी ईंधन की बढ़ती कीमतों का बोझ यात्रियों पर डालने का फैसला किया है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण एयरलाइन 15 मार्च से टिकट बुकिंग पर 1300 रुपये तक का अतिरिक्त फ्यूल सरचार्ज वसूल करेगी। अकासा एयर के प्रवक्ता द्वारा जारी बयान के अनुसार, ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि के कारण यह कदम उठाना अनिवार्य हो गया है। नए चार्ज 15 मार्च 2026 की रात 00:01 बजे से होने वाली सभी बुकिंग पर लागू होंगे। अगर आपने 15 मार्च से पहले टिकट बुक कर ली है, तो आपको यह अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा।

हवाई सफर पर मिडिल ईस्ट जंग की मार

कितना लगेगा एक्स्ट्रा चार्ज?

नया सरचार्ज फ्लाइट की दूरी और समय के आधार पर तय किया गया है। यह सरचार्ज घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों मार्गों पर लागू होगा। इसका न्यूनतम शुल्क: 199 रुपये व अधिकतम शुल्क: 1300 रुपये होगा। एयरलाइन का कहना है कि मिडिल ईस्ट में उपजे हालातों की वजह से एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में इजाफा हुआ है। इसी के चलते हमें 199 रुपये से लेकर 1300 रुपये तक का फ्यूल सरचार्ज लगाने पर मजबूर होना पड़ा है।

फ्लाइट की अवधि से तय होगी टिकट की कीमत

सरचार्ज प्रत्येक सेक्टर के हिसाब से अलग-अलग होगा। इसका मतलब है कि फ्लाइट जितनी लंबी होगी, यात्री को उतना अधिक सरचार्ज देना होगा। उदाहरण के तौर पर, छोटे रूट जैसे दिल्ली से चंडीगढ़ के मुकाबले लंबे रूट जैसे मुंबई से सिंगापुर या दिल्ली से केरल पर यह शुल्क अधिक हो सकता है।

इराक के अधिकारियों ने की भीषण अटैक की पुष्टि

बगदाद के अमेरिकी दूतावास पर ईरान का बड़ा हमला, हेलीपैड, कैम्पस तबाह

एजेंसी ▶▶| बगदाद

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग को 15 दिन हो चुके हैं। शनिवार को ईरान ने अमेरिका को बड़ा झटका दिया है। ईरान ने इराक के बगदाद में अमेरिकी दूतावास पर हमला किया है।

इराक के अधिकारियों ने हमले की पुष्टि की और बताया कि ईरान की मिसाइल दूतावास के हेलीपैड पर गिरी है। दूतावास परिसर के अंदर हेलिकॉप्टर उताने के लिए हेलीपैड बनाया गया है, जो मिसाइल अटैक से तबाह हो गया है। पूरा कैंपस भी जलकर राख हो गया है। यह हमला तब किया गया है, जब अमेरिका ने खर्ग आइलैंड पर हमला किया और ईरान के सुप्रीम लीडर समेत 10 अधिकारियों पर आतंकवादियों की तरह इनाम की घोषणा की।

ईरानी मिसाइल ने सुरक्षा में लगाई बड़ी सेंध

सबसे सुरक्षित माने जाने वाले 'ग्रीन जोन' को बनाया गया निशाना

बगदाद के सबसे सुरक्षित इलाके में हमला

अमेरिकी दूतावास इराक की राजधानी बगदाद के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले 'ग्रीन जोन' में है, जहां हमला करने की हिम्मत ईरान ने दिखाई है। हेलीपैड को निशाना बनाकर ही मिसाइल दागी गई थी। हमले के बाद दूतावास परिसर से काला धुआं निकलते देखा गया और कैंपस में हड़कंप भी मच गया। वहीं अमेरिकी दूतावास में लगे रडार सिस्टम पर ड्रोन अटैक हुआ है, जिससे रडार को नुकसान पहुंचा है, लेकिन उसे रिकवर कर लिया जाएगा। सुरक्षित होने के बावजूद ईरान की मिसाइल का हेलिपैड तक पहुंचना सुरक्षा में एक बड़ी सेंध है। अमेरिका की मरीन कॉर्प्स के कमांडो और इराक पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी है।

बगदाद में हमला अमेरिका-ट्रंप को सीधी चुनौती

अमेरिकी दूतावास पर हमला सीधे तौर पर ट्रंप को दी गई खुली चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। क्योंकि बगदाद में अमेरिकी दूतावास सबसे सुरक्षित राजनयिक परिसरों में से एक है।

3 अन्य अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर भी हमले

इस बीच ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने दावा किया है कि उसने क्षेत्र में मौजूद 3 अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं। ईरानी मीडिया के अनुसार आईआरजीसी नौसेना प्रमुख एडमिरल अलीरेजा तंगसीरी ने बताया कि इन हमलों में अबू धाबी के अल-धफरा एयरबेस और बहरीन के शेख ईसा एयरबेस को निशाना बनाया गया। तंगसीरी के मुताबिक पैट्रियट रडार सिस्टम, सैन्य विमान और विमानों के ईंधन भंडारण टैंकों पर हमले हुए। हालांकि इन दावों की अभी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो पाई है।

अमेरिका के 2500 मरीन और जंगी जहाज तैनात

इधर, अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में 2500 मरीन और समुद्र के साथ-साथ जमीन से हमला करने वाले युद्धपोत तैनात कर दिए हैं। ऐसे में लगता है कि ट्रंप ने अब ईरान के खिलाफ कोई बड़ा प्लान बनाया है। सूत्रों के अनुसार, अमेरिकी सेना की 31वीं मरीन एक्सपेडिशनरी यूनिट और जमीन से हमला करने वाले जहाज यूएसएस ट्रिपोली को मिडिल ईस्ट की ओर रवाना होने का आदेश दिया गया है। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को ब्लॉक करके दुनियाभर के कई देशों में तेल और गैस का संकट खड़ा कर दिया है। ऐसे में अब शायद अमेरिका की तैयारी जमीनी सैन्य कार्रवाई करने की है। बता दें कि 31वीं मरीन एक्सपेडिशनरी यूनिट, यूएसएस ट्रिपोली और मरीन सैनिकों को लेकर चलने वाले जहाज वर्तमान में जापान में तैनात हैं और प्रशांत महासागर में एक्टिव हैं।

'बंगाल में निर्मम सरकार का होगा अंत, लिया जाएगा हिसाब'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोलकाता

विधानसभा चुनाव से पहले पीएम मोदी शनिवार को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में एक विशाल जनसभा में शामिल हुए। यहां उन्होंने बंगाल में 18,680 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की शुरुआत की।

इसी दौरान, ब्रिगेड परेड ग्राउंड में रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने ममता सरकार पर जमकर निशाना साधा। मोदी ने अपने संबोधन में कहा, 'बंगाल में बदलाव अब दीवारों पर लिखा हुआ है और बंगाल के लोगों के दिलों में भी बस गया है। अब, बंगाल से इस निर्मम सरकार का अंत होना तय है।'

कोलकाता में मोदी ने साधा ममता पर निशाना

चुन-चुन कर लेंगे बदला

मोदी ने कहा, 'बंगाल में महा जंगलराज लाने वालों का काउंट डाउन शुरू हो चुका है। वो दिन दूर नहीं, जब बंगाल में फिर से कानून का राज होगा। जो कानून तोड़ेगा, जो अत्याचार करेगा, टीएमसी के किसी अत्याचारी को छोड़ा नहीं जाएगा, चुन-चुनकर हिसाब लिया जाएगा।' उन्होंने आगे कहा, 'यहां की निर्मम सरकार चाहे अब जितना जोर लगा ले, परिवर्तन की इस आंधी को वो अब रोक नहीं पाएगी।

इंस्टाग्राम में प्राइवेसी खत्म! पढ़ सकेगा अब आपकी चैट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। कंपनी ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि कर दी है कि इंस्टाग्राम पर एंड टू एंड एनक्रिप्टेड चैट फीचर 8 मई 2026 के बाद बंद कर दिया जाएगा। यानी इस तारीख के बाद इंस्टाग्राम के डायरेक्ट मैसेज (डीएम) में यह सुरक्षा फीचर उपलब्ध नहीं रहेगा। यह जानकारी खुद इंस्टाग्राम के आधिकारिक हेल्प पेज पर दी गई है, जहां साफ कहा गया है कि 8 मई 2026 के बाद इंस्टाग्राम पर एंड टू एंड एनक्रिप्टेड मैसेजिंग सपोर्ट नहीं करेगा। अगर किसी यूजर की चैट इस फीचर के तहत है, तो उन्हें पहले से नोटिफिकेशन मिलेगा और वे अपने चैट डेटा को डाउनलोड भी कर सकेंगे।

मेटा का ऐलान, हटने वाला है एंड टू एंड एनक्रिप्शन

एंड टू एंड एन्क्रिप्शन

एंड टू एंड एनक्रिप्शन में मैसेज भेजने वाले और पाने वाले के अलावा कोई भी तीसरा व्यक्ति उसे पढ़ नहीं सकता। यहां तक कि प्लेटफॉर्म चलाने वाली कंपनी भी उन मैसेज को नहीं देख सकती। इस तकनीक में मैसेज भेजते समय वह एक कोड में बदल जाता है और केवल रिसीवर के डिवाइस पर ही डिक्रिप्ट होता है।

पाकिस्तान ने इस्लामाबाद में 2 विस्फोटक ड्रोन मार गिराए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में सुरक्षा एजेंसियों ने विस्फोटकों से भरे दो ड्रोन मार गिराए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक ड्रोन फैजाबाद इलाके के पास गिरा, जबकि दूसरा I-9 सेक्टर में गिराया गया। इससे पहले अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि अफगान वायुसेना ने पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के कोहाट क्षेत्र में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। दरअसल पाकिस्तान ने गुरुवार रात अफगानिस्तान की राजधानी काबुल और कंधार में हवाई हमले किए थे। तालिबान अधिकारियों के मुताबिक इन हमलों में 6 लोगों की मौत और 15 लोग घायल हुए।

पंजाब सरकार को करना होगा पेंशनरों को बकाया भुगतान

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने पंजाब के हजारों पेंशनरों को बड़ी राहत देते हुए राज्य सरकार को लंबित संशोधित पेंशन और महंगाई भत्ता (डीए) का बकाया भुगतान करने का आदेश दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह लाभ केवल याचिकाकर्ताओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सभी योग्य पेंशनरों को दिया जाएगा। हाई कोर्ट ने पंजाब के मुख्य सचिव को निर्देश दिए हैं कि तीन महीने के अंदर आदेश के पालन की रिपोर्ट जिम्मेदार अधिकारी के हलफनामे के साथ अदालत में पेश की जाए। हाई कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि आदेश के पालन में कोई ढिलाई बरती गई तो प्रभावित पेंशनर हाई कोर्ट के हुक्मों की अवहेलना की कार्रवाई के लिए फिर से अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं।

तरकश

संजय के. दीक्षित

शराब, अफीम और जिस्म का कारोबार

हालांकि, दुर्ग के फार्म हाउस में अफीम कांड के बाद सरकार के निर्देश पर कलेक्टरों ने अपने जिलों के फार्म हाउसों की जांच-पड़ताल शुरू करा दी है। मगर यह भी सही है कि सूबे के फार्म हाउस तमाम धतकरमों के अड्डे बन गए हैं। छत्तीसगढ़ में करीब एक हजार से अधिक फार्म हाउस होंगे। आपको यह जानकर ताज्जुब होगा कि अधिकांश फार्म हाउस कृषि के नाम पर सरकार को लगान दे रहे और शराब, ड्रग और जिस्म के धंधे से लाखों, करोड़ों रुपए पीट रहे हैं। नियमानुसार फार्म हाउस के कुल रकबा के 10 परसेंट से अधिक निर्माण नहीं किया जा सकता। मगर शहर से लगे अधिकांश फार्म हाउसों में बड़ी संख्या में कमरे, हॉल, लॉन, स्वीमिंग पुल बना डाले हैं। शादियों की सीजन में शादी बाकी समय जमकर ऐय्याशी होती है। इन अड्डों पर जाने की न पुलिस हिमाकत कर पाती और न कोई सरकारी मुलाजिम। या तो उनका महीना बांध दिया जाता है या फिर किसी पॉलिटिशियन के नाम पर धमका दिया जाता है। जाहिर है, किसी नेता का नाम आ गया तो फिर छत्तीसगढ़ पुलिस की इतनी हिम्मत कहां? बहरहाल, सरकार का इससे राजस्व का बड़ा नुकसान हो रहा। कृषि जमीन के नाम पर लगान दे रहे कौड़ियों में और कमा रहे करोड़ों में।

अफसरों की हालत खराब

दुर्ग और बलरामपुर में अफीम की खेती पकड़े जाने के बाद छत्तीसगढ़ के आईएएस, आईपीएस के हालत खराब हो जा रहे हैं। खासकर, रायपुर, दुर्ग, बेमेतरा, धमतरी, बिलासपुर, जांजगीर तक आईएएस अधिकारियों के फार्म हाउस हैं। एक कथित तौर पर साफ-सुथरी छबि वाले आईएएस अधिकारी जांजगीर कलेक्टर रहते शिवरीनारायण के पास 40 एकड़ जमीन खरीद डाली। उसे किसी किसान को अधिया में दिया है। अब वो किसान उसमें क्या उपजा रहा...अफसर को चिंता होती ही। ऐसे न जाने कितने फार्म हाउस नौकरशाहों के हैं। अफीम कांड के बाद अफसर खुद ही जाकर अब अपने फार्म हाउस का मुआयना कर रहे हैं।

धान 20 रुपए, अफीम 50 हजार रुपए किलो?

अफीम का रेट जानकर आप चौंक जाएंगे। पहले ये आपको बता दें कि अफीम के तीन पार्ट होते हैं और तीनों बेशकीमती। अफीम के फल के छिलके से डोडा बनता है, वह 20 हजार रुपए किलो बिकता है। आमतौर पर ट्रक ड्राइवर इसे खाते हैं, इसमें ऐसा नशा होता है, जिसमें खुमारी तो होती है मगर नींद नहीं आती। दूसरा, अफीम के फल को सूखाकर खसखस बनाया जाता है, इसका रेट करीब 2000 रुपए किलो होता है। तीसरा, अफीम के फल में चीरा लगाकर उसका बूंद-बूंद टपकते दूध को एकत्र किया जाता है। इसे सुखाकर अफीम बनाया जाता है। इसकी कीमत करीब 50 हजार रुपए किलो है। और इस अफीम को प्यूरीफाई कर हेरोईन बनता है, जो बाजार में दो करोड़ रुपए किलो बिकता है। बहरहाल, आप अब समझ गए होंगे कि छत्तीसगढ़ को उड़ता पंजाब बनाने की कोशिश क्यों की जा रही है।

बीजेपी नेता पर पहली कार्रवाई

अफीम कांड में सरकार ने पहली बार कड़ा स्टैंड लिया। मुख्यमंत्री और गृह मंत्री दोनों ने दुर्ग पुलिस को फ्री हैंड दिया और बीजेपी नेता को सींखचों के पीछे पहुंचा दिया गया। हालांकि, पुलिस पर प्रेशर कम नहीं था। संगठन से लेकर संघ से पुलिस के पास दनादन फोन आ रहे थे। मगर पुलिस एक न सुनी। अफीम के मसले पर विपक्ष भले ही सरकार को आड़े हाथ ले रहा, मगर बीजेपी नेता की गिरफ्तारी से सरकार ने कैडर को एक बड़ा संदेश दिया है। भाजपा की सेहत के लिए यह इसलिए भी जरूरी था कि कांग्रेस के पांच साल के शासन के बाद देखादेखी बीजेपी का कैडर भी निरंकुश हो गया है। सरकार बनने के बाद प्रदेश में ऐसे अनेक मामले आए, जिसमें बीजेपी के नेताओं ने कार्रवाई नहीं होने दी। हमारी सरकार...बोल पुलिस के हाथ कस दिए जाते हैं। कुछ विधायकों को भी आईना दिखाने की जरूरत है। उनके आचरण इतना बिगड़ गया है कि बीजेपी जैसी संस्कारित पार्टी से मेल नहीं खाता। भूमाफिया की तरह जमीन कब्जाने और गुंडे पालने जैसे काम भी हो रहे हैं। चलिये सरकार ने दमदारी दिखाई है, इससे निश्चित तौर पर बेलगाम कार्यकर्ताओं को विधायकों पर असर पड़ेगा।

कलेक्टरों की आंखों पर पट्टी?

दुर्ग और बलरामपुर जिले में अफीम की खेती का भंडाफोड़ हुआ है, वह राजस्व सिस्टम का फेल्योरनेस है। इन जिलों के पटवारी अगर गिरदावरी रिपोर्ट से पहले अगर मौके पर पहुंच का खेतों का जायजा लिया होता तो सरकार को बगले झांकना नहीं पड़ता। दरअसल, पटवारियों की ये समस्या सिर्फ दुर्ग और बलरामपुर का नहीं, अमूमन सभी जिलों का कमोवेश यही हाल है। पटवारी खुद से वेतन देकर दो-दो, तीन-तीन एजेंट रख लेते हैं और एजेंट जो बोलते हैं, पटवारी सील-ठप्पा लगाकर उसे कलेक्टर को सौंप देते हैं। कायदे से कलेक्टरों को पटवारियों को टाईट करना चाहिए क्योंकि पटवारियों के नियोक्ता कलेक्टर होते हैं। मगर कलेक्टर आंखों पर पट्टी बांध लेंगे तो फिर वही होगा, जो इस समय हो रहा है। चीफ सिकरेट्री और पीएस टू सीएम ने वर्किंग कल्चर के लिए बायोमेट्रिक अटेंडेंस और ई-ऑफिस चालू कर दिया मगर पटवारी राज के खात्मे के लिए भी कोई आईडिया निकालना चाहिए।

कलेक्टरेट और बीजेपी का गड्ढा

अविभाजित जांजगीर जिला यानी जांजगीर और सक्ती छत्तीसगढ़ बीजेपी का सबसे बड़ा गड्ढा है। वहां पार्टी को एक अदद सीट नसीब नहीं हुई। इन जिलों के रेवेन्यू अफसर पार्टी की और खटिया खड़ी करने में लगे हैं। सक्ती में आदिवासियों की जमीन भूमाफियाओं को दो-दो मामला होने के बाद भी बड़े प्रशासनिक अफसरों पर कार्रवाई नहीं होने पर उससे जांजगीर जिले के अफसरों का भी हौसला बढ़ गया। नैला स्टेशन की साइडिंग के ठीक सामने एक कोयला कारोबारी को एसडीएम ने कोटवारी जमीन का डायवर्सन कर दिया। पटवारी ने अपने रिपोर्ट में ये भी नहीं बताया कि कोयला कारोबारी की जमीन तक पहुंचने के लिए कोई रास्ता नहीं है। मौके के पास ढाई एकड़ का तालाब है और पास में बस्ती भी। मगर जांजगीर कलेक्ट्रेट के अफसरों के लिए सबसे बड़ा रुपैया है। आसपास के लोगों और सरपंचों की शिकायत और नाराजगी को अनसूनी करते हुए कोल कारोबारी को कोटवारी भूमि का नामंतरण कर दिया गया। दरअसल, खटराल अफसरों का हौसला इसलिए बढ़ रहा कि कार्रवाइयों के मामलों में सिस्टम ज्यादा संवेदनशील हो जाता है। जब मालूम है कि जांजगीर इलाका सत्ताधारी पार्टी के लिए मुफीद नहीं तो ऐसे में अफसरों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। मगर एप्रोच कोटे में गए जिला प्रशासन के अफसरों का क्या? मालूम है, कलेक्ट्रेट में आखिरी पोस्टिंग है, इसलिए सरकार और सत्ताधारी पार्टी की सेहत से उन्हें क्या वास्ता?

मंत्रिमंडल की सर्जरी

इस खबर में कितनी सत्यता है, ये तो वक्त बताएगा...बीजेपी के अंदरखाने में ये चर्चा बड़ी तेज है कि मई में मंत्रिमंडल की बड़ी सर्जरी हो सकती है। उसमें मुख्यमंत्री को छोड़ सभी 12 मंत्रियों के इस्तीफे ले लिए जाएंगे। फिर नए सिरे से मंत्रिमंडल का गठन किया जाएगा और विभागों का बंटवारा भी। जाहिर सी बात है, और बीजेपी के लोग भी स्वीकार करते हैं कि विष्णुदेव की इस टीम से तो 2018 में पार्टी की नैया पार नहीं लग पाएगी। खबरों की माने तो 12 में से चार-से-पांच मंत्रियों की छुट्टी होगी। इनमें से कुछ ऐसे मंत्री भी शामिल हैं, जो रमन सिंह की टीम में काम कर चुके हैं मगर इस समय मैदान में खेलने की बजाए पेवेलियन में बैठ सिर्फ ताली बजा रहे हैं। कई मंत्रियों के विभाग भी बदलेंगे तो कुछ का लोड भी हल्का किया जाएगा। मई में सर्जरी की चर्चा इसलिए हो रही कि तब तक सरकार का ढाई साल हो जाएगा। यानी इंटरवल। इसके बाद सिस्टम के पास काम करने के लिए सिर्फ डेढ़ साल बचेंगे। क्योंकि, चुनावी साल में कोई काम होता नहीं। 2028 में जनवरी से ही सरकारें इलेक्शन मोड में आ जाती हैं। अगर मई में मंत्रिपरिषद की रिसफल हो गया फिर तो कई मंत्रियों के लिए यह आखिरी विधानसभा का सत्र होगा। क्योंकि, मानसून सत्र अब जुलाई में आहूत होगा। रही बात किस मंत्री की विदाई होगी तो बीजेपी की राजनीति में कोई दावे के साथ कुछ कह नहीं सकता। आखिर भला कौन जानता था कि धर्मेंद्र प्रधान पछाड़ खा जाएंगे और नितिन नबीन का नाम राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए सामने आ जाएगा। और बात नितिन नबीन की आई तो छत्तीसगढ़ के बारे में उनसे भला क्या छिपा हुआ है। कैडर के साथ उनका कनेक्शन इतना जबर्दस्त है कि पार्षद और उसके नीचे लेवल के बीजेपी कार्यकर्ता भी उनसे सीधे जुड़े हुए हैं। कहने का आशय यह है कि कौन मंत्री किस लेवल पर गुल खिला रहा, नितिन नबीन के पास पूरा अपडेट है। इसलिए जो भी होगा चौंकाने वाला होगा।

होली में गुलजार

होली के अगले दिन किसी भी स्टेट में छुट्टी नहीं रहती। मगर छत्तीसगढ़ में दशकों से यह परंपरा चली आ रही थी कि ऑफिस का दरवाजा तो खुलता था, मगर कोई स्टाफ नहीं पहुंचत था। भृत्यों के नहीं आने पर कई ऑफिसों के ताले भी नहीं खुलते थे। मगर राज्य सरकार ने बायोमेट्रिक अटेंडेंस का ऐसा सिस्टम लगाया कि होली के दूसरो दिन ऑफिस गुलजार रहे। मंत्रालय छोड़ बाकी जगहों पर भले ही कोई खास कामकाज नहीं हुआ होगा मगर उपस्थिति बराबर रही। वर्किंग कल्चर की दिशा में सरकार की यह बड़ी सफलता रही।

सिकेट्री से मिलना कठिन नहीं

आम आदमी के लिए पहले मंत्रालय में बड़े अफसरों से मिलना बड़ा कठिन टास्क होता था। एक तो पूरे हफ्ते अफसर आते नहीं थे और आए भी दोपहर को और अपरान्ह होते ही जाने की तैयारी। जिसकी मीटिंग होती थी, वहीं टाईम पर आता और जाता था। वरना, तो राम-राम। मगर जब से बायोमेट्रिक अटेंडेंस हुआ है, मंत्रालय में साढ़े 10 बजे तक 90 परसेंट अफसर पहुंच जाते हैं। फिर साढ़े पांच बजे से पहले हिलना नहीं है। उपर से अब पुराने विधानसभा का बहाना भी नहीं। बगल में विधानसभा है। नहीं तो विधानसभा सत्रों के दौरान तो अफसरों के मौज होते थे। मगर अब आदमी दिन भर बैठेगा तो कुछ-न-कुछ काम करबे करेगा। अब तो कई अधिकारियों ने अपने पीए को कह दिया है, जिसको भी मिलना हो, भेजते जाओ। अभी की स्थिति यह है कि दो-तीन परसेंट अति अभिमानी अफसरों को छोड़ दें तो लगभग सभी काम में लग गए हैं, लोगों से मिलजुल भी रहे हैं।

पीए, स्टेनो बेरोजगार

एक वो भी जमाना था, जब बड़े अफसरों के पीए, स्टेनो बनने के लिए कर्मचारी लालायित रहते थे। मगर सरकार ने ई-ऑफिस शुरू कर पीए और स्टेनों के पेट पर बड़ी चोट कर डाली। पहले जितने कद्दावर अफसर होते थे, उनके पीए का उतना ही जलवा होता था। फाइलों की जानकारी देना या उसे आगे बढ़ाना...किस फाइल को दबाना है और किस फाइल को वंदे भारत एक्सप्रेस की तरह दौड़ाना, सबकी कीमत तय थी। मगर ई-ऑफिस ने ऐसा बेड़ा गर्क किया कि अब प्रति फाइल के पीछे नजराना मिलना तो छोड़िये होली-दिवाली में गिफ्ट मिलना मुश्किल हो जाएगा। क्योंकि, फाइलें अब सीधे अफसरों के पास पहुंच जा रही। वर्तमान सिस्टम में सिर्फ जो बाबू नोटशीट बढ़ाता है, उसे सिर्फ इतना पता रहता है कि फलां फाइल किस अफसर के पास है, मगर उसमें नोटिंग क्या है, इस बारे में वह कुछ नहीं बता सकता। कुल मिलाकर कहा जाए तो पीए और स्टेनो का काम अब साहब के लिए मीटिंग का फोल्डर बनाना, चाय-नाश्ते का इंतजाम करना और पब्लिक से मिलवाना बच गया है।

नौकरशाहों में खलबली

बीजेपी लीगल सेल के अ-संतुष्ट नेता ने चीफ सेकेट्री विकास शील से 27 पन्नों की ऐसी गंभीर शिकायत की है कि नौकरशाही हिल गई है। कंप्लेन में दो पूर्व मुख्य सचिव समेत कई अफसरों के नाम हैं। असल में, ब्यूरोक्रेसी भी अपनी अड़ी में रहती है, वरना **PSC** में मेंबर के दो पद खाली हैं, तीसरा खाली होने वाला है। नीति आयोग में भी मेम्बर की एक वैकेंसी है। सरकार को बोल-बालकर नेताजी को एडजस्ट कराना चाहिए। वरना, दिक्कतें बढ़ती जाएंगी।

आईएएस को अभयदान!

पटवारी से आरआई प्रमोशन स्कैम में एसीबी ने कई लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मगर चालान में इस घोटाले का मास्टरमाइंड तक एसीबी पहुंचने की कोशिश नहीं की। हालांकि, एक एसीबी ने एक आईएएस से पूछताछ के लिए जीएडी से अनुमति मांगी थी। अनुमति मिली कि नहीं, इस पर कोई मुंह खोलने तैयार नहीं। हालांकि, 1300 पेज के चालान में एसीबी ने इस बात का जिक्र अवश्य किया है कि अतिविशिष्ट लोगों के यहां पर्चा सेट हुआ और उत्तरपुस्तिकाएं तैयार की गई। मगर मिलियन डॉलर का सवाल यह है कि एसीबी के हाथ आईएएस तक क्यों नहीं पहुंच पाए।

अजब संयोग

रिटायर आईएएस गणेश शंकर मिश्रा को राज्य सरकार ने नीति आयोग का उपाध्यक्ष अपाइंट किया है। नौकरी से रिटायरमेंट के बाद गणेश शंकर ने जब बीजेपी ज्वाईन किया था, तब विष्णुदेव साय पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष थे। इस नाते उन्होंने ही गणेश शंकर को पार्टी में प्रवेश कराया था। अब जब पार्टी में प्रवेश कराने वाले ही राज्य सरकार के मुखिया बन गए तो फिर इतना तो बनता ही था कि गणेश शंकर को सम्मानजनक कुर्सी मिल जाए। विष्णुदेव साय ने गणेश शंकर को उस आयोग का उपाध्यक्ष बनाया, जिसके वे खुद अध्यक्ष हैं। यही नहीं, उनकी ताजपोशी के समय खुद मौजूद रहे। चलिये, ये सब वक्त और संयोग की बात है। गणेश शंकर पूर्व मुख्यमंत्री डॉ0 रमन सिंह के काफी नजदीक रहे। मगर रिटायरमेंट के बाद 2017 में उन्हें अल्पज्ञात सहकारिता निर्वाचन का कमिश्नर बनाया गया था। मगर अब जो कुर्सी मिली है, वह चीफ सिकरेट्री के समकक्ष है। उनसे पहले जितने भी लोग नीति आयोग के उपाध्यक्ष बने हैं, वे या तो चीफ सिकरेट्री रहे हैं या फिर एक्स चीफ सिकरेट्री। हालांकि, गणेश शंकर की नियुक्ति के बाद जिन लोगों ने विष्णुदेव साय के हाथों उनके पार्टी अध्यक्ष रहते बीजेपी ज्वाईन किया होगा, उनकी उम्मीदें बढ़ गई होंगी।

अच्छी खबर

छत्तीसगढ़ के लिए अच्छी खबर है, राज्य बनने के 25 साल बाद रायपुर मेडिकल कॉलेज में **DM** की पढ़ाई होगी। **NMC** ने अम्बेडकर हॉस्पिटल के एडवांस कार्डियक इंस्टिट्यूट को 2 सीट की हरी झंडी दे दी है। मध्यप्रदेश के भोपाल और इंदौर मेडिकल कॉलेज में **DM** की पढ़ाई होती है। मगर छत्तीसगढ़ में चना-मुर्रा की तरह कॉलेज खुलते गए मगर क्वालिटी एजुकेशन न होने से **NMC** ने **DM** कोर्स की मंजूरी नहीं दी। **ACI** के हेड डॉ. स्मृति श्रीवास्तव को इसका क्रेडिट जाना चाहिए, वे दो साल से लगातार इसके लिए प्रयासरत थे। **ACI** को स्थापित करने में उन्हीं का एफर्ट रहा है।

आखिरी बात हौले से

1835 में जन्मे अमेरिका के महान लेखक और हास्य कलाकार सैम्यूअल लैंघोर्न क्लेमेन्स उर्फ मार्क ट्वेन 150 साल पहले कहा था...राजनीति मात्र ऐसा पेशा है, जहां चोरी कर सकते हैं, झूठ बोल सकते हैं, धोखा दे सकते हैं, फिर भी सम्मानित हो सकते हैं।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव और पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष राजा पांडेय के बीच कितने दिनों से बात नहीं हुई है?
2. छत्तीसगढ़ में किन-किन मंत्रियों की मंत्रिमंडल से विदाई हो सकती है?

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

टेलीकॉलर

Requirment- Creditsea Finance Hiring Telecaller - Collection Associates (Hindi, English, Tamil, Telugu, Kannada, Malayalam). Salary 15,000–25,000; Male/Female; Complete Desk Job.3rd floor, Radhey Chambers, Pandri. Contact HR : 9109165137, 7999611198, 9131205196; Freshers, Experienced apply Immediately now. (RO-7243)

ऑफिस/बॉय

आवश्यकता है- हरिभूमि भिलाई कार्यालय में ऑफिस बॉय की आवश्यकता है योग्यता 8वीं/10वीं, वेतन योग्यतानुसार संपर्क करें:- उषा टावर के सामने राधा पैथोलॉजी के ऊपर प्रथम तल सुपेला भिलाई फोन नं.-0788-4091720, 9303508147 (आरो-4141)

पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- चायपत्ति के पैकिंग कार्य लड़की व महिला और पुरूष, लड़को की जरूरत है पता - जैन ट्रेडर्स नियर SBI ATM आकृति विहार अमलीडीह संपर्क करें मों.- 74699-80000, 0771-4075490. (आरो-6698)

लॉन्ड्री कार्य

आवश्यकता है- लॉन्ड्री शॉप के लिए कपड़े इस्त्री करने वाले व्यक्ति की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता दी जाएगी। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें: 9993003346. (आरो-6601)

पेट्रोल पम्पकर्मी

आवश्यकता है- पेट्रोल पंप में काम करने लड़कों की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार, बायोडाटा सहित संपर्क करें:- 9826111220. (आरो-403)

हरिभूमि क्लासीफाईड

फार्म/कंस्ट्रक्शन कार्य

आवश्यकता है- फार्म एवं कंस्ट्रक्शन कार्य हेतु महिला एवं पुरुष कर्मी की आवश्यकता है। विकलांग भी आवेदन कर सकते हैं। कृषि फार्म नया रायपुर एवं कंस्ट्रक्शन कार्य तेलीबांधा रायपुर में है दोनों जगह रहने की सुविधा है। संपर्क करें- 9826415569. (आरो-6695)

ड्राइवर

आवश्यकता है- ऑटोमेटिक कार चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। 35 साल से अधिक उम्र का होना अनिवार्य है। ड्यूटी टाईम प्रतिदिन सुबह 9 से रात 8:30 बजे तक, रविवार ड्यूटी टाईम सुबह 9 से शाम 6:00 बजे तक (सूचना :- जेसीबी, हाइड्रा, आदि जैसी गाड़ी चलाने वाले संपर्क ना करें) सैलरी 25,000/-प्रतिमाह। रहने, खाने-पीने, बाइक, पेट्रोल की व्यवस्था नहीं दी जाएगी। जो तत्काल जॉइन कर सके वही संपर्क करें, बेवजह कॉल ना करें। पता - सिविल लाईन्स, रायपुर, कॉल करने का समय सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संपर्क :- 9644720222. (आरो-26)

आवश्यकता है- माना बस्ती रायपुर स्थित पेट्रोल पम्प मे अशोक लिलैंड लाईट कमर्शियल व्हीकल (टैंकर) चलाने के लिए ड्राइवर और पेट्रोल पम्प के लिए स्टाफ की आवश्यकता है संपर्क करें 9329798983, 9755098983. (आरो-827)

दुकान कार्य/ड्राइवर

आवश्यकता है- इलेक्ट्रिकल एंड हार्डवेयर की दुकान में कार्य करने लड़के /लड़कियों एवं ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार गुरुनानक इलेक्ट्रिकल एंड हार्डवेयर गुरुद्वारा रोड श्याम नगर तेलीबांधा रायपुर 9893332145. (आरो-173)

आवश्यकता है- डिस्पोजल दुकान में काम करने हेतु मेहनती लड़को एवं ई-रिक्शा चालक की आवश्यकता हैं। सम्पर्क- रूबी प्लास्टिक, बंजारी मंदिर के सामने, बंजारी चौक, गोलबाजार, रायपुर, मो. 9977220005, 8827300000 (आरो-060)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

महिला कुक

आवश्यकता है- रायपुर में कुशल खाना बनाने वाली की आवश्यकता है। काम का समय सुबह 8 से 1 और शाम को 4 से 7 बजे तक। वेतन 8000/- महीना। सम्पर्क करें- 9300201654. (आरो-6671)

गोदाम कार्य/ड्राइवर

आवश्यकता है- सैनिटरी गोदाम में काम करने के लिए एक लड़के ओर एक ड्राइवर की जरूरत है पचपेड़ी नाका रायपुर संपर्क - 99777-77703. (आरो-171)

सुपरवाइजर

आवश्यकता है- प्लांट सुपरवाइजर (2 वर्ष का अनुभव) की आवश्यकता है। कविता पॉलीमर्स, यूनिट-2, उरकुरा रेल्वे स्टेशन रोड, भनपुरी, रायपुर मो नं. 9425202114. (आरो-0357)

ड्राइवर

आवश्यकता है- इंसुलेटेड कंटेनर परिवहन के लिए हमें वैध भारी वाहन लाइसेंस वाले कुशल और अनुभवी चालकों की लंबी दूरी तक वाहन चलाने की क्षमता, साफ ड्राइविंग रिकॉर्ड आकर्षक वेतन, शुरुआती 17,000/माह (अनुभव के आधार पर बातचीत योग्य), आवास और भोजन भत्ता ! संपर्क: 6265222373, 9754861172 (आरो-830)

रिकवरी मैनेजर

Requirment- NBFC hiring for mentioned positions for raipur location RECOVERY MANAGER, RECOVERY EXECUTIVE, Relevant work experience will be given preference. 0771-4905836, 9109821286, FF-45, SAMVET SHIKHAR, RAJBANDHA MAIDAN, RAIPUR (आरो-0368)

खाना मिस्त्री/हेल्पर

आवश्यकता है- फैक्ट्री कैन्टीन में खाना मिस्त्री, किचन हेल्पर, रोटी मिस्त्री, खाना देने के लिए एवं बर्तन धोने हेतु आदमियों की आवश्यकता है पता- बिलासपुर (छ.ग.) सम्पर्क करें- 9993334937, 8871824812 (आरो-40173)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- कपड़ा दुकान में काम करने के लिए मेहनती एवं व्यवहारिक लड़कों की आवश्यकता है। आकर्षक वेतन, संपर्क करें – पूजा साड़ी हाउस, महालक्ष्मी कपड़ा मार्केट, पंडरी, रायपुर। (आरो-512)

आवश्यकता है- किताब दुकान में कार्य हेतु परमानेंट पार्ट/ फूल टाइम युवक युवतियों, लड़कों (8वीं, 12वीं, स्नातक) की आवश्यकता है ।वेतन पांच अंको में योग्यतानुसार। जैन बुक डिपो, सदर बाजार, रायपुर। 8109535868. (RO-398)

ऑफिस इंचार्ज

आवश्यकता है- ऑफिस इंचार्ज (फिमेल) कंप्यूटर का दो साल का अनुभव आस्था हियरिंग सेंटर भिलाई मोबाइल नं 99263-24708 (आरो नं.-236)

देख-रेख/सफाई कर्मी

आवश्यकता है- सिविल लाइंस, रायपुर में 2 पालतू कुत्तों की देख रेख, घर की सफाई के लिए केवल महिला स्टाफ की जरूरत. मासिक वेतन 10,000 महीना, रहने और खाने की सुविधा है. संपर्क: 99934 42479. (आरो-061)

रसोइया कुक

आवश्यकता है- प्रशिक्षित /अनुभवी रसोइया उम्मीदवार के पास खाना पकाने का सिद्ध कौशल, बड़े पैमाने पर भोजन तैयार करने की क्षमता और स्वच्छता मानकों को बनाए रखने का ज्ञान होना चाहिए। एमएम हैचरीज़, रामपुर (करही बाज़ार के पास), बलोदाबाज़ार। संपर्क: 9754861172 / 9669410004. (आरो- 830)

दुकान कार्य/हमाल

आवश्यकता है- दुकान में काम करने हेतु स्टाफ एवं हम्माल की आवश्यकता है। सैलरी 10000-12000, हम्माल की सैलरी 15000। दुकान के काम के लिए ड्राइवर सहित ई-रिक्शा चाहिए। बजाज एंटरप्राइजेज, स्टेशन रोड। 8109799778, 9425843865. (RO-175)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

ब्रांच मैनेजर

Indus Shareshree Pvt Ltd
Urgent Hiring!
BRANCH MANAGERS/ RELATIONSHIP MANAGERS
Wanted for Raipur, Bilaspur, Korba branches!
Indus Shareshree Private Limited, leading Stock Broker (NSE/BSE), DP, RTA (NSDL/CDSL), Mutual Funds, IPOs, seeks young, energetic Branch Managers. Key Duties: Handle broking/depository ops, build client ties, boost branch profits.
Requirements: Graduate, 5+ yrs exp in broking/depository/MF/IPOs, compliance savvy, independent, client-focused, results-driven.
Attractive salary as per experience.
Apply with resume:
rs.kushwaha@indusinvest.com
neeraj.k@indusinvest.com.
Call: 011-47671217
9350109529

नर्स/टेक्नीशियन

आवश्यकता है- मेडिकल स्टोर्स के लिए अनुभवी लड़का, PRO, नर्स (GNM, ANM), OT Technician, TPA मैनेजर। कैलाश कान्ता हॉस्पिटल, जोरा रायपुर। 9300734153, 07712994153 मिलने का समय दोपहर 12:00 से 2:00 (RO-176)

आफिस स्टॉफ

आवश्यकता है- स्टाफ की आवश्यकता Milestone Healthcare Amlidih, Raipur Office Work के लिए Full Time Boys & Girls दोनों के लिए Salary Full Time (10 घंटे 6,500 / 7000 Milestone Healthcare, Madhav Empire, Near P1 GYM Amlidih 8749003625. (आरो-4084)

मार्केटिंग

आवश्यकता है- मसूढ़े, पायरिया, ओरल कैन्सर, टूटे जबड़ों के ईलाज हेतु संचालित क्लीनिक और हॉस्पिटल को एक मेडिकल मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव रायपुर के आसपास के क्षेत्रों में एवं घूमकर डॉक्टर्स/ हास्पिटलों में मिल सके बाइक अनिवार्य, मेडिकल मार्केटिंग अनुभवी को प्राथमिकता बायोडाटा 9300416538. पर भेजें। (आरो-40207)

इलेक्ट्रीशियन/मेकेनिक

आवश्यकता है- परमानेंट जॉब सभी इंजीनियर, वेल्डर कटर, फिटर, गार्ड, कम्प्यूटर ऑपरेटर, आफिस कार्य-10, ड्राइवर, चपरासी-20, स्टोर कीपर, हेल्फर, सुपरवाईजर, 5वीं- ग्रेजुएट वेतन 11000-30000 रहना फ्री, सम्पर्क- व्यापार विहार बिलासपुर 6232429364 (आरो-40095)

ऑफिस कार्य

शीघ्र आवश्यकता है- जो बाहर रहकर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के चाहिए।. आयु 18से 30 बर्ष वेतन 9000+ कमीशन+ बोनस के साथ 20000 रहना खाना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क करें-, 8085189675, 8962000161 (आरो-502)

एरिया मैनेजर

आवश्यकता है- एरिया सेल्स मैनेजर (FMCG) प्रतिष्ठित नमकीन/ फ्रायम्स निर्माता कम्पनी को ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखण्ड, बिहार, महाराष्ट्र टेरिटरी हेतु अनुभवी Area Sales Persons तुरन्त चाहिए। योग्यता- FMCG सेल्स अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन- इण्डस्ट्री में सबसे बेहतर। कार्यक्षेत्र- ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखण्ड, बिहार, महाराष्ट्र सम्पर्क- एस.के. प्रोडक्ट्स, सिरगिट्टी इंडस्ट्रियल एरिया, बिलासपुर 6262679797 ईमेल- skproductsbsp@gmail.com (आरो-40224)

Property प्रापर्टी

फ्लैट

फ्लैट बेचना है - द पार्क साइड कचना तीन 2 बी.एच.के, चार 3 बी.एच.के फ्लैट, एक 4 बी.एच.के डुप्लेक्स सभी वेल फर्निश्ड बेचना है संपर्क- अजय अग्रवाल 8965051000. (आरो-831)

प्लाट

प्लॉट बेचना है - रायपुरा वृंदावन कॉलोनी के पास आवासीय 800 वर्गफीट एवं 1000 वर्गफीट पूर्व पश्चिम दिशा का प्लाट बेचना हैं। सम्पर्क करें- पारस कंसट्रक्शन, मो. 9827192035, 9204936794. (आरो-057)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

ASTROLOGY ज्योतिष

ज्योतिष तांत्रिक विशेषज्ञ
पति-पत्नि में अनबन, प्रेम विवाह, राजयोग, धनयोग, विवाह योग, संतान योग, मंत्रीयोग, राजपत्रित पद व्यापार संबंधित प्रश्न, यात्रा ट्रांसफर एवं अन्य ज्योतिष प्रश्नोत्तर, 9 ग्रह, 27 नक्षत्र 64 योगिनी, वास्तु शास्त्र तथा अन्य प्रश्नोत्तर ज्योतिष द्वारा प्राप्त करें तंत्र द्वारा वशीकरण, विवाह किसी भी परेशानी से तत्काल लाभ प्राप्त करें।
चुनाव विजय हेतु संपर्क करें।
तांत्रिक सम्राट डॉ. जे.पी. दुबे
तंत्र पी.एच.डी. (गोल्ड मेडलिस्ट)
गली नंबर-3, शुभकामना हॉस्पिटल के पास, दुबे कॉलोनी मोवा रायपुर
96302-33918, 9238384295
नोट: भूत, भविष्य, वर्तमान की जानकारी प्राप्त करें।
स्वामी जी प्रत्येक दिन रायपुर में मिलेंगे।
आने से पूर्व एपाइंटमेंट अवश्य लें।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

वैवाहिकी

वर चाहिए

वर चाहिए
जीवन साथी चाहिए जिस किसी व्यक्ति को रिश्ता करना हो सम्पर्क करें
7566281535

वर/वधु चाहिए

वर/वधु चाहिए- (अन्य कलाम) 28 वर्षीय वधु के लिए वर तथा दो 32 वर्षीय वर के लिए वधू तथा 65 वर्षीय वर के लिए वधू चाहिए जाति बंधन नहीं संपर्क- 7400556967, 7400556967 (10411)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare

गुप्त रोगी स्वयं मिले
शादी से घबराहट गुप्त रोग
शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
लिंग में टेढ़ापन
वीर्य में शुक्राणु की कमी
बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
पेशाब में धातु जाना
शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाउस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि
समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

यौन रोग व यौन कमजोरी
प्रायः सदियों से लोग जानते हैं कि जब कोई रोग किसी भी उपाय से ठीक नही होता वो केवल आयुर्वेद के द्वारा ही जड़मूल से ठीक होता है लेकिन कुछ लोगों के मति मारे जाने के कारण अपने को संकट में डाल लेते हैं।
क्या आपको किसी प्रकार के वायरस (बैक्टिरिया) संक्रमण रोग है जैसे हर्पिस रोग, स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी छाले, चमड़ी का फटना, खुजली, लाल होना, पेशाब में जलन या पीप आना, मुंह में छाले, पेट के दाहिने तरफ दर्द हो तो यह हर्पिस रोग हेपेटाइटिस (ABC), सिफलिस, गौनोरिया (सुजाक) रुबेला या एच.आई.वी. (HIV, AIDS) रोग हो सकता है। ये लक्षण इसके प्रारंभिक संकेत हैं। तुरंत खून की जाँच करायें। यदि खून का रिपोर्ट ठीक भी है और आप रोग से परेशान है तो भी इसका स्थायी जड़ से ईलाज केवल आयुर्वेद के रस-रसायन में ही संभव है अन्य कोई उपाय नहीं है इसी को इम्यूनोथैरिपी कहा जाता है। ये गुप्त रोगों के नीम हकीमों से बचकर रहें तो इनकी झूठी बातें एवं निराशा से बच सकते हैं।
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
डॉ. वी.के. अग्रवाल
बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
94255-55659, 93039-48500
96177-89223, 93032-42200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

जैकेट के शेष

दूल्हा-दुल्हन तैयार, पर .....

यहीं कहा कि ब्लैक में मिलना भी नामुमकिन है क्योंकि कामर्शियल गैस सिलेंडरों का स्टॉक ही खत्म हो गया है, जो कुछ बचे हैं वह सिर्फ इमरजेंसी सेवा एवं सरकारी कार्यालयों के लिए बचे हैं। हालांकि इस पड़ताल में एजेंसियों में घरेलू गैस सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक होने की जानकारी मिली। ज्यादातर एजेंसियों में बुकिंग के अनुसार ही सिलेंडर दिए जा रहे हैं, लेकिन कुछ एजेंसियों में कुछेक कर्मचारी दोगुना कीमत पर सिलेंडर ब्लैक में देने के लिए भी हामी भरी, लेकिन इसके लिए भी एक से दो दिन का समय उनके द्वारा मांगा गया।

हरिभूमि के रिपोर्टर लक्ष्मण लेखवानी, गिरिश केशरवानी, विकास शर्मा, प्रदीप शर्मा, ललित राठौर, लवकुश शुक्ला शहर के अलग-अलग इलाकों में विभिन्न कंपनियों के गैस एजेंसियों के दफ्तर और गोदाम पहुंचकर घरेलू और कामर्शियल गैस सिलेंडरों के स्टॉक से लेकर ब्लैक में लेने के लिए एजेंसी में कार्यरत कर्मचारियों से बातचीत की। इस बातचीत में कर्मचारियों ने रिपोर्टर को ग्राहक समझकर स्टॉक से लेकर ब्लैक में सिलेंडर मिलेगा या नहीं। मिलेगा तो किस कीमत पर मिलेगा। इसकी उनके द्वारा जानकारी दी गई।

कैटरिंग के काम या तो मंद या बंद : कामर्शियल गैस सिलेंडरों का स्टॉक खत्म होने का असर होटल, रेस्टोरेंट के अलावा कैटरिंग का काम करने वालों पर भी पड़ा है। शादी-ब्याह, जन्मदिन, छट्ठी सहित अन्य समारोह में कैटरिंग का आर्डर लेने वाले संचालकों ने अब या तो ऑर्डर लेना बंद कर दिया है या फिर अपना काम ही बंद कर दिया है।

कैटरर अतुल कक्कड़ ने बताया कि गैस सिलेंडर नहीं मिलने से उसने बुकिंग लेना बंद कर दिया। शादी और जन्मदिन पार्टी के लिए 5 ऑर्डर आए थे, उसे भी कैंसिल करना पड़ा। कैटरर अरूण नायक ने बताया कि शादी का एक ऑर्डर आया है, लेकिन गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है, इसलिए अब वह लकड़ी से से खाना बनाने पर विचार कर रहा हैं। कैटरर दिलीप यदू ने बताया कि जब से सिलेंडर मिलना बंद हो गया है, उसने कैटरिंग का काम ही बंद कर दिया है।

लकड़ी, कोयला की इतनी कीमत : वन विभाग में सरकारी दर पर जलाऊ लकड़ी चट्टा की कीमत साढ़े तीन हजार रुपए है। एक चट्टा में चार क्विंटल के करीब लकड़ी होती है। खुले बाजार में जलाऊ लकड़ी की कीमत डेढ़ से दो हजार रुपए क्विंटल है। वन विभाग के निस्तार डिपो से लकड़ी टॉल के साथ रोलिंग मिल मालिकों को इमारती के साथ जलाऊ लकड़ी बेचे जाने का प्रावधान है। वहां कारोबारी नीलामी के माध्यम से लकड़ी खरीदते हैं। कोयला बाजार में 50 रुफए किलो के करीब बिक रहा है।

दूसरे जिलों की हालत....

हुआ है। महासमुंद में सांई श्याम एजेंसी, गौरव गैस एजेंसी। बीजापुर में आदिम जाति गैस एजेंसी, विजय लक्ष्मी गैस एजेंसी, गो गैस एजेंसी, मद्देड़ गैस एजेंसी, शिव शक्ति ग्रामीण एजेंसी। बस्तर जिला में इंडियन गैस एजेंसी कुम्हारपारा, इंडियन गैस एजेंसी प्रतापदेव वार्ड, साईं गैस एजेंसी, भारत गैस एजेंसी, गो गैस एजेंसी। कहीं पर भी कमर्शियल सिलेंडर नहीं मिला। सभी जगह कहा गया कि या तो लकड़ी का इंतजाम करें या डेट आगे बढ़ा दें।

हरिभूमि और आईएनएच का ....

अध्यक्ष रोहित शुक्ला, युवक कांग्रेस के प्रदेश महासचिव लक्ष्मीकांत भास्कर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य जन शामिल होंगे। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर जिले के विकास में कारगर हो रही योजनाएं और विकास कार्यों, व समस्याओं पर विस्तार से मंथन होगा।

पेज एक के शेष

जानिए...आम की खास ...

आंध्रप्रदेश के आम अपने राज्य छत्तीसगढ़ के साथ पूरे देश में बिकने लगेंगे। कृषि वैज्ञानिकों के मुताबिक इस बार पूरे देश में आम की बफर फसल की संभावना है। ऐसे में इसके दाम भी कम रहेंगे। आम की खेती और उत्पादन के मामले में उप्र देश में पहले नंबर पर है। इसके बाद आंध्रप्रदेश और फिर बिहार का नंबर आता है। छत्तीसगढ़ टॉप टेन में भी नहीं है। यहां पर आम का उत्पादन बहुत कम होता है। उत्तर प्रदेश और आंध्रप्रदेश के आम की डिमांड देशभर में रहती है। सबसे ज्यादा बिकने वाला बैगनपल्ली, तोतापुरी और नीलम आम आंध्र प्रदेश से ही आता है। इसी के साथ उत्तर प्रदेश का दशहरी आम हर राज्य में पसंद किया जाता है।

अमेरिका ने खर्ग द्वीप पर ...

तेल निर्यात का मुख्य टर्मिनल है। ईरान ने कहा था कि यदि ऐसा हमला किया गया तो उसकी ओर से और भी बड़े स्तर की जवाबी कार्रवाई की जाएगी। इस बीच, एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि ईरान के साथ युद्ध के लगभग दो सप्ताह बाद पश्चिम एशिया में 2,500 और मरीन एवं एक युद्धपोत भेजा जा रहा है। ईरान इजराइल और पड़ोसी खाड़ी देशों को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन हमले जारी रखे हुए है। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को प्रभावी रूप से बंद कर दिया है जिससे दुनिया के तेल व्यापार का पांचवां हिस्सा गुजरता है। वहीं, अमेरिकी और इजराइली युद्धक विमान समूचे ईरान में सैन्य और अन्य लक्ष्यों पर बमबारी कर रहे हैं। इस बीच लेबनान में मानवीय संकट और गहरा हो गया है।

सोशल मीडिया पोस्ट, तिहाड़..

पुलिस ने गिरफ्तार करते हुए रातों रात दिल्ली लाकर शनिवार को पटियाला हाउस कोर्ट दिल्ली में पेश किया। जहां न्यायालय ने उन्हें तिहाड़ जेल भेजने का आदेश दिया। उन पर बीएनएस की धारा 336 (4), 356 और 353 (1) के तहत आईटी एक्ट का मामला बनाकर अपराध दर्ज किया गया है।

अभिव्यक्ति की आजादी खत्म हो चुकी है- हरितवाल : पीसीसी महामंत्री सुबोध हरितवाल ने कहा, विनोद तिवारी ने अपनी अभिव्यक्ति की आजादी का इस्तेमाल करते हुए विश्व भर में मोदी और एपस्टिन के कारण हो रही देश की बदनामी पर एक सोशल मीडिया पोस्ट कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि एपस्टिन फाइल्स में नाम आने मात्र से देश की छवि पूरे विश्व में धूमिल हुई है, जिसका कारण सिर्फ नरेंद्र मोदी और हरदीप पुरी हैं।

बीजेपी सरकार में नैतिकता नहीं बची- उपाध्याय : पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कहा, सत्ता के नशे में बीजेपी सरकार में नैतिकता नाम की चीज भी नहीं बची है। सरकार में इसीलिए विवाद तिवारी को पिण्ड दान जैसे कार्यक्रम से उठा कर जेल भेजने से यह साबित हो गया है कि बीजेपी सरकार किसी भी हद तक जा सकती है।

कांग्रेस वैचारिक रूप से दीवालिया-उज्ज्वल : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता उज्ज्वल दीपक ने कहा कि यह गिरफ्तारी साबित करती है कि कांग्रेस पार्टी वैचारिक रूप से दीवालिया हो चुकी है और अब केवल 'हेट स्पीच' के सहारे अपनी राजनीतिक जमीन बचाने की कोशिश कर रही है।

पहली बार 108 ..

जा रहा है जो पीडियाट्रिक यानी शिशु रोग की आपात सुविधाओं से लैस होगी। इनकी तैनाती जरूरत और इमरजेंसी को ध्यान में रखते हुए की जाएगी। साथ होने वाली लगातार घटनाओं को ध्यान में रखते हुए एडवांस लाइफ सपोर्ट सिस्टम वाले एंबुलेंस की संख्या में 60 से बढ़ाकर 70 की जाएगी। एएलएस सिस्टम वाली एंबुलेंस में ऑक्सीजन सहित अन्य तरह के लाइफ सपोर्ट सिस्टम लगे होते हैं। इन एएलएस सिस्टम वाले एंबुलेंस की आवश्यकता होने वाले सार्वजनिक कार्यक्रमों के साथ व्हीआईपी कार्यक्रम के दौरान भी पड़ती है।

इसके अलावा अनुबंधित कंपनी को एंबुलेंस में कॉल ट्रेकर सिस्टम लगाने पर जोर दिया गया है। इसके माध्यम से मदद मांगने वाले का लोकेशन ट्रेस होगा और एंबुलेंस सही समय पर जरूरतमंद तक पहुंच सकेगी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
विविध सुधार कार्य हेतु निविदा सूचना

कम सं (1): ई–निविदा संख्याः डीआरएम–इंजी. बीएसपी–टी–05–26–27, दिनांक 11.03.2026 कार्यः सहायक मंडल अभियंता/मध्य/बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत अकलतरा कॉलोनी में स्लोप रूफ, फॉल्स सीलिंग, सैनिटरी फिटिंग, टॉयलेट, पुट्टी, दरवाजे और खिड़कियां, किचन का फर्श, रेनवाटर हार्वेस्टिंग, चेन लिंक फेंसिंग, एप्रोच पाथवे आदि का सुधार। निविदा मूल्यः ₹ 4,81,74,173.76/-। अमानत राशिः ₹ 3,90,900.00/-। कार्य पूर्णता की अवधिः 12 माह। निविदा जमा की आरंभ तिथिः दिनांक 24–03–2026 के 11.00 बजे से। निविदा जमा की अंतिम तिथिः दिनांक 07–04–2026 के 11.00 बजे तक। उपरोक्त ई–निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओ हेतु ई–टेन्डर के अलावा अन्य टेन्डर स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)
सीपीआर/10/751 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

पूर्व तट रेलवे
सूचना सं. eT-West-WAT-06-2026
दिनांक: 10.03.2026

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के KK-II लाइन में सीनियर सेक्शन इंजीनियर (P.WAY)/जयपुर के अधिकार क्षेत्र के अधीन SL, UP एवं DN लाइन पर 3.954 कि.मी. लंबाई के लिए नए वाइड बेस्ड PSC स्लीपर द्वारा मौजूदा PSC स्लीपर का थ्रू स्लीपर नवीकरण (प्राथमिक)।

विज्ञापित मूल्य : ₹ 1,41,69,060.01, EMD : ₹ 2,20,900/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 06 महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 02.04.2026 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।
उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

वरिष्ठ मंडल अभिंता (पश्चिम), वाल्टियर
PR-1221/Q/25-26

न्यायालय तहसीलदार, दंतेवाड़ा
जिला-दक्षिण बस्तर, दंतेवाड़ा (छ.ग.)

राजपत्र क्रमांक / 202602160100001 / अ-20 (6) / 2025-26 ग्राम – दंतेवाड़ा

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दंतेवाड़ा जिले में "मां दंतेश्वरी मंदिर" के समीप पर्यटक सुविधा एवं पर्यटक गतिविधियों के विकास हेतु ग्राम दंतेवाड़ा, प.ह.नं. 03 में स्थित नजूल भूमि खसरा नंबर 152, 155, 156, 157 रकबा क्रमशः 0.2580 हे., 1.2940 हे., 0.3320 हे., 0.2280 हे. कुल खसरा 04 कुल रकबा 2.112 हे. को छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग छ.ग. शासन के नाम पर आबंटित किया जाना है। अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था / फर्म को कोई दावा आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 18/03/2026 तक अपना दावा आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिकर्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 25/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं इस न्यायालय के पदमुद्रा सहित जारी किया गया।

S-47188/2

तहसीलदार दंतेवाड़ा
न्यायालय तहसीलदार दंतेवाड़ा
जिला दंतेवाड़ा (छ.ग.)

HMS घमंडी - दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों ओर सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्फोटी आदि पर, कुर्रे पर, बिवाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।

गैस-आउट सिरप
गैस, अरुचि, कब्ज़, अफरा, अपचन में तुरंत असरकारक नैचुरल आयुर्वेदिक है
सुगर के मरीज भी ले सकते हैं...
HMS देशकर खरीदें
एक बार उपयोग कर देखें
94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल — डॉ राका शिवहरे, MBBS, MD FNIC FIPA — भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

अहलूवालिया हॉस्पिटल — 8103128515, 0771-4050006
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर

Skin Care — डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल — चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: • लेजर हेयर रिमूवल • हाइड्रोफेशियल • कार्बन फेशियल • केमिकल पीलिंग • रेडियोफ्रिक्वेंसी • एलर्जी टेस्ट — रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक — दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं स्पेशलिस्ट: पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी, खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर — डॉ. सूरज कुमार चौधरी, MD (Physician, Pathology) — डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी, MBBS, MS (OBG) FRM, स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट
• पुरुष और महिला बांझपन परीक्षण • आईयूआई, आईवीएफ, पीसीओएस, सोनोग्राफी, • सभी पैथोलॉजी परीक्षण • गर्भावस्था में गर्भ एवं शिशु की सोनोग्राफी (टीवीएस, डॉप्लर 3डी, 4डी)
C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

डायबिटिक क्लीनिक — Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre — Diabetic Clinic
डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिज, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
Appointments No. 7724035770, 9329004557, 9303724304
17, गुरुकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय- सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल — सेन्ट्रल एवेन्यु चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001:2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

Vrinda — वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
छाती, एलर्जी एवं सांस से जुड़ी सभी बीमारियों का आधुनिक एवं विशेषज्ञ उपचार एक ही स्थान पर
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल 24 घंटे आपात चिकित्सा
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियलिटी सेन्टर)
उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडिसीन • ऑर्थोपेडिक • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हर्निया, अपेंडिक्स, पित्त की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001) फोन: +91-0771-4088107/108, इमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. राजन अग्रवाल - 9329101037

निवेद चेस्ट & आई केयर — डॉ. देवी ज्योति दास, M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist) — डॉ. नमित नंदे, MS Ophthalmology
उपलब्ध सुविधाएं: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धूम्रपान नियंत्रण, स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधाएं: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनोपैथी और मेडिकल रेटिना
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888, 7697752001

अष्टविनायक हॉस्पिटल — बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221, 9301744425

सिंघानिया स्किन केयर — Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झाईं, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
36, प्रथम तल, गुरुकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 राजी गली मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीभाटा, राजातालाब, रायपुर
Email-bsinghania111@yahoo.co.in
मो. 94252-14479, 0771-4020411, www.makeoverraipur.com त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

डॉ. मनोज अग्रवाल — एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट) — स्किन क्लिनिक
सेवाएं: • मुहांसे • सोरायसिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलिगो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • इलेक्ट्रोलिसिस • अर्टिकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

मोतियाबिंद — आयुष्मान कार्ड सुविधा — SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

VASCULAR clinic — वैरिकोज वेन्स & वैस्कुलर क्लिनिक
डॉ. प्रशांत पोटे, MD DNB FVIR, Interventional Radiologist
• वैरिकोज वेन्स • पैर का अल्सर • डीवीटी • फाइब्रॉइड • थायरॉइड/गॉइटर
पता- 309, लालगंगा बिजनेस पार्क, पचपेड़ी नाका, रायपुर, मोबाईल : 7400628099

पाइल्स — क्षारकर्म (लेप विधि) विशेषज्ञ (ना कोई सुई, ना भर्ती 2 घंटे के बाद डिस्चार्ज)
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर — 25 वर्षों का अनुभव — 13000 से ऊपर सफल चिकित्सा
फाफाडीह / पंडरी, रायपुर, मो. 9039050422

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

ईरान-इजराइल युद्ध के बीच संकट में भारतीय नाविक

नई दिल्ली। ईरान-इजराइल और अमेरिका के बीच जारी भीषण संघर्ष के 14वें दिन समुद्र में फंसे भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर संकट खड़ा हो गया है। इस संबंध में फॉरवर्ड सीमेन्स यूनियन ऑफ इंडिया (एफएसयूआई) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर ईरानी बंदरगाहों पर फंसे भारतीय नाविकों की जान बचाने के लिए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। यूनियन ने चेतावनी दी है कि संघर्ष के चलते जहाजों पर ईंधन, पीने के पानी और भोजन की भारी किल्लत हो गई है और आने वाले दिनों में वहां ब्लैकआउट जैसी स्थिति पैदा हो सकती है। यूनियन के महासचिव मनोज यादव ने बताया कि सरकार के पास जो 778 नाविकों का आंकड़ा है, वह सिर्फ आधिकारिक तौर पर पंजीकृत लोगों का है। असलियत इससे कहीं ज्यादा भयावह है। उन्होंने कहा कि हजारों की संख्या में भारतीय नाविक समुद्र में अलग-अलग विदेशी और ईरानी जहाजों पर फंसे हुए हैं, जिनका कोई भी सरकारी रिकॉर्ड मौजूद नहीं है। इस विसंगति का मुख्य कारण बताते हुए मनोज यादव ने कहा कि इन नाविकों का चयन अवैध रूप से हुआ है, जिसकी वजह से ये सरकारी आंकड़ों में शामिल नहीं हो पाए। संकट की इस घड़ी में अब इन नाविकों की पहचान करना एक बड़ी चुनौती बन गई है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
द.पू. मध्य रेलवे का स्क्रैप ई-नीलामी कार्यक्रम
माह मार्च -2026 में होने वाले स्क्रैप ई-नीलामी का अतिरिक्त दिनांक

BSP / Division	Raipur / Division	Nagpur / Division
30.03.2026	30.03.2026	30.03.2026

उप सामग्री सामग्री प्रबंधक-II
सीपीआर/10/AM/754 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

पूर्व तट रेलवे
ई-निविदा सूचना सं. DYCEGSUWATENGG 2026009, दिनांक : 02.03.2026

कार्य का नाम : पूर्व तट रेलवे के वाल्टियर मण्डल के दडुंगोपालपुरम - कोटबोमाली स्टेशन के बीच KM 708/3-5 में मौजूदा मानव युक्त LC-396 के स्थान पर RE दीवार सहित ब्रिज अप्रेच सहित 1x42 M कम्पोजिट गर्डर + 2x18 M कम्पोजिट गर्डर + 8x24.0 M RCC टी-बीम के साथ ROB का निर्माण एवं अलग-अलग ROB के लिए जियो-टेक्निकल स्टडिज, GAD प्लान का तैयारी (Preparation), भूमि अधिग्रहण (land acquisition) प्रस्ताव का तैयारी।

कार्य की अनुमानित लागत: ₹ 55,31,11,053.58, EMD : ₹ 29,15,600/-, कार्य पूरा होने की अवधि: 24 (चौबीस) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 02.04.2026 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।
उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।

निविदाकारों को उनके लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ना चाहिए एवं सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।

उप मुख्य अभियन्ता (GSU)/ वाल्टियर
PR-301/CI/25-26

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय
NATIONAL SCHOOL OF DRAMA — Ministry of Culture, Government of India
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संस्थान)
बहावलपुर हाउस, भगवानदास रोड, नई दिल्ली-110001
प्रवेश सूचना - 2026

संयुक्त प्रवेश परीक्षा

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।

* तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम (2026-2029), नई दिल्ली
* एक वर्षीय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (2026-2027) निम्नलिखित में:
  * गंगटोक, सिक्किम में नाट्य कला
  * अगरतला, त्रिपुरा में शिक्षा में रंगमंच
  * बेंगलुरु, कर्नाटक में अभिनय
  * वाराणसी, उत्तर प्रदेश में भारतीय शास्त्रीय रंगमंच

प्रवेश प्रक्रिया, आवेदन पत्र एवं विवरणिका के लिए कृपया राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की वेबसाईट पर सम्पर्क करें।

http://www.nsd.gov.in
अथवा
http://www.onlineadmission.nsd.gov.in

निदेशक
राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय
cbc- 09130/12/0018/2526

शब्द पहेली - 6165

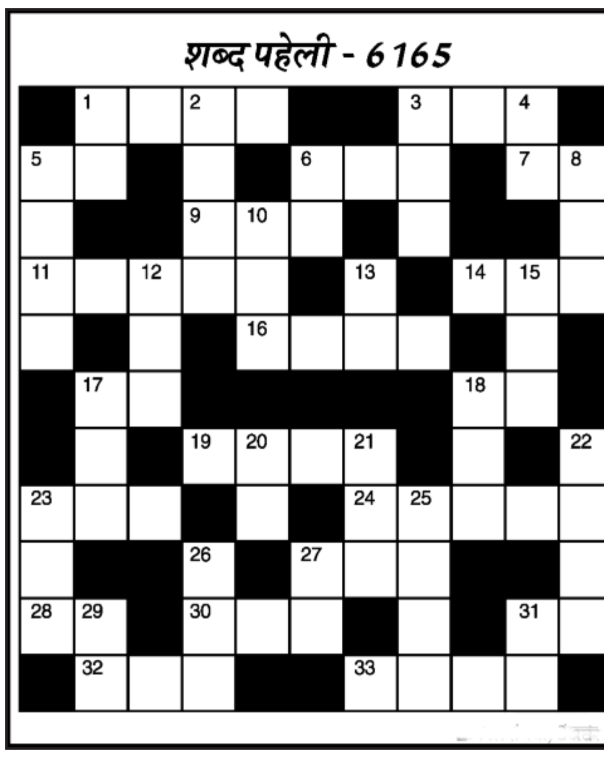

बाएँ से दाएँ
1.महीन व कीमती कपड़ा-4
3.गिरवी रखी वस्तु-3
5.चहा,पेय पदार्थ-2
6.ऐयार,गुप्तचर-3
7.संध्या,सांझ-2
9.रसद,किराणा सामग्री-3
11.करामात,करतब-5
14.विक्रय स्थल-3
16.कलाकार-4
17.चाहत,लगन-2
18.सद्,अच्छा-2
19.लंबा कोट-4
23.पानी की बूंद-3
24.कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
27.लोभ,लालसा-3
28.दौड़ना(अंग्रेजी-2)
30.रेखा,लाइन-3
31.अकुवा,आकड़ा-2
32.अव्यवस्थित भीड़-3
33.अचानक,सहसा-4

ऊपर से नीचे
1.शराब-2
2.सम्राट,शहंशाह-4
3.सांभर जैसा खाद्य-3
4.सरुर, मद-2
5.चापलूस-4
6.प्राण, जीवन तत्व-2
8.चिंतन-3
10.भद्र, कुलीन-3
12.अपराध-3
13.पिता का भाई-2
15.यात्री दल-3
17.प्रेम लगन-3
18.भ्रमर,जलावर्त-3
20.चमड़ी,त्वचा-2
21.अनुकृति-3
22.आर्द्रक-4
23.कटि,मध्यांग-3
25.हठ करना, जिद करना,रोना-4
26.साजन,सनम-3
27.थूक,लेस-2
29.भीगा हुआ-2
31.उम्मीद,आशा-2

शब्द पहेली- 6164 का हल

सूडोकू नवताल - 6175

कठिन

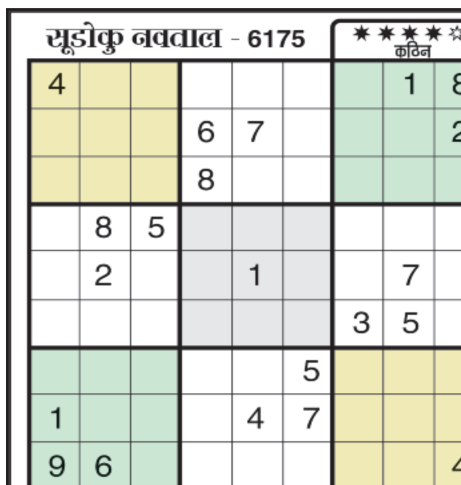

सूडोकू नवताल - 6174 का हल

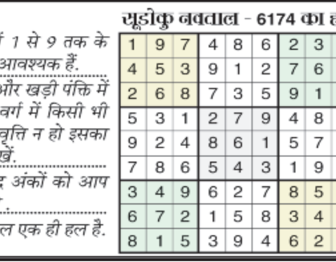

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

विशेषः विश्व खुशी दिवस, 20 मार्च

कभी दूर ना हो मन-जीवन से खुशी

आज के दौर में लोगों के पास सुख-सुविधाओं की कमी नहीं है, आर्थिक विकास भी हो रहा है, लेकिन फिर भी वास्तविक खुशी बहुत कम ही लोग महसूस कर पाते हैं। खुशी कोई चीज नहीं है, जिसे पैसा, सुख, सुविधाओं से पाया जा सकता है। खुशी तो जीवनशैली है। इसे महसूस करने के लिए अपनी सोच और जीने के अंदाज में बदलाव करना होगा।

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

वर्तमान में इंसान जितनी सुख-सुविधाओं के संग जी रहा है, अब के पहले किसी भी दौर में इसकी कल्पना तक नहीं की गई थी। लेकिन हैरानी की बात यह है कि इंसान फिर भी खुश नहीं है। साल 2012 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भी इस बात पर गहराई से सोचा और खुशी की भूटान द्वारा तय की गई अवधारणा को न केवल वास्तविक खुशी के रूप में मान्यता दी बल्कि दुनिया भर को इस तरह की खुशी हासिल करने की दिशा में प्रेरित करने के लिए 20 मार्च को अंतरराष्ट्रीय खुशी दिवस मनाए जाने की घोषणा भी की।

भूटान ने बताया जीएनएच का महत्व

संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व खुशी दिवस मनाने के संबंध में निर्णय लेते हुए यह माना कि आर्थिक विकास के साथ-साथ लोगों की खुशी और कल्याण की वैश्विक नीतियों का लक्ष्य ही वास्तविक खुशी होती है। इसकी बुनियाद में भूटान की जो खुशी संबंधी अवधारणा थी, वह खुशी को सकल घरेलू उत्पाद के रूप में मान्यता देने की थी। भूटान ने वास्तव में जीडीपी की जगह जीएनएच यानी 'ग्रॉस नेशन हैप्पीनेस' की अवधारणा प्रस्तुत की थी। संयुक्त राष्ट्र ने इसे विश्व स्तर पर स्वीकार्य बनाने के लिए ही 20 मार्च को वैश्विक खुशी के दिन के रूप में मान्यता दी और तब से हर साल यह दिन मनाया जाता है।

ऐसे बनती है हैप्पीनेस रिपोर्ट

विश्व खुशी दिवस के मौके पर हर साल वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट जारी की जाती है, जिसमें दुनिया के अलग-अलग देशों के लोगों की कुछ निश्चित पैमानों के मुताबिक उनकी खुशी का आकलन किया जाता है। इस पैमाने के तहत खुशी के लिए जो मानक तय किए जाते हैं, उसमें किसी व्यक्ति के लिए मौजूद सामाजिक समर्थन, उसकी आय और उसका जीवन स्तर, स्वास्थ्य और जीवन प्रत्याशा, व्यक्तिगत आजादी, उस देश और समाज में भ्रष्टाचार का स्तर, वहां के लोगों के बीच आपसी विश्वास और जीवन संबंधी उदारता को पैमाना बनाया जाता है। इस रिपोर्ट के अनुसार पिछले कई सालों से दुनिया के सबसे खुश देशों में फिनलैंड, डेनमार्क, आइसलैंड और स्वीडन जैसे देश लगातार शीर्ष पर बने हुए हैं, क्योंकि इन देशों में बेहतर सामाजिक सुरक्षा, संतुलित जीवनशैली और सामुदायिक विश्वास को खुशहाली का मुख्य कारण माना जाता है। दुर्भाग्य से हमारे अपने देश की स्थिति इस रिपोर्ट में अपेक्षाकृत काफी नीचे रही है। इससे स्पष्ट होता है कि वास्तव में खुशी पाने के लिए आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक और मानसिक संतुलन पर भी ध्यान देना जरूरी है।

खुशी दिवस मनाने का उद्देश्य

विश्व खुशी दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव भर नहीं है। यह आधुनिक जीवन की कई गंभीर समस्याओं की ओर ध्यान दिलाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनिया में आज करोड़ों लोग तनाव, अवसाद और चिंता जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। आधुनिक जीवन में प्रतिस्पर्धा, नौकरी के दबाव, आर्थिक चिंताएं और सामाजिक अपेक्षाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ऐसे माहौल में खुशी और मानसिक संतुलन को प्राथमिकता देना बेहद जरूरी हो गया है। चूंकि आज सफलता को लोग पद, पैसा और प्रतिष्ठा से जोड़ते हैं। ऐसे में विश्व खुशी दिवस हमें याद दिलाता है कि जीवन की यह वास्तविक सफलता, मानसिक संतोष और रिश्तों की गर्माहट में ही होती है।

असंतोष से दूर हो रही खुशी

देखने में आता है कि सोशल मीडिया की वजह से पहले की तुलना में लोग आपस में कहीं ज्यादा जुड़े रहते हैं। लेकिन हकीकत यह है कि लोगों के बीच से सामाजिक संबंध आज बेहद कमजोर हो गए हैं। अकेलापन आज कई देशों में एक बड़ी सामाजिक समस्या बन चुका है। ऐसे में यह खुशी दिवस हमें परिवार, मित्रों और समाज के साथ वास्तविक जुड़ाव की अहमियत बताता है। किसी देश-समाज में चाहे जितना भी आर्थिक विकास हो गया हो, लेकिन अगर वहां लगातार तनाव रहता है, लोग अनेक किस्म के असंतोषों के साथ जी रहे होते हैं, तो वह विकास अधूरा ही कहलाएगा। इसलिए आज कई अर्थशास्त्री तथा नीति-निर्माता जीवन की गुणवत्ता को विकास का महत्वपूर्ण मापदंड मानते हैं। यही वजह है कि आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में लोगों के पास जीवन जीने के साधन चाहे जितने बढ़ गए हों, लेकिन वह खुशी के मामले में अतीत से काफी पिछड़े हुए हैं।

प्रकृति से दूरी ने कम की खुशी

यकीनन, मोबाइल फोन ने हमारे रोजमर्रा के जीवन के काम-काज को तो आसान बनाया है, लेकिन इसकी वजह से लगातार हम जितने ज्यादा लोगों के संपर्क में रहते हैं, हमारे असंतुष्ट और तनावग्रस्त होने की उतनी ही अधिक आशंका मौजूद रहती है। आज दुनिया के 97 फीसदी से ज्यादा लोग किसी न किसी वजह से अपने आपको इतिहास के किसी भी दूसरे समय के मुकाबले कहीं ज्यादा व्यस्त पा रहे हैं। यही कारण है कि आज दुनिया में आधे से ज्यादा लोगों का प्रकृति के साथ पहले जो सीधा रिश्ता हुआ करता था, वह रिश्ता पूरी तरह से खत्म हो गया है। जिन लोगों का थोड़ा बहुत रिश्ता बचा भी है, वह बेहद औपचारिक तथा लेन-देन का हो गया है। प्रतिस्पर्धा की लगातार बढ़ती आदत हमें प्राकृतिक रूप से खुश नहीं रहने देती है। ऐसे में इस खुशी दिवस के मौके पर हर किसी को यह अपने मन में गांठ बांध लेनी चाहिए कि जीवन की असली सफलता और उपलब्धियां कहीं पहुंच जाना भर नहीं है बल्कि कहीं पहुंचकर भी खुश और संतुलित जीवन बिताना ही सही मायनों में जिंदगी की समग्र खुशी है। *

हमारे भीतर होते हैं खुशी के रसायन

आधुनिक मनोविज्ञान काफी पहले यह साबित कर चुका है कि खुशी को केवल भावनात्मक अनुभव ही नहीं बल्कि मानसिक और जैविक प्रक्रिया भी समझा जाता है। जब हम खुश होते हैं तो वैज्ञानिकों के मुताबिक हमारे शरीर में से कई महत्वपूर्ण रसायनों का स्राव होता है, जैसे डोपामाइन जो हमें प्रेरणा और आनंद की स्थिति में ले जाता है। सेरोटोनिन, जो मन को स्थिर और संतुलित बनाए रखता है। इसी क्रम में ऑक्सीटोसिन एक ऐसा रासायनिक स्राव है, जो हममें सामाजिक संबंधों और विश्वास से जुड़े हार्मोन पैदा करता है, जिससे कि हम खुश रहते हैं और एक-दूसरे के प्रति लगाव महसूस करते हैं। इसी तरह एंडोर्फिन भी इसी क्रम का एक हार्मोन है, जो खुश रहने पर हमारे शरीर में पैदा होता है और जिससे हम अपने दर्द को कम करने व खुशी को बढ़ाने में कामयाब होते हैं।

जीवनशैली
शिखर चंद जैन

वैसे तो खुशी पाने के लिए अपने स्तर पर आप हर संभव प्रयास करते ही होंगे। लेकिन यहां हम कुछ ऐसे छोटे-छोटे आसान और नायाब तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आपको जिंदगी में भरपूर खुशी हासिल होगी।

आपको खुशियों से भर देंगे ये आसान-नायाब तरीके

इस दुनिया का हर इंसान खुशी हासिल करना चाहता है। लोग खुशी के लिए न जाने कितने जतन करते हैं। लेकिन कई बार खुशी बड़ी-बड़ी चीजों से नहीं मिल पाती बल्कि छोटी-छोटी सी कोशिशों से मिल जाती है।

इमेजिनेशनः केवल 30 सेकेंड के लिए कल्पना करें कि जो चीजें आपके पास हैं (जैसे आपका घर, पसंदीदा डिवाइस या कोई प्यारा रिश्ता) वो आपके पास नहीं हैं। इनकी अनुपस्थिति वाली स्थिति से जब आप हकीकत में लौटेंगे और अपने पास इन चीजों को पाएंगे तो आपको उन चीजों के होने की असली खुशी भीतर तक महसूस होगी।

भविष्य के नाम खतः आने वाले कुछ वर्षों बाद जैसे जीवन की चाहत आप करते हैं, उसको ध्यान में रखते हुए 'स्वयं' को अपनी आज की खुशियों और सपनों के बारे में एक पत्र लिखें और उसे छिपा दें। जब कभी आप उसे पढ़ेंगे, खुशी मिलेगी।

पुराने किस्सों का पिटाराः बचपन की सुखद यादें या परिवार के साथ बिताई गई छुट्टियां 'हैप्पीनेस एंकर' की तरह काम करती हैं, जो भविष्य में कठिन समय आने पर हमें सहारा देती हैं। परिवार या पुराने दोस्तों को फोन करें और पुरानी यादें ताजा करें। अच्छी यादें दिल और दिमाग को सुकून देती हैं। बुजुर्गों से उनके चटपटे अनुभव और सीख देने वाली दिलचस्प कहानियां सुनना भी सुकून देता है।

साइलेंट डिस्को पार्टीः घर पर अकेले या परिवार के साथ हेडफोन लगाकर अपनी पसंद के गानों पर कुछ देर नाचें। इससे बिना किसी शोर-शराबे के तनाव कम होगा, मूड अच्छा होगा और आपको खुशी मिलेगी।

बच्चों वाली शरारतेंः जब कभी मन करे चॉक लेकर स्लेट पर या पेन, पेंसिल से कॉपी में कुछ मजेदार चित्र बनाएं या हॉप-स्कॉच (पकड़ा-पकड़ी) जैसा कोई खेल खेलें। अपने 'इनर चाइल्ड' को बाहर लाना खुशी का बेहतरीन स्रोत है। कभी-कभी बच्चों की तरह बिना किसी खास वजह के जोर से हंसने की कोशिश करें। यह शरीर में एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज करता है, इससे मूड तुरंत हैप्पी फील करता है।

पास्ट-सेल्फ को 'थैंक यू' कहेंः केवल भविष्य की चिंता करने की बजाय, हर हफ्ते कुछ मिनट निकालकर अपने 'पुराने स्वरूप' को धन्यवाद दें। अपने पुराने स्वरूप को धन्यवाद कहना खुद से जुड़ने और अपनी प्रगति को सराहने का एक खूबसूरत तरीका है। जैसे मुश्किल समय में डटे रहने के लिए, सही चुनाव करने के लिए, सीखने और बढ़ने के लिए, खुद पर विश्वास रखने के लिए, धैर्य के लिए।

द मिस्टेक सेलिब्रेशनः जब आपसे कोई छोटी गलती हो जाए, तो उस पर झुंझलाने के बजाय मुस्कुराएं और कहें, 'वाह, एक और सीख मिली!' अपनी गलतियों को उत्सव की तरह देखने से तनाव कम होता है।

नकली मुस्कान का जादूः विज्ञान कहता है कि भले ही आप अंदर से खुश न हों, लेकिन शीशे में देखकर जबरदस्ती मुस्कुराने से दिमाग में खुशी वाले न्यूरोकेमिकल्स रिलीज होते हैं। इससे खुशी का अहसास होता है। इसे 'फेक इट टिल यू मेक इट' कहते हैं।

मिट्टी से जुड़ावः नंगे पैर मिट्टी या घास पर चलें। यह शरीर की इलेक्ट्रिकल ऊर्जा को संतुलित करता है और मन को शांत-खुश रखने में मदद करता है।

घर की सजावट बदलेंः अपने रहने की जगह को व्यवस्थित करें। साफ-सुथरा और सजा हुआ घर मानसिक शांति और खुशी देता है।

पेड़ों-पक्षियों को निहारनाः पेड़-पौधों और पशु-पक्षियों को निहारना मन को सुकून देता है। केवल एक मिनट के लिए किसी ऊंचे पेड़ को ऊपर की ओर

देखें। यह आपको रोजमर्रा की भाग-दौड़ में ठहरने और प्रकृति से जुड़ाव महसूस कराएगा। किसी पार्क में बैठें और बस पक्षियों की चहचहाहट और हरकतों पर ध्यान दें। शोध बताते हैं कि पक्षियों के संग समय बिताने से खुशी मिलती है।

वर्क प्लेस के लिएः ऑफिस में तनाव को कम करने और छोटी-छोटी खुशियां ढूंढ़ने के लिए अपनी डेस्क पर ऐसी चीजें रखें, जो आपको मुस्कुराने पर मजबूर कर दें, जैसे कोई मजेदार मैग्नेट, छोटा पौधा या अपनी पसंदीदा वैकेशन की फोटो। बोरियत या स्ट्रेस के समय, दिन भर की छोटी-छोटी उपलब्धियों को लिखें। यह आपको एहसास कराएगा कि आप प्रगति कर रहे हैं। हर एक घंटे में 2-3 मिनट के लिए अपनी सीट से उठें। गहरी सांस लें या बस थोड़ा चलें, इससे दिमाग को ताजगी-खुशी मिलती है। *

लघुकथा / रंजना जायसवाल

राजा बेटा

आज सुबह से माया को अपने बेटे विक्रम की बहुत याद आ रही थी। उसे आज भी वह दिन याद है, जब वह उसका आंचल पकड़े दिन भर इधर से उधर घूमता रहता था। उसकी इस हरकत पर उसका नाम ही पड़ गया था पिछलग्गू। पर वक्त के साथ कितना कुछ बदल गया था। बगल वाली शुक्ला भाभी अपने दो छोटे बच्चों को छोड़ जब इस दुनिया से चली गई थीं। कितना डर गया था विक्रम। कहीं उसकी मां भी शुक्ला आंटी की तरह...।

उनके बच्चे बार-बार यही कहकर रो रहे थे, 'अब हम बिल्कुल शैतानी नहीं करेंगे, मां आप वापस आ जाओ।' बेचारे कहां जानते थे उनकी मां तो ऐसी दुनिया में चली गई थीं जहां से कोई लौटकर नहीं आता। विक्रम ने सहम कर पूछा था, 'मां! आप तो मुझे छोड़कर कहीं नहीं जाएंगी न'

'तुझे छोड़कर भला मैं कहां जा सकती हूं। तू तो मेरा राजा बेटा है।'

माया ने विक्रम के भोले चेहरे को पुचकारते हुए कहा था। 'और मां आप? राजा की मां तो रानी मां हुई न' वह खिलखिला कर हंस पड़ी थीं, 'हां बिल्कुल।'

'रानी मां कहां रहती हैं?' विक्रम के सवाल खत्म होने को नहीं आते थे। 'वोवो तो महलों में रहती हैं, अपने राजा बेटे के साथ।'

'मैं भी आप के साथ महलों में रहूंगा' विक्रम खुशी से चिल्ला पड़ा था, उसकी इस हरकत से उनकी आंखें भर आईं थीं। तभी एक तेज आवाज से माया की तंद्रा टूटी। वह वर्तमान में लौटी। उसकी नजर आश्रम के बोर्ड पर पड़ी जहां बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा था 'वृद्धाश्रम।'

वह मन ही मन बुदबुदाई, 'राजा बेटे ने तो रानी मां के साथ रहने का वायदा किया था पर वह उन्हें यहां छोड़कर क्यों चला गया?' *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

मर्मस्पर्शी लघुकथाएं

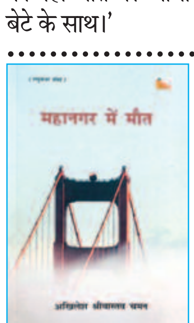

पुस्तकः महानगर में मौत, **लेखकः** अखिलेश श्रीवास्तव चमन, **मूल्यः** 225 रुपए, **प्रकाशकः** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

वरिष्ठ साहित्यकार अखिलेश श्रीवास्तव चमन का नया लघुकथा संग्रह 'महानगर में मौत' कुछ समय पूर्व छपकर आया है। इसमें कुल जमा 55 लघुकथाएं संकलित हैं। ये लघुकथाएं अपने छोटे कलेवर में भी जीवन से जुड़े तमाम पहलुओं की श्याम-श्वेत छवियां उजागर करती हैं। महानगरीय जीवनशैली ने किस तरह हमें संवेदनशून्य बना दिया है और हमारे रिश्तों में से भावनात्मक जुड़ाव छीजता जा रहा है, इसकी बानगी 'महानगर में मौत' और 'बीमारी' लघुकथाओं में देखी जा सकती है। हमारे समाज में सांप्रदायिकता और जातिवाद आज भी किस कदर हावी है और इस मानसिकता का स्वार्थी लोग कैसे दुरुपयोग करते रहते हैं, इसे प्रभावी तरीके से 'राजनीति' और 'इंटरव्यू' में पढ़ सकते हैं। 'अजूबा' और 'गाली' जैसी कुछ लघुकथाओं में लेखक ने आज के दौर की जीवनशैली और नेताओं पर कटाक्ष किया है। कह सकते हैं कि ये लघुकथाएं हमारे समय के विद्रूप को मार्मिकता से व्यक्त करती हैं। *

व्यंग्य / पंकज प्रसून

घर पहुंचा विश्व युद्ध!

कल दोपहर किचन में दाल पक रही थी। जैसे ही कुकर की सीटी बजी, मैं डाइनिंग टेबल के नीचे दुबक गया। मुझे लगा ईरान ने इजराइल के चक्कर में मिसाइलें इधर ही दाग दी हैं और अब अगला सायरन साक्षात यमराज ही बजाएंगे।

एआई इमेज

आजकल मेरी रीढ़ की हड्डी के स्थान पर 55 इंच का एक एलईडी पैनल फिट हो चुका है, जिस पर चौबीसों घंटे ब्रेकिंग न्यूज का हड़कंप मचा रहता है। मेरा हाल यह है कि मैं अपने घर के सोफे के बजाय एक अभेद्य बंकर में विराजमान होता हूं। शाम के सात बजने पर जैसे ही न्यूज चैनल चालू होता है, मेरे ड्राइंग रूम में भी जैसे तीसरे विश्व युद्ध का आगाज हो जाता है। एंकर महोदय इस तरह चिल्लाते हैं मानो मिसाइल का पिछला हिस्सा उन्हीं के स्टूडियो में रखा हो और वे बस माचिस दिखाने ही वाले हों। उनके चिल्लाने की आवृत्ति इतनी तीव्र होती है कि घर की छिपकलियां तक सरेंडर कर देती हैं।

मेरी इंद्रियों का पूरी तरह सैन्यीकरण हो चुका है। कल दोपहर किचन में दाल पक रही थी। जैसे ही कुकर की सीटी बजी, मैं डाइनिंग टेबल के नीचे दुबक गया। मुझे लगा ईरान ने इजराइल के चक्कर में मिसाइलें इधर ही दाग दी हैं और अब अगला सायरन साक्षात यमराज ही बजाएंगे। पत्नी ने तंज कसा, 'उठिए महाराज, यह कोई 'आयरन डोम' फेल होने की आवाज होने से रही, अरहर की दाल है, तीन सीटी में गलती है।' मगर उसे क्या पता कि जिसे वह दाल कहती है, मुझे उसमें बारूद की गंध आती है। शाम को पड़ोस का बच्चा छत पर पतंग उड़ा रहा था, नीले आसमान में वह लाल पतंग मुझे साक्षात किलर-ड्रोन नजर आई। मैं वहीं बालकनी में लेट गया और रेंगते हुए अंदर आया। मुझे पूरा यकीन था कि यह पतंग महज कागज का टुकड़ा होने के बजाय मोसाद द्वारा भेजा गया कोई सर्वेक्षण यान है, जो मेरी फटी हुई बनियान की जासूसी कर रहा है।

फेसबुक खोलता हूं तो लगता है कि देश का हर वह व्यक्ति, जिसके पास डेढ़ जीबी का डेटा पैक है, वह व्हाइट हाउस का मुख्य सलाहकार बना बैठा है। जिस आदमी को यह पता तक है कि पड़ोस की गली में नाली क्यों जाम है, वह भी फेसबुक पर दुनिया का नक्शा लेकर समझा रहा है कि ईरान को मिसाइलें किस एंगल से छोड़नी चाहिए थीं। हमारे मित्र वर्मा जी, जो मोहल्ले की क्रिकेट टीम में 'एक्स्ट्रा' खिलाड़ी बनने के लायक भी नहीं समझे जाते, फेसबुक पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ बने घूम रहे हैं। उन्होंने पोस्ट डाली है- 'अगर मैं नेतन्याहू की जगह होता, तो अब तक बटन दबा चुका होता।' नीचे उनके साढ़ू ने कमेंट किया है, 'भाई साहब, पहले सुबह मोटर चलाकर पानी तो भर लिया कीजिए, भाभी चिल्ला रही हैं।' न्यूज चैनलों पर बैठने वाले रक्षा विशेषज्ञ तो और भी अद्भुत हैं। वे ऐसे चहकते हैं जैसे युद्ध के बजाय गांव का मेला चल रहा हो। एक रिटायर्ड सैन्य अधिकारी ने पेन उठाकर नक्शे पर ऐसी लकीर खींची जैसे वे स्कूल में बच्चों को 'क' से कबूतर सिखा रहे हों। उन्होंने कहा, 'देखिए, यहां से मिसाइल जाएगी और सीधे किचन में गिरेगी।' मैंने डर के मारे चाय का कप नीचे रख दिया, कहीं मिसाइल मेरी चाय में ही लैंड न कर जाए।

ऑफिस से घर लौटकर चैन की उम्मीद थी, मगर वहां द्विपक्षीय वार्ता पहले ही विफल हो चुकी थी। पत्नी ने पूछा, 'सब्जी लाए?' मैंने कहा, 'युद्ध के कारण वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव है, टमाटर की कीमतों ने बैलिस्टिक मिसाइल की गति पकड़ ली है।' पत्नी का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया। उसने जो 'वाक-युद्ध' शुरू किया, उसके सामने न्यूज चैनल के एंकर भी पानी भरें। उसने कहा, 'ये जो चौबीस घंटे टीवी देखते हो, इससे दिमाग का सॉफ्टवेयर करप्ट हो गया है। घर में गृहयुद्ध की स्थिति है और तुम्हें ईरान-इजराइल की चिंता है।' झगड़ा बढ़ा तो उसने बेलन हाथ में उठा लिया। उस क्षण मुझे अहसास हुआ कि असली हाइपरसोनिक वेपन तो यही है। मैंने तुरंत युद्धविराम की घोषणा कर दी। बिना शर्त माफी मांगना ही सबसे सुरक्षित डिफेंस सिस्टम है।

रात को जब टीवी बंद करता हूं और सन्नाटा छाता है, तो दिल के किसी कोने में एक सिहरन दौड़ जाती है। टीवी के पर्दे पर जो आग दिखती है, वह दूर किसी के घर को सचमुच राख कर रही होती है। आसमान में उड़ती पतंग जब ड्रोन लगने लगे और कुकर की सीटी सायरन बन जाए, तो समझ लेना चाहिए कि युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने के बजाय हमारे दिमागों के भीतर घुसकर बमबारी कर रहा है। हम सब एक ऐसे 'वॉर जोन' में जी रहे हैं, जहां शांति एक ब्रेकिंग न्यूज बनकर रह गई है और हमारी संवेदनाएं कहीं मलबे में दबी पड़ी हैं। मिसाइल शायद मेरे घर पर गिरने से रही, मगर उस डर की मिसाइल ने मेरे सुकून को तो जख्मी कर ही दिया है। टीवी का रिमोट हाथ में है, पर जीवन का कंट्रोल शायद उन लोगों के हाथ में है, जो युद्ध की कमेंट्री बेचकर अपना घर चला रहे हैं। *

खबर संक्षेप

नई जर्सी में नजर आएंगे केकेआर के खिलाड़ी, दिखाई देगा गोल्डन पैच

मुंबई। कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2026 से पहले अपनी नई जर्सी लॉन्च की। जारी की गई जर्सी में एक बार फिर से चमकदार सुनहरे पैच लौट आए हैं। कंधों और बाजू में ये पैच दिखेंगे। जर्सी का रंग बैंगनी ही रखा गया है। केकेआर आईपीएल इतिहास की तीसरी सबसे सफल टीम है। उसने तीन बार खिताब जीता। 2012 व 2014 में गौतम गंभीर और 2024 में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में इस फ्रेंचाइज ने खिताब जीता। 2021 में उसे फाइनल में हार मिली थी।

मयंक बने 94वें ग्रैंडमास्टर

नई दिल्ली। प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी मयंक चक्रवर्ती ने अपने उभरते करियर की आखिरी बाधा पार करते हुए अपना तीसरा और अंतिम ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल कर लिया, जिससे वह भारत के 94वें ग्रैंडमास्टर बन गए। वह के पूर्वोत्तर से यह प्रतिष्ठित खिताब हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

एलेना और आर्यना में आज होगा खिताबी मुकाबला

सबालेंका ने 1 घंटे 28 मिनट में जीता मैच, लिंडा को हराकर फाइनल में एंट्री

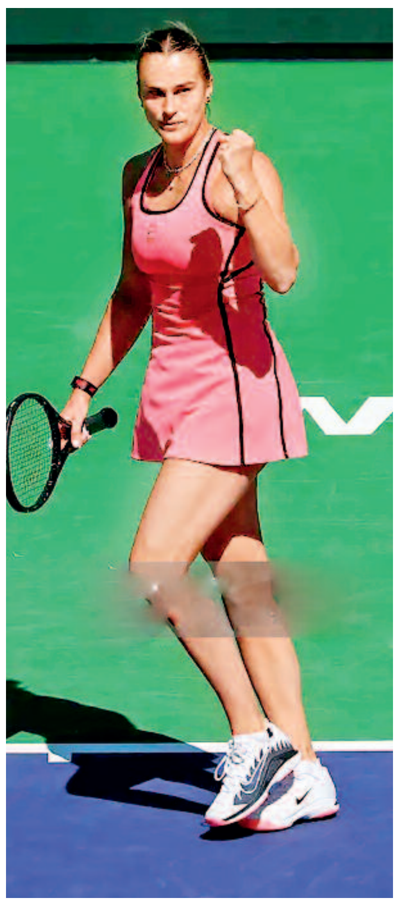

एजेंसी ▶▶| मुंबई

आर्यना सबालेंका ने इंडियन वेल्स मास्टर्स के फाइनल में जगह बना ली है। सबालेंका ने लिंडा नोस्कोवा को 6-3, 6-4 से हराकर तीसरी बार टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई है। सबालेंका ने पहली बार इंडियन वेल्स का सेमीफाइनल खेल रही 21 साल की लिंडा नोस्कोवा के खिलाफ मैच की शुरुआत से ही अपनी पकड़ बना ली थी। सबालेंका ने डबल-ब्रेक में 5-1 की बढ़त बना ली और बेहद कम समय में सेट जीत लिया। दो गेम बाद सबालेंका ने ओपन कोर्ट में फोरहैंड विनर मारकर मैच 1 घंटे 28 मिनट में खत्म कर दिया। चेक खिलाड़ी ने दूसरे सेट के आखिर में मैच में अपनी पकड़ बना ली। उन्होंने अपनी सर्विंग की काबिलियत दिखाई, जब उन्होंने दो ब्रेक पॉइंट बचाकर स्कोर 3-2 कर दिया और स्कोर सिर्फ एक ब्रेक तक ही सीमित रखा। नोस्कोवा ने दूसरे सेट में सबालेंका की सर्विंग के समय 4-3, 30-40 पर एक ब्रेक पॉइंट भी हासिल किया, लेकिन लगातार तीन बड़ी सर्व ने दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी को 6-3, 5-3 से जीत की कगार पर पहुंचा दिया।

सबालेंका के कॅरियर की 20वीं जीत

नोस्कोवा पर सबालेंका की सेमीफाइनल जीत इंडियन वेल्स में उनके करियर की 20वीं जीत है। सबालेंका पहली दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी हैं, जो 1989 में टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से लगातार सालों में फाइनल में पहुंची हैं और विक्टोरिया अजारेंका के साथ इंडियन वेल्स फाइनल में तीन अलग-अलग बार पहुंचने वाली केवल दो सक्रिय खिलाड़ियों में शामिल हो गई हैं।

इस साल मेरा दबदबा रहे

सबालेंका ने कहा, ' मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि मैं रविवार को पूरी तरह से तैयार रहूं। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस खेलूंगी और यह सुनिश्चित करने की कोशिश करुंगी कि इस साल मेरा दबदबा रहे।' सबालेंका ने शुक्रवार को जीत हासिल करके 2026 में अपना रिकॉर्ड 12-1 कर लिया। उन्होंने लगातार छठी बार किसी डब्ल्यूटीए टूर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। इससे पहले सेमीफाइनल में पहुंचने से पहले उन्हें आखिरी हार पिछले साल अगस्त में सिनसिनाटी ओपन के क्वार्टरफाइनल में रयबाकिना से ही मिली थी।

रयबाकिना ने स्वितोलिना को 7-5, 6-4 से हराया

रयबाकिना ने दूसरे सेमीफाइनल में यूक्रेन की नौवें नंबर की खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना को 7-5, 6-4 से हराया। सबालेंका को 2026 में एकमात्र हार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में रयबाकिना से मिली थी। सबालेंका निश्चित रूप से उस हार का बदला लेने के साथ इंडियन वेल्स के फाइनल में अपने 0-2 के रिकॉर्ड में सुधार करना चाहेगी।

भांबरी और गोरानसन का सफर सेमीफाइनल में थमा

इंडियन वेल्स। भारत के युकी भांबरी और स्वीडन के उनके साथी आंद्रे गोरानसन का कैलिफोर्निया में खेले जा रहे इंडियन वेल्स मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट में शानदार अभियान सेमीफाइनल में हारने के साथ समाप्त हो गया। भांबरी और गोरानसन की गैरवरीय जोड़ी फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच और मोनाको के वैलेंटीन वाचेरोट से 5-7, 7-6(7), 5-10 से हार गई। यह एक कड़ा मुकाबला था, जिसका फैसला टाईब्रेकर से हुआ। भांबरी और गोरानसन पहले सेट में अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद हार गए। उन्होंने दूसरे सेट में बेहतर खेल दिखाया और टाईब्रेकर में जीत दर्ज करके मुकाबला को निर्णायक मोड़ पर पहुंचा दिया।लेकिन निर्णायक टाईब्रेकर में रिंडरकनेच और वाचेरोट ने अपना संयम बनाए रखा और जीत हासिल कर ली। इस मैच में हार के बावजूद इस टूर्नामेंट में 33 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। वह पहली बार किसी एटीपी मास्टर्स 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचे थे।

लोकेश ने लगाई 8.21 मीटर की छलांग, बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

लोकेश का लंबी कूद में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के युवा एथलीट लोकेश सत्यनाथन ने अर्कांसस के फेयेटविले में एनसीएए इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की लंबी कूद में नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीतकर अपने करियर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। उन्होंने 8.21 मीटर की छलांग लगाकर नया इंडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया।

इससे वहां लंबी कूद के भारत के स्टार एथलीट जेस्विन एल्ड्रिन (8.42 मीटर) और मुरली श्रीशंकर (8.41 मीटर) के बाद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं। टार्लेटन स्टेट यूनिवर्सिटी की तरफ से खेल रहे लोकेश ने अपने चौथे प्रयास में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके पहला स्थान हासिल किया। लोकेश ने यूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न मिसिसिपी के डी ऑन्ड्रे वार्ड को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 8.20 मीटर की छलांग लगाकर दूसरा स्थान हासिल किया। कंसास स्टेट यूनिवर्सिटी के ताफदज़्वा चिकोम्बा 8.15 मीटर की छलांग लगाकर तीसरे स्थान पर रहे। लोकेश ने बाद में कहा, ''मैं ईश्वर का आभार व्यक्त करता हूं क्योंकि मैं जानता हूं कि उनके बिना कुछ भी संभव नहीं है। मैं निश्चित रूप से बेंगलुरु में रह रहे अपने परिवार और अपने कोच का भी आभार व्यक्त करता हूं, जो यहां मेरे लिए परिवार की तरह हैं।'

लोकेश का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

लोकेश ने 8.17 मीटर छलांग लगाकर अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी किया। इससे पहले उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8.02 मीटर था। उनके नाम पर कई जूनियर राष्ट्रीय खिताब दर्ज हैं। उन्होंने 2018 में विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

बिजनेस साइट

एलन कोटा में नीट की निःशुल्क कोचिंग के लिए प्रवेश परीक्षा 12 अप्रैल को

कोटा। एलएन माहेश्वरी परमार्थ न्यास एवं एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के संयुक्त तत्वावधान में संचालित एलन शिक्षा संबल कार्यक्रम के लिए प्रवेश परीक्षा की तिथियां घोषित कर दी गई हैं। इस योजना के तहत सरकारी स्कूलों के हिन्दी माध्यम के प्रतिभावान विद्यार्थियों को मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग उपलब्ध कराई जाती है। न्यास के सदस्य नवीन माहेश्वरी ने बताया कि सरकारी स्कूलों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम शुरू किया गया था। वर्तमान में नीट-2027 की तैयारी के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, जिसमें इस वर्ष कुछ महत्वपूर्ण बदलाव भी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष प्रवेश परीक्षा दो चरणों में आयोजित की जाएगी। पहली परीक्षा 12 अप्रैल 2026 तथा दूसरी 10 मई 2026 को होगी। इस बार एक बड़ा बदलाव यह किया गया है कि वर्ष 2025 में 12वीं पास कर चुके विद्यार्थी भी परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। पहले केवल वर्तमान वर्ष में 12वीं पास करने वाले विद्यार्थी ही पात्र होते थे। अब 2025 और 2026 में 12वीं उत्तीर्ण छात्र-छात्राएं आवेदन कर सकेंगे। इच्छुक विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।इस योजना के अंतर्गत उत्तर भारत के हिन्दी भाषी राज्यों के सरकारी स्कूलों से चयनित 126 विद्यार्थियों को नीट-यूजी की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग दी जाएगी। इनमें 81 छात्राएं और 45 छात्र शामिल हैं। योजना के तहत एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट द्वारा कोटा में मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी के लिए एक वर्ष की 100 प्रतिशत स्कॉलरशिप के साथ कोचिंग प्रदान की जाएगी। वहीं एलएन माहेश्वरी परमार्थ न्यास की ओर से विद्यार्थियों के लिए निशुल्क आवास और भोजन की व्यवस्था भी की जाएगी। शिक्षा संबल योजना के माध्यम से राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और उत्तराखंड जैसे राज्यों के हिन्दी माध्यम के सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का अवसर देने का प्रयास किया जा रहा है।

> सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को मिलेगा निशुल्क कोचिंग, आवास और भोजन

अविनाश ग्रुप के नए प्रकृति-आधारित आवासीय प्रोजेक्ट 'अविनाश उपवन' का भव्य शुभारंभ

रायपुर। प्रदेश की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनी अविनाश ग्रुप ने अपने नए प्रकृति-आधारित आवासीय प्रोजेक्ट 'अविनाश उपवन' का भव्य शुभारंभ शनिवार को किया। दो दिवसीय लॉन्चिंग कार्यक्रम के पहले दिन ही ग्राहकों का शानदार रिस्पांस देखने को मिला। बड़ी संख्या में लोगों ने प्रोजेक्ट का दौरा कर अपने सपनों का आशियाना बुक करने में रुचि दिखाई। लॉन्चिंग कार्यक्रम में अविनाश ग्रुप के आनंद सिंघानिया, डायरेक्टर मुकेश सिंघानिया, डायरेक्टर यश सिंघानिया, डायरेक्टर प्रियंक सिंघानिया, डायरेक्टर आदित्य सिंघानिया, डायरेक्टर सौरभ अग्रवाल, डायरेक्टर प्रतीक शर्मा, प्रोजेक्ट आर्किटेक्ट विवेक राठौड़, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट रमेश सिंह, सीनियर जीएम सेल्स विपिन झा, जीएम मार्केटिंग अभिषेक शर्मा सहित अविनाश ग्रुप के स्टाफ और बड़ी संख्या में ग्राहक उपस्थित रहे।

> नवा रायपुर में इको-लिविंग का नया अनुभव

वेडिंग सीजन के लिए विमल वाटिका व वी-स्क्वायर में नया कलेक्शन

रायपुर। वेडिंग सीजन को ध्यान में रखते हुए शहर के प्रतिष्ठित फैशन स्टोर्स विमल वाटिका और वी-स्क्वायर ने ग्राहकों के लिए आकर्षक और विस्तृत नए कलेक्शन पेश किए हैं। खास बात यह है कि अच्छी खरीद पर ग्राहकों को सरप्राइज गिफ्ट भी दिया जा रहा है। वेडिंग कलेक्शन में इस बार मुंबई, कोलकाता, दिल्ली, बनारस, सूरत और बंगलौर जैसे बड़े फैशन हब से शूट, शेरवानी, इंडो-वेस्टर्न, ब्लेजर, कुर्ता-पजामा, अनारकली, धोती, पटियाला और बंडी के नवीनतम डिजाइन्स मंगाए गए हैं। इसके साथ ही गर्मियों के लिए प्योर कॉटन, प्योर लिनेन और बॉम्बे फैब्रिक में कुर्ता-पजामा व जैकेट्स की रेंज उपलब्ध है। विमल वाटिका के डायरेक्टर महेश चौधरी ने बताया कि, हर व्यक्ति की ख्वाहिश होती है कि खास मौकों पर वह सबसे अलग और आकर्षक दिखे। हमारी टीम के वेडिंग एक्सपर्ट्स इसी ख्वाहिश को साकार करते हैं। दूल्हों के शूट-शेरवानी, इंडो-वेस्टर्न, जोधपुरी शूट्स, कुर्ता पैजामा जैकेट हैं। स्पेशल पैकेज की सुविधा भी दी जा रही है। ग्रुप बुकिंग पर टू-पीस शूट, जोधपुरी शूट और रेमंड के फैब्रिक से तैयार ड्रेस उपलब्ध है। साथ ही हल्दी, मेहंदी और मायरा जैसे कार्यक्रमों के लिए बल्क बुकिंग में विशेष छूट दी जा रही है।

रातों-रात भूतों ने किया था मंदिर का निर्माण, बिना सीमेंट-चूने के खड़ा मजबूती से

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुरैना में एक ऐसा मंदिर है जिसका रहस्य बड़े-बड़े इंजीनियर भी नहीं समझ पाए हैं। 11वीं सदी के इस मंदिर में न तो सीमेंट, न ही मिट्टी या चूने का इस्तेमाल हुआ है। यह सिर्फ़ पत्थरों पर बना है, पत्थर पर बैलेंस बनाकर। यह 100 फुट ऊंचा स्ट्रक्चर ऐसा दिखता है जैसे कभी भी गिर सकता है, लेकिन 1,000 सालों से तूफ़ान भी इसे चकमा नहीं दे पाए हैं। गांव वालों का कहना है कि भूतों ने इसे एक ही रात में बनाया था, और सुबह होने पर काम अधूरा छोड़ दिया था। क्या यह सच में कोई चमत्कार है या पुरानी कारीगरी का जादू? आइए जानें इस रहस्यमयी मंदिर की पूरी कहानी।

सूखे पत्थर की चिनाई तकनीक का इस्तेमाल

ककनमठ मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। इसकी सबसे खास बात इसका स्ट्रक्चर है। इसे सूखे पत्थर की चिनाई तकनीक का इस्तेमाल करके बनाया गया है। आप मंदिर के पत्थरों के आर-पार देख सकते हैं। ऐसा लगता है जैसे किसी ने लेगो ब्लॉक का इस्तेमाल करके इतना ऊंचा मंदिर बना दिया हो। लोग कहते हैं कि इस मंदिर के पत्थर हवा में लहराते हुए लगते हैं, लेकिन मंदिर खुद अपनी जगह से नहीं हिलता।

मध्य प्रदेश का रहस्यमयी मंदिर

एक गलती से रुक गया था कंस्ट्रक्शन

मंदिर से जुड़ी एक और दिलचस्प कहानी है। कहा जाता है कि कच्छपघात वंश के राजा कीर्तिराज यह मंदिर बनवाना चाहते थे। भगवान शिव उनके सपने में आए और उनसे कहा कि मंदिर एक ही रात में बन जाएगा, लेकिन इस शर्त पर कि कोई भी इंसान इसे बनते हुए नहीं देखेगा। राजा ने पूरे गांव में ऐलान करवा दिया कि कोई भी अपने घरों से बाहर न निकले लेकिन एक छोटे बच्चे की जिज्ञासा ने उन पर काबू पा लिया। उसने खिड़की से चुपके से झांका। जैसे ही आत्माओं को पता चला कि उन्हें देख लिया गया है, उन्होंने काम रोक दिया। मंदिर वैसा ही रहा जैसा था।

साइंटिस्ट क्या कहते हैं?

रिकॉर्ड के मुताबिक, इसे 11वीं सदी में राजा कीर्तिराज ने बनवाया था। यह एक बड़ा मंदिर था, जिसके चारों ओर कई छोटे मंदिर थे। आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया के मुताबिक, समय के साथ आए तेज भूकंप और बाहरी हमलों की वजह से आस-पास के मंदिर गिर गए, और मुख्य मंदिर का बाहरी ढांचा भी गिर गया। आज हम जो हिस्सा देखते हैं, वह गर्भगृह और मुख्य शिखर है। पत्थरों का सही बैलेंस ही वजह है कि यह आज भी बिना किसी जोड़ के खड़ा है।

देश के रहस्यमय धार्मिक स्थल, जिनके निर्माण का राज आजतक कोई नहीं जान पाया

इनके इतिहास और अनसुनी कहानियां जेहन में भर देती हैं रोमांच

नई दिल्ली। भारत को आस्था, आध्यात्मिकता और पुराने रहस्यों की धरती माना जाता है। यहां कई धार्मिक जगहें ऐसी हैं जो रहस्य, आर्किटेक्चर और इतिहास को समेटे हुए हैं, जो रिसर्चर्स और इतिहासकारों के लिए आज भी एक रहस्य है। इन जगहों के बारे में मान्यताएं, किंवदंतियां और साइंटिफिक तर्क अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन एक बात पक्की है: इनकी रहस्यमयी कहानियां लोगों को आज भी हैरान करती हैं। आइए भारत की पांच ऐसी धार्मिक जगहों के बारे में जानते हैं, जिनके बनने को लेकर आज भी कई सवाल उठते हैं।

कैलाश मंदिर, एलोरा

महाराष्ट्र की एलोरा गुफाओं में मौजूद कैलाश मंदिर को दुनिया के सबसे शानदार आर्किटेक्चरल अजूबों में से एक माना जाता है। माना जाता है कि इस मंदिर को ऊपर से नीचे तक एक ही बड़ी चट्टान से तराशा गया था। पुराने समय में बिना मॉडर्न मशीनरी के इतना बड़ा और जटिल स्ट्रक्चर कैसे बनाया गया, यह एक रहस्य बना हुआ है। इतिहासकार इसे राष्ट्रकूट वंश का मानते हैं, लेकिन बनाने के तरीके अभी भी साफ नहीं हैं।

कामाख्या मंदिर

असम की पहाड़ियों में मौजूद कामाख्या मंदिर शक्ति पूजा का एक बड़ा सेंटर है। इस मंदिर की सबसे खास बात यह है कि इसमें देवी की मूर्ति की नहीं, बल्कि एक कुदरती चट्टान की पूजा होती है। हर साल, अंबुबाची मेले के दौरान, देवी के पीरियड्स के साथ एक कुदरती घटना जुड़ी होती है, जिसे भक्त चमत्कार मानते हैं। इस जगह की शुरुआत और पौराणिक महत्व के बारे में कई किंवदंतियां हैं, लेकिन पक्के ऐतिहासिक सबूत कम हैं।

जगन्नाथ मंदिर, पुरी

ओडिशा के पुरी में मौजूद जगन्नाथ मंदिर अपने रहस्यों के लिए दुनिया भर में मशहूर है। कहा जाता है कि मंदिर के शिखर पर लगा झंडा हमेशा हवा की उल्टी दिशा में लहराता है। इसके अलावा, ऐसा माना जाता है कि मंदिर के ऊपर से पक्षी नहीं उड़ते। मंदिर का आर्किटेक्चर और इसके रहस्य आज भी लोगों को हैरान करते हैं।

लेपाक्षी मंदिर

आंध्र प्रदेश का लेपाक्षी मंदिर अपने /"लटकते खंभों/" के लिए मशहूर है। कहा जाता है कि इस मंदिर का एक खंभा पूरी तरह से ज़मीन को नहीं छूता है। लोग उसके नीचे देखने के लिए एक कपड़ा हटाते हैं। पुराने ज़माने में इतनी सटीक इंजीनियरिंग कैसे मुमकिन हुई, यह आज भी रिसर्च का विषय है।

बृहदेश्वर मंदिर

तमिलनाडु में बृहदेश्वर मंदिर चोल वंश के आर्किटेक्चर का एक शानदार उदाहरण है। इसका विशाल शिवलिंग और ऊंचा गोपुरम हैरान करने वाला है। कहा जाता है कि इसके ऊपर रखे पत्थर का वजन कई टन है। इसे इतनी ऊंचाई तक कैसे पहुंचाया गया, इसका रहस्य अभी भी अनसुलझा है। भारत में ये धार्मिक जगहें न केवल आस्था के केंद्र हैं, बल्कि इतिहास और आर्किटेक्चर के अद्भुत उदाहरण भी हैं।

'फ्लाइंग स्नेक्स' का रहस्य

एक पेड़ से दूसरे तक जाने के लिए लगाते हैं छलांग

नई दिल्ली। सांपों को आमतौर पर धरती पर रेंगने वाले जीव के रूप में जाना जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ सांप उड़ भी सकते हैं? जी हां, दुनिया में कुछ ऐसे सांप मौजूद हैं, जो हवा में लगभग 30 मीटर तक ग्लाइड कर सकते हैं। इन्हें फ्लाइंग स्नेक या ग्लाइडिंग स्नेक कहा जाता है। उनकी यही काबिलियत, उन्हें दूसरे सांपों से अलग बनाती है और सांपो के सामान्य बर्ताव से अलग होता है। आइए इन खास सांपों के बारे में और विस्तार से जानते हैं। जब ये सांप एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर जाना चाहते हैं, तो वे अपने शरीर को चपटा कर लेते हैं और हवा में छलांग लगा देते हैं। इस दौरान उनका शरीर पैराशूट की तरह काम करता है, जिससे वे धीरे-धीरे नीचे गिरते हुए भी आगे बढ़ जाते हैं।

फ्लाइंग स्नेक की मुख्य प्रजातियां

गोल्डन ट्री स्नेक : ये थाईलैंड, इंडोनेशिया और भारत के कुछ हिस्सों में पाए जाते हैं।
पैराडाइज ट्री स्नेक : य मलेशिया, सिंगापुर और फिलीपींस के जंगलों में मिलते हैं।
ट्विन-बार्ड ट्री स्नेक : यह छोटी प्रजाति है और मुख्य रूप से मलेशिया व सुमात्रा में पाई जाती हैं।

फ्लाइंग स्नेक कहां पाए जाते हैं?

ये सांप मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्वी एशिया के ट्रॉपिकल फॉरेस्ट में पाए जाते हैं, जैसे- भारत (पश्चिमी घाट और पूर्वोत्तर के जंगल),थाईलैंड, इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस और सिंगापुर।

दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी एशिया में बहुतायत

फ्लाइंग स्नेक असल में उड़ते नहीं हैं, बल्कि हवा में ग्लाइड करते हैं। ये एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर जाने के लिए हवा में लंबी छलांग लगाते हैं, जिससे पेड़ से नीचे उतरने और दोबारा चढ़ने का समय बचता है। ये सांप क्रिसोपेलिया प्रजाति से संबंधित हैं, जिन्हें पैराडाइज ट्री स्नेक भी कहा जाता है। ये दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी एशिया के जंगलों में पाए जाते हैं। ये सांप ऊंचे पेड़ों पर रहते हैं और कीड़ों, छिपकलियों व छोटे पक्षियों को खाकर जीवित रहते हैं।

ये नन्हें खरगोश असल में हैं बहुत होनहार कायम कर चुके हैं अनोखे विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली। खरगोश छोटे और प्यारे दिखने वाले पालतू जानवर होते हैं, जिनका चंचल स्वाभाव दिल जीत लेता है। आपको खरगोश दिनभर खेलते-कूदते और शरारत करते नजर आ जाएंगे। हालांकि, कुछ ऐसे होनहार खरगोश भी होते हैं, जो अपनी प्रतिभा से इतिहास रच डालते हैं। आज हम आपको कुछ प्रतिभाशाली खरगोशों के बारे में बताने वाले हैं, जिन्होनें कुछ कमाल के विश्व रिकॉर्ड कायम किए हैं। इनकी कहानी आपको हैरत में डालेगी और प्रेरित भी करेगी।

सबसे लंबी छलांग लगाने वाला खरगोशः खरगोश छलांग लगाने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं। औसतन, एक स्वस्थ वयस्क खरगोश 2 से 4 फीट ऊंचा कूद सकता है। हालांकि, डेनमार्क के एक खरगोश ने अपनी लंबी छलांग के जरिए गिनीज बुक में अपना नाम दर्ज करवा लिया है। इस खरगोश का नाम याबो था, जिसने 3 मीटर यानि 9 फीट 9.6 इंच लंबी छलांग लगाई थी।

सबसे लंबा खरगोश

आम तौर पर खरगोश छोटे होते हैं, लेकिन उनका आकार उनकी नस्ल पर निर्भर करता है। हालांकि, फ्लेमिश जायंट प्रजाति खरगोशों की सबसे बड़ी नस्ल है। इसी प्रजाति के एक खरगोश ने दुनिया के सबसे बड़े खरगोश का विश्व रिकॉर्ड बनाया है। इसका नाम डारियस है, जो कि यूनाइटेड किंगडम का रहने वाला है। उसकी लंबाई 4 फीट 3 इंच यानि 129 सेंटीमीटर है। उसकी मालकिन एनेट एडवर्ड्स को उस पर गर्व है।

सबसे ज्यादा जीने वाला खरगोश

खरगोश औसतन 3 से 5 साल तक जीवित रहते हैं, लेकिन उनका जीवन काल उनकी नस्ल पर निर्भर करता है। हालांकि, 1964 में एक खरगोश का जन्म हुआ था, जो 18 साल और 10.75 महीने तक जीवित रहा था। यह दुनिया का सबसे लंबे समय तक जीने वाला खरगोश कहलाया और 1983 में दुनिया को अलविदा कह गया। इस खरगोश का नाम फ्लॉपी था, जो ऑस्ट्रेलिया का रहने वाला था।

बास्केटबाल खेलने वाला खरगोश

आपने कभी सोचा भी नहीं होगा, लेकिन एक खरगोश ऐसा भी है, जो बास्केटबॉल खेल सकता है। जी हां, इसके नाम एक मिनट में बास्केटबॉल से सबसे ज्यादा गोल करने का विश्व रिकॉर्ड दर्ज है। इस होनहार खरगोश का नाम बिन द बनी है, जिसने एक मिनट के अंदर 7 बार बास्केट में गेंद डाली थी। वह अमेरिका का रहने वाला था और उसने यह रिकॉर्ड 31 अक्टूबर, 2016 में कायम किया था।

अब तक बेची गई सबसे महंगी फुटबॉल जर्सी, करोड़ों में है जिनकी कीमत

नई दिल्ली। फुटबॉल दुनिया का सबसे लोकप्रिय खेल है, जिसे वैश्विक स्तर पर अनुमानित 400 करोड़ लोग देखते हैं। लिहाजा, फुटबॉल खिलाड़ियों की प्रसिद्धि भी आसमान छूती है। इन खिलाड़ियों ने जिन भी जेर्सी को एक बार पहन लिया, वे बेशकीमती हो जाती हैं। उन्हें खरीदने के लिए लोग लाखों क्या, करोड़ों रुपये खर्च करने से भी पीछे नहीं हटते हैं। इसी कड़ी में आज हम आपको अब तक बिकने वाली सबसे महंगी फुटबॉल जेर्सी के बारे में बताएंगे।

माराडोना की 'हैंड ऑफ गॉड' जर्सी

डिएगो माराडोना अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर थे, जिन्हें इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। उन्होंने 1986 फीफा विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में जो जर्सी पहनी थी, वह इस सूची में पहले स्थान पर है। उन्होंने इसे अपने प्रसिद्ध 'हैंड ऑफ गॉड' गोल के दौरान पहना था।

भारत का अजीबो-गरीब गांव जहां चलता है सिर्फ भूतों का राज!

इंसानों की एंट्री तक पर लगा है प्रतिबंध

नई दिल्ली। भारत अपने अलग-अलग कल्चर, अनोखी परंपराओं और रहस्यमयी कहानियों के लिए जाना जाता है। हर राज्य और हर गांव में कुछ न कुछ अनोखा होता है, लेकिन कुछ जगहें ऐसी भी हैं जहां लोग अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी जीते हुए अचानक रहस्यों और अजीब घटनाओं का सामना करते हैं। ऐसा ही एक छोटा सा गांव महाराष्ट्र के कोंकण इलाके में है, जो अपनी रहस्यमयी जीवनशैली के लिए जाना जाता है। इस गांव का नाम चिंदर गांव है।

साल में एक बार पूरा गांव हो जाता है खाली

इस गांव में सादी ज़िंदगी जीने वाले लोग रहते हैं, लेकिन साल में एक बार यहां कुछ ऐसा होता है जिससे पूरा गांव खाली हो जाता है। घर, सड़कें और दुकानें सुनसान हो जाती हैं। लोग अपने दरवाज़े बंद करके गांव छोड़कर चले जाते हैं, तीन दिनों तक गांव में कोई नहीं रहता। यह घटना किसी डरावनी कहानी से कम नहीं लगती, लेकिन यह सदियों पुरानी परंपरा है।

गांव के खाली होने का रहस्य

स्थानीय लोगों का मानना है कि इस दौरान गांव में देवता और आत्माएं आती हैं। ये आत्माएं और दिव्य शक्तियां गांव में शांति से रहना चाहती हैं, और अगर कोई व्यक्ति उनके बीच रहता है, तो गंभीर नतीजे हो सकते हैं। इसलिए, सभी को तीन दिनों के लिए गांव छोड़ना पड़ता है।

एक कहानी यह भी है प्रचलित : पुरानी कहानियों के अनुसार, एक खतरनाक जंगली सूअर (वराह) और उससे जुड़ी बुरी आत्माएं कभी इस गांव में थीं। फिर गांव के देवता रावलनाथ और इन आत्माओं के बीच एक समझौता हुआ, जिसमें कहा गया कि हर कुछ साल में, पूरा गांव तीन दिनों के लिए आत्माओं और देवताओं के लिए छोड़ दिया जाएगा। इस नियम को मानने से गांव सुरक्षित और शांत रहता है।

तीन दिनों के बाद क्या होता है?

तीन दिनों के बाद, गांव का पुजारी मंदिर में पूजा करता है और देवता से अनुमति मिलने के बाद गांव लौट जाता है। इस पूरी प्रक्रिया को देव-पालन भी कहा जाता है। यह सिर्फ़ एक परंपरा नहीं है, बल्कि गांव के लिए इसका सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व भी है। यह परंपरा एक रहस्यमयी रस्म है, जो पीढ़ियों से चली आ रही है और गांववालों की आस्था, सांस्कृतिक पहचान और सुरक्षा की भावना को दिखाती है।

तीन दिनों की रहस्यमयी प्रक्रिया

जब यह परंपरा शुरू होती है, तो गांव वाले अपना सारा ज़रूरी सामान, जानवर और खाना अपने साथ ले जाते हैं और गांव के बाहर अस्थायी झोपड़ियां बनाते हैं। इन तीन दिनों को न केवल डरावना माना जाता है, बल्कि सामुदायिक जीवन का उत्सव भी माना जाता है। गांव के सभी घर बंद कर दिए जाते हैं, दरवाजों पर नारियल के पत्ते रखे जाते हैं, और सड़कें और मंदिर सुनसान हो जाते हैं। इन तीन दिनों में गांव में कोई भी इंसान नहीं रहता है। लोग कहते हैं कि यह गांव में दिव्य उपस्थिति और आत्माओं की मौजूदगी का समय होता है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com